- उच्च न्यायिक सेवा में पदोन्नत जजों के लिए आरक्षण देने से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार-14

- केंद्रीय उद्योग मंत्री बोले- आयातकों और निर्यातकों को नई सूचना देगा टीआईए-14

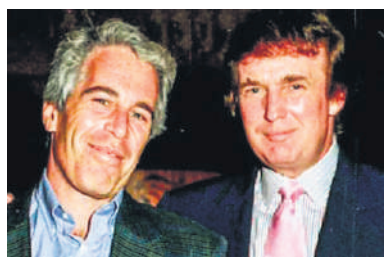

- ट्रंप पर बढ़ा यौन अपराधी एपस्टीन से संबंधित फाइलें जारी करने का दबाव-15

- रिकू के करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी से उत्तर प्रदेश ने तमिलनाडु पर बढ़त बनाई-16

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

हल्द्वानी

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष अमावस्या 12:17 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 20 नवंबर 2025, वर्ष 5, अंक 270, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

छह साल का साथ, अटूट विश्वास

सादर प्रणाम।

आज अमृत विचार केवल एक समाचार पत्र नहीं, बल्कि सच और सकारात्मकता की उस यात्रा का प्रतीक है, जिसने आप सभी के अटूट विश्वास के सहारे अपने छह वर्ष सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर, हम आप सभी का हृदयतल से आभार व्यक्त करते हैं और कोटिश: बधाई देते हैं।

वर्ष 2019 में बरेली की पावन धरा से जब हमने अपनी यात्रा शुरू की थी, तब बाजार में अनेक चुनौतियां थीं, लेकिन हमारे पास एक संकल्प था – पत्रकारिता के उच्चतम मूल्यों को पुन: स्थापित करने का। हमने तय किया था कि हम केवल खबरें नहीं छापेंगे, बल्कि उन खबरों के पीछे का सच सामने लाएंगे, जो समाज को प्रभावित करती हैं। इन छह वर्षों में हमने निष्पक्षता को अपना धर्म बनाया। चाहे वह स्थानीय स्तर की समस्याएं हों या राष्ट्रीय मुद्दे, अमृत विचार ने हमेशा बेबाकी से अपनी बात रखी है। नियमित खबरों के साथ साथ पाठकों को अपडेट रखने के लिए सप्ताह में सातों दिन अलग -अलग विषय पर विशेष फीचर पेजों का संयोजन भी किया जा रहा है।

इस यात्रा में कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन आपके समर्थन ने हमें हर चुनौती का डटकर सामना करने की शक्ति दी। आज, बरेली से शुरू हुआ यह कारवां लखनऊ, कानपुर, मुरादाबाद, हल्द्वानी और अयोध्या तक पहुंच चुका है, और यह विस्तार आपके भरोसे का सीधा प्रमाण है। जल्द ही हम अमृत विचार के दिल्ली, देहरादून और मेरठ संस्करण की शुरुआत की दिशा में भी काम कर रहे हैं।

हमारा मानना है कि पत्रकारिता केवल समस्याओं को उजागर करने तक सीमित नहीं है। हमारा उद्देश्य समाधान-उन्मुख पत्रकारिता करना और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है। अमृत विचार आगे भी इसी पथ पर चलता रहेगा। हम सनसनीखेज पत्रकारिता से बचते हुए, तथ्यों पर आधारित और चिंतन पूर्ण सामग्री अपने पाठकों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा हर शब्द समाज के निर्माण में एक सकारात्मक भूमिका निभाए, यही हमारा लक्ष्य है।

इन छह वर्षों की सफलता ने हमारे हौसलों को और मजबूत किया है। इस अवसर पर, हम यह संकल्प लेते हैं कि अमृत विचार समाचार पत्र को हम पत्रकारिता के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे। तकनीकी रूप से उन्नत होते हुए, हम डिजिटल माध्यमों पर भी अपनी पकड़ मजबूत करेंगे, ताकि हर वर्ग के पाठक तक पहुंच बनाई जा सके।

हम एक बार फिर अपने पाठकों का, जिन्होंने हमें अपना दैनिक साथी बनाया... अपने विज्ञापनदाताओं का, जिन्होंने हमारे मूल्यों पर भरोसा किया... अपने वितरकों का, जिन्होंने घर-घर तक हमें पहुंचाया और अपने मेहनती कर्मचारियों का, जिन्होंने इस सपने को हकीकत में बदला, हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। आपका विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। हम आपके आभारी हैं और भविष्य में भी इसी जोश और ईमानदारी के साथ आपकी सेवा में तत्पर रहेंगे।

डॉ. केशव अग्रवाल
चेयरमैन

डॉ. अशोक अग्रवाल
प्रेसिडेंट

डॉ. वरुण अग्रवाल
डायरेक्टर

डॉ. अर्जुन अग्रवाल
डायरेक्टर

अमृत विचार समूह

मनमोहक...

पुट्टपर्थी में दिवंगत आध्यात्मिक गुरु श्री सत्य साईं बाबा की जन्म शताब्दी समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान युवा कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुति देकर बाबा को नमन किया। प्रधानमंत्री मोदी भी समारोह में उपस्थित रहे, उन्होंने अपनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि बाबा की शिक्षाएं और सेवा दुनियाभर में लाखों अनुयायियों का मार्गदर्शन करती रहेंगी।

अल फलाह ग्रुप का अध्यक्ष 13 दिन की ईडी हिरासत में

नई दिल्ली, एजेंसी

- एजेंसी ने कहा-सिद्दीकी के पास विदेश भागने के कई कारण

दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को अल फलाह समूह के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी को 13 दिनों के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया। वही, एजेंसी ने अदालत को बताया कि सिद्दीकी के पास भारत से भागने के कई कारण हैं क्योंकि उसके परिवार के करीबी सदस्य खाड़ी देशों में बसे हुए हैं।

सिद्दीकी को संघीय जांच एजेंसी ने मंगलवार रात फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय समूह के खिलाफ दिनभर की छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया था। यह विश्वविद्यालय 10 नवंबर को लाल किले के निकट हुए विस्फोट की जांच के केंद्र में है, जिसमें 15 लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे। ईडी ने अदालत को बताया कि सिद्दीकी ने अपने ट्रस्ट द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों के साथ बेईमानी से 415 करोड़ रुपये की आय अर्जित की। सिद्दीकी को मंगलवार-बुधवार की मध्यरात्रि अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान के आवास पर पेश किया गया।

भारत जैविक खेती का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर अग्रसर : प्रधानमंत्री

मोदी ने किया दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन का उद्घाटन

कोयंबटूर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत जैविक खेती का वैश्विक केन्द्र बनने की राह पर है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह देश की स्वदेशी और पारंपरिक पद्धति है। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की शानदार जीत के बाद मोदी ने अपने यहां आगमन पर लोगों द्वारा गमछा लहराने का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा था कि बिहार की हवा उनसे पहले ही तमिलनाडु में आ गई हो। तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाला राजग अगले साल विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन से मुकाबला करेगा। विपक्षी गठबंधन एम के स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से हटाने के लिए भरसक प्रयास कर रहा है।

दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन 2025 और एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने नौ करोड़ किसानों को सहायता देने के लिए पीएम-किसान योजना की 21वीं किस्त जारी की। इस किस्त की कुल राशि 18,000 करोड़ रुपये से अधिक है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरता में कमी आई है और जैविक खेती को पूरी तरह से समर्थन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण और जैविक खेती मृदा संबंधी समस्याओं का समाधान है।

कोयंबटूर में दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि सम्मेलन का शुभारंभ करते पीएम मोदी। ● एजेंसी

- 18,000 करोड़ रुपये की पीएम-किसान योजना की 21वीं किस्त जारी
- फसल विविधीकरण और जैविक खेती मृदा संबंधी समस्याओं का समाधान

जलवायु परिवर्तन से निपटने में मददगार

प्रधानमंत्री ने कहा कि साथ ही जैविक खेती जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी मदद करती है। प्रधानमंत्री ने जब दो छात्राओं को राष्ट्र के आर्थिक परिवर्तन के लिए उनके दृष्टिकोण की सराहना करते हुए तख्तियां लहराते देखा तो उन्होंने सुरक्षाकर्मियों से इन तख्तियों को लाने को कहा और छात्राओं की सराहना की। इससे पहले प्रधानमंत्री ने हवाई अड्डे से कोयंबटूर जिला लघु उद्योग संघ मैदान तक लगभग दो किलोमीटर की दूरी तक रोड शो किया तथा आम नागरिक एवं पार्टी कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए सड़क के दोनों ओर खड़े थे। उनके स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये और लोगों ने प्रधानमंत्री के वाहन पर फूल बरसाए जबकि प्रधानमंत्री ने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में वांछित अनमोल कोर्ट में पेश

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के आरोपी एवं गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को बुधवार को यहां एक अदालत में पेश किया गया। एनआईए ने अमेरिका से प्रत्यर्पण के उपरांत गिरफ्तार किए गए अनमोल को शाम करीब पांच बजे पटियाला हाउस अदालत में पेश किया। संघीय एजेंसी ने अनमोल को विशेष न्यायाधीश प्रशांत शर्मा के समक्ष पेश करने के बाद उसे 15 दिन की हिरासत में भेजने का अनुरोध किया। अदालत परिसर और उसके आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मीडियाकर्मियों को अदालती कार्यवाही में शामिल होने की अनुमति नहीं थी। राकांपा के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या, अप्रैल 2024 में बॉलीवुड स्टार सलमान खान के घर पर गोलीबारी, पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या समेत कई अन्य अपराधों में वांछित अनमोल को मंगलवार को अमेरिका से प्रत्यर्पित किया गया। उसे पिछले साल नवंबर में अमेरिका में हिरासत में लिया गया था।

- एनआईए ने मांगी 15 दिन की हिरासत

न्यूज ब्रीफ

मिशेल बैचलेट को इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार

नई दिल्ली। चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बैचलेट को बुधवार को वर्ष 2024 का इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार प्रदान किया गया। इंदिरा गांधी स्मारक न्यास की प्रमुख सोनिया गांधी ने मिशेल को यह पुरस्कार प्रदान किया। उन्हें शांति, लैंगिक समानता, मानवाधिकार और विकास में उनके योगदान के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। इंदिरा गांधी स्मारक न्यास द्वारा इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार प्रति वर्ष विश्व के किसी ऐसे व्यक्ति या संस्था को प्रदान किया जाता है जिसने समाज सेवा, निरस्त्रीकरण या विकास के कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो।

राज्य में 6 माह के लिए हड़ताल पर रोक

देहरादून। उत्तराखंड की राज्याधीन सेवाओं में शासन के द्वारा छह माह की अवधि के लिए हड़ताल पर पाबंदी लगाई गई है। सचिव कार्मिक शैलेश बगोली द्वारा इस संबंध में बुधवार को एक अधिसूचना जारी की गई है। अधिसूचना के अनुसार, लोकहित में उत्तर प्रदेश अत्यावश्यक सेवाओं का अनुरक्षण अधिनियम, 1966 (उत्तराखंड राज्य में यथा प्रवृत्त) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन इस आदेश के निर्गत होने की दिनांक से छह मास की अवधि के लिए राज्याधीन सेवाओं में हड़ताल निषिद्ध की गई है।

मुकदमेबाजी से बचने को अकेली महिलाएं बनाएं अपनी वसीयत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उन सभी महिलाओं से अपील की जिनकी संतान या पति नहीं हैं, कि वे अपने माता-पिता और ससुराल वालों के बीच संभावित मुकदमेबाजी से बचने के लिए वसीयत बनाएं। शीर्ष अदालत ने हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम-1956 का हवाला देते हुए कहा कि उस समय संसद ने यह मान लिया होगा कि महिलाओं के पास स्व-अर्जित संपत्ति नहीं होगी, लेकिन इन दशकों में महिलाओं की प्रगति को कम करके नहीं आंका जा सकता।

- परिवार में संपत्ति विवाद को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट की अपील

पीठ ने कहा कि इस देश में हिंदू महिलाओं सहित महिलाओं की शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता ने उन्हें स्व-अर्जित संपत्ति बनाने के लिए प्रेरित किया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि किसी हिंदू महिला की मृत्यु बिना वसीयत के और उसके पुत्र, पुत्री और पति के अभाव में हो जाती है, तो ऐसी स्व-अर्जित संपत्ति केवल उसके पति के उत्तराधिकारियों को ही मिलेगी, तो संभवतः जहां तक मायके वालों का सवाल है, यह उनके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। हम इस संबंध में भी कोई टिप्पणी नहीं करते हैं।

न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 15(1)(बी) को चुनौती देने के लिए एक महिला वकील द्वारा दायर जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए यह सुझाव दिया।

हिडमा के बाद खूंखार नक्सली मेटरू भी ढेर

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मारेडुमिल्ली में छह माओवादियों के मारे जाने के एक दिन बाद बुधवार को आसपास के क्षेत्र में हुई एक अन्य मुठभेड़ में सात और माओवादी मारे गए हैं। जिनमें खूंखार नक्सली कमांडर मेटरू जोखा राव भी शामिल है।

- आंध्र प्रदेश में मुठभेड़ के दौरान सात माओवादी मारे गए

खुफिया एडीजी महेश चंद्र लड्ढा ने कहा कि मृतकों में तीन महिला माओवादी भी शामिल हैं, और उनकी पहचान की जा रही है। लड्ढा ने कहा कि आज की कार्रवाई मंगलवार को हुई पहली मुठभेड़ की जगह से सात किलोमीटर दूर हुई। एक की पहचान श्रीकाकुलम निवासी मेटरू जोखा राव उर्फ शंकर के रूप में हुई है, जो आंध्र ओडिशा सीमा (एओबी) का प्रभारी (एसीएम) था और तकनीकी चीजों, हथियार निर्माण, संचार में विशेषज्ञता रखता था।

राज्यपाल से मिले नीतीश, सरकार बनाने का दावा

पटना, एजेंसी

- आज शपथ ग्रहण समारोह, 10वीं बार संभालेंगे बिहार सीएम का पद

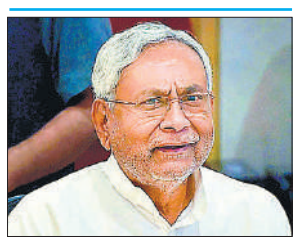

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख नीतीश कुमार ने बुधवार को राज्यपाल को मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा सौंपा। साथ ही उन्होंने राजग के विधायकों का समर्थन पत्र देकर सरकार बनाने का दावा पेश किया।

राजभवन सूत्रों के अनुसार, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने नीतीश कुमार का इस्तीफा स्वीकार करते हुए नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू की और उनसे कार्यकारी मुख्यमंत्री के रूप में पद पर बने रहने का अनुरोध किया। गठबंधन नेताओं ने राज्यपाल से आग्रह किया कि राजग के पास बहुमत का समर्थन है, इसलिए उन्हें सरकार बनाने का अवसर दिया जाए। राज्यपाल ने समर्थन पत्र स्वीकार कर आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी है। इससे पहले राजग विधायक दल की बैठक में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को सर्वसम्मति से नेता चुना गया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को आयोजित किया जाएगा, जिसमें 75 वर्षीय नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। इससे पहले राजग के प्रमुख घटक दलों ने बुधवार को अपने-अपने विधायक दल के नेताओं को चुना।

सम्राट चुने गए भाजपा विधायक दल के नेता

भाजपा के विधायक दल की बैठक में नव-निर्वाचित विधायकों ने सम्राट चौधरी को नेता चुना। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि भाजपा के विधायकों ने सर्वसम्मति से सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता और विजय सिन्हा को उपनेता चुना है। बैठक में केंद्रीय विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति सह-पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद थे। भाजपा के एक नेता ने बताया कि कुल 10 नवनिर्वाचित विधायकों ने सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के नाम क्रमश: नेता और उपनेता के रूप में प्रस्तावित किए, जिन्हें सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से समर्थन दिया।

वैश्विक निवेशकों की पसंद बना यूपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एलओसी से बढ़ी विकास की रफ्तार, स्टार्टअप इकोसिस्टम भी हुआ मजबूत
- सरकार की नीतियों से तेजी से बढ़ रहे उद्योग, लाखों युवाओं को मिला रोजगार

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश वैश्विक निवेशकों की पहली पसंद बनता जा रहा है। न केवल उद्योगों की रफ्तार बढ़ रही है बल्कि स्टार्टअप इकोसिस्टम भी मज़बूत हुआ है। दरअसल, 6.77 लाख करोड़ के एलओसी (लेटर ऑफ कंफर्ट) से भी विकास की गति तेज हुई है। इसे राज्य सरकार की ही नीतियों का प्रभाव माना जा रहा कि यूपी में तेज़ी से बढ़ रहे उद्योगों के कारण लाखों युवाओं को रोजगार भी मिला।

योगी सरकार ने निवेश बढाने के लिए 33 से अधिक क्षेत्र विशिष्ट नीतियां लागू की हैं, जो उभरते औद्योगिक क्षेत्रों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई हैं। राज्य की फ्लैगशिप, औद्योगिक निवेश और रोजगार प्रोत्साहन नीति 2022, एफडीआई व एफसीआई नीति-2023 के साथ ही सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा और डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों की नीतियों ने उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेशकों के लिए विश्वसनीय और संभावनाओं से भरपूर गंतव्य बना दिया है। निवेश के बाद प्रोत्साहनों को सरल और तेज बनाने के लिए प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया गया है। वही एक उच्च-स्तरीय अधिकार प्राप्त समिति (एचएलईसी) से हर महीने औसतन 10 लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) भी जारी किये जा रहे है। वर्ष 2025 में ही औद्योगिक निवेश और रोजगार प्रोत्साहन नीति 2022 के तहत 6.77 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 70 से अधिक एलओसी स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही एफडीआई व एफसीआई नीति 2023 के अंतर्गत 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक के एलओसी जारी किए जा चुके हैं।

बड़ा कदम

कुमाऊं व गढ़वाल में बनेंगे एक-एक आध्यात्मिक आर्थिक क्षेत्र

स्प्रिचुअल इकोनॉमिक जोन देंगे नई वैश्विक पहचान : धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिए। कहा कि, राज्य के दोनों मंडलों (कुमाऊं एवं गढ़वाल) में एक-एक आध्यात्मिक आर्थिक क्षेत्र (स्प्रिचुअल इकोनॉमिक जोन) की स्थापना के लिए विस्तृत कार्ययोजना (रोडमैप) शीघ्र तैयार करें। यह पहल उत्तराखंड को वैश्विक आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी।

- मुख्यमंत्री ने उच्चस्तरीय बैठक में दिए रोडमैप बनाने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के अंतर्गत धार्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के साथ-साथ तीर्थ स्थलों एवं उनके आसपास के क्षेत्रों का समग्र विकास किया जाए। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। वहीं, राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसी वित्तीय वर्ष में इस योजना पर कार्य धरातल पर प्रारंभ किया जाए। इसके तहत योग, ध्यान, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, स्थानीय हस्तशिल्प, पर्वतीय उत्पादों और सांस्कृतिक आयोजनों को भी प्रोत्साहन दिया जाए। इस पहल से राज्य का पर्यटन परिदृश्य और समृद्ध होगा तथा उत्तराखंड की पहचान आध्यात्मिक राजधानी के रूप में और मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री ने शीतकालीन यात्रा व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने पर भी बल दिया। कहा कि परिवहन और सुरक्षा व्यवस्थाओं को मजबूत किया जाए ताकि अधिक से अधिक पर्यटक राज्य की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विविधता का अनुभव कर सकें।

लक्ष्य सतत विकास की दिशा में बढ़ना

कहा कि हमारा लक्ष्य राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ ही जनसामान्य के जीवन स्तर में सुधार लाना तथा राज्य के प्राकृतिक और आध्यात्मिक धरोहरों को सहेजते हुए सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं को धरातल पर लाने के लिए ठोस कार्यनीति तैयार की जाए और समयबद्ध रूप से प्रत्येक चरण की मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। बैठक में बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली, धीराज सिंह गर्ब्याल, स्थानिक आयुक्त अजय मिश्रा, अपर सचिव अभिषेक रोहिला आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

हल्द्वानी, गुरुवार, 20 नवंबर 2025

स्टेट ब्रीफ

सीएम ने दी 170.13 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 170 .13 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इनमें कुम्भ मेला-2027 के 11 नवीन निर्माण कार्यों के लिए राज्यस्तरीय एम्पावर्ड समिति की बैठक में संस्तुत 37 .34 करोड़ स्वीकृत करने का अनुमोदन प्रदान किया है। 15वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं के अंतर्गत राज्य में अग्निशमन सेवाओं एवं आधुनिकरण हेतु स्वीकृत 79 करोड़, मुख्यमंत्री घोषणा के तहत टनकपुर में नायकगोठ के किरोड़ा नाले पर 480 मीटर एवं 120 मीटर स्पान पुल के निर्माण को 48 .38 करोड़ का अनुमोदन दिया है।

दो दिवसीय खेलकूद में विधा और भुवन चैंपियन

कालाढूंगी : नगर के राजकीय पॉलीटेक्निक में वार्षिक दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हो गया है । प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में विधा व बालक वर्ग में भुवन भट्ट चैपियन बना। ओवरऑल मेजर ध्यान चंद्र हाउस ने प्रतियोगिता चैंपियनशिप जीती। व्यक्तिगत स्पर्धा में छात्र भुवन भट्ट ब्रांच ईसीई, फाइनल वर्ष ने मेजर ध्यान चंद्र हाउस की तरफ से चैंपियनशिप जीती। बालिका वर्ग में छात्रा विधा ईसीई फाइनल वर्ष ने डॉ . अब्दुल कलाम हाउस की तरफ से प्रतियोगिता जीती। प्रधानाचार्य आरकेएस चंदेल ने विजेता हाउस व छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता का संचालन करते हुए सुभाष चंद्र पांडे ने कहा खेलों का उद्देश्य छात्रों को शारीरिक व सामाजिक कौशल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। यहां आरती बिष्ट, इंदिरा गुंज्याल, हिमाशु जोशी, गोविन्द सिंह दफौटी, हीरा सिंह बिष्ट, दिनेश पटवाल, ज्योति आदि रहे।

व्यूज और फॉलोअर्स की दौड़ के बीच बारीक रेखा हमारी नैतिक जिम्मेदारी और कर्तव्य भी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया मंथन में दी कंटेंट क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स को सलाह

मुख्य संवाददाता, देहरादून

सोशल मीडिया मंथन कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, सोशल मीडिया पर कई बार कुछ नेगेटिव कंटेंट क्रिएटर्स सरकार, समाज, धर्म और प्रदेश के गौरव से जुड़ी खबरों को तोड़ मरोड़कर भ्रामक तथ्यों के साथ प्रस्तुत कर अधिक व्यूज और लाइक बटोरना चाहते हैं लेकिन सभी को ये समझने की आवश्यकता है कि प्रसिद्धि और फॉलोअर्स की दौड़ के बीच एक बारीक रेखा हमारी नैतिक जिम्मेदारी और सामाजिक कर्तव्य की भी होती है।

बुधवार को मुख्य सेवक सदन में आयोजित सोशल मीडिया मंथन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स से अपने कंटेंट में उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों, स्थानीय उत्पादों, सांस्कृतिक धरोहरों और सामाजिक उपलब्धियों को प्रमुखता से उजागर करने की अपील की। साथ ही कहा कि, सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर, फेक न्यूज या नकारात्मक नैरेटिव की भी प्रभावी काट कर सकते हैं। सीएम ने कहा कि, हाल के दिनों में कुछ धर्म विरोधी और राष्ट्र-विरोधी मानसिकता वाले लोग भ्रामक खबरों, फेक नैरेटिव और झूठे प्रचार के माध्यम से हमारी धार्मिक आस्था और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे समय में किसी भी भ्रामक, तथ्यहीन या समाज विरोधी सामग्री का न केवल तत्काल फैक्ट-चेक किए जाने की जरूरत है, बल्कि उसकी तथ्यात्मक जानकारी भी जन-जन तक पहुंचाए जाने की आवश्यकता है।

सीएम ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में सत्ता संभालने के साथ ही सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को शासन व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया को संवाद, पारदर्शिता और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का ऐसा सशक्त माध्यम बनाया है, जिसने शासन व्यवस्था को न केवल जनकेंद्रित बनाया, बल्कि प्रत्येक नागरिक को नीति-निर्माण और निर्णय प्रक्रिया से भी प्रत्यक्ष रूप से जोड़ा है। पीएम मोदी ने एक्स, फेसबुक, मन की बात, माईगांव और पीएमओ के डिजिटल इकोसिस्टम जैसे माध्यमों से भारत में डिजिटल गवर्नेंस की एक नई मिसाल स्थापित की है। वे स्वयं भी विश्व के सबसे अधिक फॉलो किए जाने वाले राजनेताओं में शीर्ष स्थान पर हैं।

अराजक तत्वों के खिलाफ कठोर कदम

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने जब से देवभूमि उत्तराखंड के मूल स्वरूप की रक्षा के लिए विभिन्न कानून के माध्यम से अराजक तत्वों के खिलाफ कठोर कदम उठाए हैं। तभी से कुछ राष्ट्र विरोधी तत्व और अर्बन नक्सल गैंग के लोग सोशल मीडिया पर अलग-अलग नामों से फर्जी अकाउंट बनाकर फेक नरेटिव बनाने का प्रयास कर रहे हैं। सीएम ने कंटेंट क्रिएटर्स, इन्फ्लुएंसर्स से अपील की कि, सभी लोग अपने कंटेंट में उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों, स्थानीय उत्पादों, सांस्कृतिक धरोहरों और सामाजिक उपलब्धियों को प्रमुखता से उजागर करें। इससे "ब्रांड उत्तराखंड" की पहचान और मजबूत होगी। इस मौके पर महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सोशल मीडिया ने मंच दिया, दुरुपयोग भी बढ़ा

सीएम धामी ने कहा कि, सोशल मीडिया ने आम नागरिक की आवाज को मंच प्रदान किया है। वहीं, सोशल मीडिया का तेजी से दुरुपयोग भी बढ़ रहा है। आज फेक न्यूज़, अफवाहों और नकारात्मक नैरेटिव्स के माध्यम से समाज में भ्रम फैलाने की प्रवृत्ति एक चुनौती बनकर उभरी है। कुछ लोग सोशल मीडिया की शक्ति का उपयोग वैचारिक विभाजन पैदा करने, सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और सरकार की जनहितकारी योजनाओं को लेकर गलत धारणाएं फैलाने के लिए भी कर रहे हैं। ऐसे समय में जिम्मेदार सोशल मीडिया वॉरियर की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

आज एक संदेश से तत्काल समाधान

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से प्रदेश सरकार भी "डिजिटल उत्तराखंड" निर्माण के लिए संकल्पबद्ध है। मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर सभी विभाग तक जनता से सीधे संवाद कर रहे हैं। पहले शिकायत दर्ज करने के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, परन्तु आज एक ट्वीट या फेसबुक संदेश से तत्काल समाधान मिल जाता है। वे स्वयं प्रतिदिन राज्य के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर आने वाले सुझावों, शिकायतों और जनसमस्याओं की निगरानी करते हैं।

खनन सुधार में प्रदेश नंबर-1 पर, केंद्र से मिले 100 करोड़

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में खनन क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन और लगातार सुधारों के चलते उत्तराखंड एक बार फिर केंद्र सरकार से बड़ी प्रोत्साहन राशि हासिल करने में सफल रहा है। केंद्र के खान मंत्रालय ने वर्ष 2025-26 की विशेष सहायता योजना के तहत उत्तराखंड को माइनर मिनरल्स रिफॉर्म्स में 100 करोड़ रुपये की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की है। इससे पहले भी अक्टूबर में राज्य को एसएमआरआई रैंकिंग में दूसरा स्थान प्राप्त होने पर 100 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि मिल चुकी है। इस प्रकार खनन क्षेत्र में उत्कृष्ट सुधारों और बेहतर नीतियों की बदौलत उत्तराखंड को 200 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्राप्त हो चुकी है।

राज्य ने हाल के वर्षों में खनन सुधारों पर जोर देते हुए बेहतर नीतियां लागू की हैं, जिसका परिणाम यह है कि उत्तराखंड ने खनन सेक्टर में देश में नंबर-1 स्थान हासिल किया है। केंद्र द्वारा जारी सूचना के अनुसार, उत्तराखंड राज्य ने खनन क्षेत्र से जुड़ी अधिकांश सुधारात्मक कार्यवाहियों को समय पर और प्रभावी ढंग से लागू किया है। खासतौर पर माइनर मिनरल रिफॉर्म्स से संबंधित 7 में से 6 प्रमुख सुधारों के मानको को सफलतापूर्वक पूरा किया गया, जिससे राज्य ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

खनन क्षेत्र में उत्तराखंड सरकार द्वारा अपनाई गई पारदर्शी और व्यवसाय-हितैषी नीतियों ने सरकार की आय में अभूतपूर्व वृद्धि की है। खनन विभाग के सुदृढ़ प्रबंधन तथा नई नीतियों ने न केवल सरकारी खजाने को मजबूती दी है, बल्कि प्रदेश में खनन कारोबार से लाखों लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है और इससे जुड़े लाखों व्यापारियों और उद्यमियों को भी आर्थिक लाभ प्राप्त हो रहा है।

स्थानीय लोगो और सरकारी कार्यदायी संस्था को सस्ते दाम पर निर्माण सामग्री मिल रही है। खनन गतिविधियों के चलते राज्य में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिली है।

> प्रदेश में खनन क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए ई-नीलामी प्रणाली, सैटेलाइट आधारित निगरानी जैसे कई कदम उठाए गए हैं। सरकार पर्यावरण का ध्यान रखते हुए, अवैध खनन पर लगाम कस रही है जिसके सकारात्मक परिणाम नजर आने लगे हैं।
> -**पुष्कर सिंह धामी**, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

प्रदर्शन के आधार पर मिली रकम

केंद्र सरकार ने अपनी समीक्षा रिपोर्ट में स्वीकार किया है कि उत्तराखंड खनन क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहा है और सुधारों को तेजी से लागू कर रहा है। इसी प्रदर्शन को देखते हुए केंद्र ने वित्त मंत्रालय से राज्य को 100 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि का आदेश जारी किया गया है। इस आदेश में शामिल राज्यों- नागालैंड, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में उत्तराखंड का प्रदर्शन सबसे बेहतर दर्ज किया गया है। मंत्रालय के आदेश के अनुसार, सभी राज्यों ने खनन में सुधार प्रक्रिया और अधिक प्रभावी बनाई गई है।

राजस्व का एक मुख्य स्रोत

इस उपलब्धि के साथ यह साफ हो गया है कि उत्तराखंड का खनन क्षेत्र राज्य सरकार के लिए राजस्व का एक मुख्य स्रोत साबित हो रहा है। बढ़ती पारदर्शिता, बेहतर नीति निर्माण और समयबद्ध सुधारों की वजह से उत्तराखंड अब देश के खनन परिदृश्य में एक मजबूत और विश्वसनीय पहचान बना रहा है। उत्तर प्रदेश, हिमाचल, जम्मू कश्मीर आदि राज्य भी उत्तराखंड की खनन नीतियों का अनुसरण कर रहे हैं।

सीमान्त गांवों के लिए बनाएं ठोस कार्ययोजना: गर्ब्याल

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- **सचिव धीराज गर्ब्याल ने की सभी जिलों के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा**

अमृत विचार: सचिव ग्राम्य विकास धीराज सिंह गर्ब्याल ने बुधवार को सभी जनपदों के मुख्य विकास अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना, मुख्यमंत्री सीमांत क्षेत्र विकास कार्यक्रम एवं वाइब्रेंट विलेजेज कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में सचिव ने स्पष्ट किया कि कार्ययोजना बनाते समय आजीविका सृजन गतिविधियों को प्राथमिकता दी जाए। प्रत्येक चिन्हित विकासखंड में कम से कम एक मदर पोल्ट्री यूनिट की स्थापना तथा स्थानीय स्तर पर मत्स्य पालन, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, सामुदायिक पर्यटन, प्रसंस्करण आदि गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में जंगली जानवरों से फसल सुरक्षा हेतु चेन-लिंक फेंसिंग के प्रस्ताव भी शामिल करने के निर्देश दिए गए ताकि पलायन रोकने और रिवर्स पलायन को बढ़ावा देने में मदद मिल सके। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए योजनाओं को प्रस्तावित करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही, जनपदों में संचालित ग्रोथ सेंटरों के उत्पादों के विपणन एवं उनकी नियमित मॉनिटरिंग पर भी बल दिया गया।

सीमांत जनपद चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, चम्पावत एवं ऊधमसिंह नगर की योजनाओं की अलग से प्रगति समीक्षा की गई। सचिव ने निर्देश दिया कि बॉर्डर एरिया के गांवों के लिए क्लस्टर आधारित ग्राम संतृप्तीकरण कार्ययोजना तैयार की जाए, जिसमें मूलभूत सुविधाओं के साथ आजीविका-सृजन एवं स्वरोजगारपरक गतिविधियाँ सम्मिलित हों। वाइब्रेंट विलेजेज कार्यक्रम के तहत प्रत्येक सीमांत गांव को सड़क, 4जी टेलीकॉम कनेक्टिविटी, टीवी कनेक्टिविटी एवं ग्रिड विद्युत से संतृप्त करने के निर्देश दिए गए। चमोली, उत्तरकाशी और पिथौरागढ़ जनपदों को वीवीपी-1 के गांवों की संतृप्तीकरण कार्ययोजना शीघ्र पोर्टल पर भेजने के लिए कहा गया। प्रत्येक वीवीपी गांव के लिए समेकित पर्यटन विकास योजनाएं भी तैयार की जाएंगी। सभी योजनाओं के प्रस्ताव समय पर प्राप्त करने हेतु ऑनलाइन पोर्टल को एक सप्ताह के भीतर क्रियाशील करने के निर्देश एसपीएमयू एवं आईटीडीए को दिए गए।

रुद्रपुर में विवादित भूमि में निर्माण पर रोक

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट ने ऊधमसिंह नगर जिले के रुद्रपुर शहर में स्थित एक बहुमूल्य सरकारी नजूल भूमि के कथित अवैध हस्तांतरण और फ्रीहोल्ड से जुड़ी एक गंभीर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश जारी किया है।

मुख्य न्यायधीश की खंडपीठ ने विवादित भूमि पर सभी प्रकार के निर्माण और विकास गतिविधियों को अगली तारीख तक रोकने का निर्देश दिया है, जिससे निजी प्रतिवादियों द्वारा प्रस्तावित सैकड़ों करोड़ रुपये के वाणिज्यिक मॉल परियोजना पर फिलहाल रोक लग गयी है। याचिकाकर्ता रुद्रपुर नगर निगम के पूर्व सदस्य रामबाबू ने संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत दायर इस जनहित याचिका में कई गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसमें सरकारी अधिकारियों और निजी हितधारकों के बीच साठगांठ का दावा किया गया है। मामले के अनुसार, यह मामला रुद्रपुर के राजस्व ग्राम लमारा के खसरा संख्या 2 की लगभग 4.07 एकड़ (16,500 वर्ग मीटर) नजूल भूमि से संबंधित है। याचिका में दावा किया गया है कि यह जमीन मूल रूप से जल निकाय (तालाब/पॉन्ड लैंड) थी। आरोप है कि वर्ष 1988 में इस भूमि की नीलामी केवल मत्स्य पालन के विकास के लिए दो साल की लीज पर दी गई थी, लेकिन सफल बोलीदाताओं ने न तो लीज स्वीकार की और न ही मछली पालन का कार्य किया। याचिका के अनुसार, बोलीदाताओं/निजी प्रतिवादियों ने बिना किसी वैध पट्टे या लीज समझौते के जमीन पर अवैध रूप से कब्ज़ा कर लिया। बाद में, कथित तौर पर अधिकारियों को गुमराह कर और साठगांठ करके, अवैध रूप से कब्ज़ा ली गई। साथ में अपने पक्ष में इस नजूल भूमि को फ्रीहोल्ड करा लिया गया। धोखाधड़ी को छिपाने के लिए फ्रीहोल्डिंग के दौरान मूल खसरा संख्या 2 (ग्राम लमारा) को बदलकर खसरा संख्या 156 (राजस्व ग्राम रामपुरा) कर दिया गया, जिससे राजस्व रिकॉर्ड में गंभीर विसंगतियां पाई गईं। फ्रीहोल्डिंग नीलामी की पुरानी दरों (1988) पर की गई, जबकि यह भूमि वर्तमान में सैकड़ों करोड़ रुपये की है, जिससे राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ। याचिका में बताया गया है कि निजी प्रतिवादियों ने फ्रीहोल्डिंग के बाद निर्माण कंपनी के साथ संयुक्त उद्यम समझौता किया है और जल्द ही इस सार्वजनिक भूमि पर एक विशाल मॉल का निर्माण शुरू करने वाले थे। बुधवार को मुख्य न्यायधीश जी. नरेंद्र व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने मामले की प्राथमिक सामग्री और संलग्न दस्तावेजों और अन्य तिथियों की समीक्षा करने के बाद विवादित स्थल पर निर्माण पर तत्काल रोक लगा दी है। न्यायालय ने एक अंतरिम आदेश जारी करते हुए जिला प्रशासन और नगर निगम सहित सभी प्रतिवादी अधिकारियों को विवादित खसरा संख्या पर किसी भी प्रकार की निर्माण अनुमति, लेआउट मंजूरी या विकास कार्य की अनुमति न देने का निर्देश दिया है। यह रोक मामले के अंतिम निपटारे तक तत्काल प्रभाव से लागू रहेगी। न्यायालय ने राज्य के आवास विभाग, नजूल विभाग, और राजस्व विभाग से इस पूरे प्रकरण पर विस्तृत जवाब मांगा है। इसमें नजूल भूमि को फ्रीहोल्ड करने की प्रक्रिया में अनियमितताओं, भूमि के मूल स्वरूप (तालाब की भूमि) और राजस्व रिकॉर्ड में किए गए बदलावों पर बिंदुवार स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। इसके अलावा खंडपीठ ने सभी नामित निजी प्रतिवादियों को भी नोटिस जारी किया है।

एक हफ्ते में दें पूरी रिपोर्ट

नैनीताल : हाईकोर्ट ने अपात्र विकलांगता प्रमाणपत्रों के जरिए शिक्षा विभाग में आरक्षण का लाभ ले रहे दर्जनों कार्मिकों के प्रमाणपत्रों की जांच की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान सम्बन्धित विभाग के निदेशक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश हुए। उन्होंने अवगत कराया कि, उनकी नियुक्ति विभाग में कुछ दिन पहले ही हुई है। मामले की जांच करने के लिए उन्हें समय दिया जाए जिस पर कोर्ट ने उनको एक सप्ताह का समय देते हुए एक सप्ताह के भीतर पूरी रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 28 नवंबर को होगी।

एमडीडीए सचिव हाईकोर्ट में तलब

नैनीताल : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने देहरादून की इंदिरा नगर कॉलोनी में वर्षात के समय जलभराव मामले पर सुनवाई के बाद अगले सप्ताह तक एमडीडीए, नगर निगम व सरकार से रिपोर्ट पेश करने को कहा है। साथ ही, एमडीडीए के सचिव को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश होने को कहा है। पूर्व के आदेश पर सम्बन्धित अधिकारी कोर्ट में पेश हुए, उनके द्वारा अपना पक्ष रखा गया, जिस पर कोर्ट ने उनसे रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।

कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी का फाइनल में प्रवेश

हल्द्वानी : हल्द्वानी कोल्ट्स क्लब के मैदान में अंडर-14 स्व . पूरन चन्द्र बलूटिया मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल मैच में कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले दिन पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए एकलव्य क्रिकेट अकादमी 192 रनों पर आल आउट हो गयी। देवांश ने 92, और करन ने 41 रनों की पारी खेली। कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज हरमन ने 3, दीक्षांत ने 2, उत्कर्ष, कृष और वंश ने 1-1 विकेट लिया। कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी ने अपनी पहली पारी में वंश रावत के 121, अंश पाल के 60, जयवर्धन के 40 और कार्तिक के 32 रनों की मदद से 268 रनों पर पारी घोषित कर दी। एकलव्य क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज ओम ऐठानी ने 3, भावेश और दीपांशु ने 2-2 विकेट लिए। एकलव्य क्रिकेट अकादमी अपनी दूसरी पारी में 153 रन बनाकर आल आउट हो गयी। गजेंद्र बजवाल ने 52, भावेश ने 25 और विवेक बिष्ट ने 15 रन बनाए। कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज हरमन और श्रेयांश ने 3-3 विकेट लिए। अपनी दूसरी पारी में 68 रनों का लक्ष्य पूरा करने उतरी कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी की टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 68 रन बनाकर मैच जीत लिया।

...तो परिणाम मिलते ही हैं

जब काम दमदार हो और नीयत साफ हो...तो परिणाम मिलते ही हैं। खनन के क्षेत्र में पीएसडी सरकार के सुधारात्मक प्रयास अब असर दिखाने लगे हैं। पहले के वर्षों में खनन से जितना राजस्व आता था, अब इस सरकार में उतने के तो केवल पुरस्कार ही लेकर आ रहे हैं। राज्य सरकार के प्रयासों और अवैध खनन व चोरी पर रोक के चलते खनन से प्राप्त होने वाले राजस्व में जबरदस्त इज़ाफ़ा हुआ है। पहले के 400-500 करोड़ रुपये के मुकाबले बीते साल में खनन से 1100 करोड़ से अधिक के राजस्व की प्राप्ति हुई है। सूत्रों के अनुसार, विशेषकर खनन को लेकर राज्य के कुछ चुनिंदा विघ्नसंतोषी लोग हमेशा एक नकारात्मक माहौल बनाकर रखते हैं जबकि ऐसे विघ्नसंतोषी लोगों की सरकारों में राजस्व रसातल में रहता था और अवैध कारोबार अपने चरम पर। मुख्यमंत्री धामी ने बीते वर्षों में अपने कड़े कदमों से यह सुनिश्चित किया कि प्रदेश के तमाम विभाग केवल कमाने-खाने का जरिया भर नहीं हैं, बल्कि इन विभागों की व्यवस्थाओं और तमाम प्रक्रियाओं में सुधार करके राज्यहित में कितना महत्वपूर्ण योगदान प्राप्त किया जा सकता है। एक ऐसे राज्य में जहां पर राजस्व प्राप्ति के स्रोत कम हों, वहां अपने 'जीरो लीकेज' के संकल्प के बूते पहले तो राजस्व में गुणात्मक वृद्धि करना, फिर सैकड़ों करोड़ के पुरस्कार केंद्र से लेकर आना, राज्य के नेतृत्व के प्रबंधन और दूरदर्शिता को दर्शाता है।

स्वास्थ्य विभाग में 133 पदों पर निकली भर्ती

देहरादून : स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को शीघ्र ही 103 नए नर्सिंग अधिकारी मिलेंगे। नर्सिंग अधिकारियों (महिला/पुरुष) के बैकलॉग के इन पदों पर सीधी भर्ती के लिए राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड ने भर्ती विज्ञापन जारी कर दिया है जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 22 दिसम्बर, 2025 निर्धारित की गई है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के अनुसार, सीधी भर्ती में नर्सिंग अधिकारी (महिला) डिप्लोमाधारी के लिये 63 पद निर्धारित किए गए हैं। नर्सिंग अधिकारी (महिला) डिग्रीधारक के लिये 31 पद, नर्सिंग अधिकारी (पुरुष) डिप्लोमाधारक 05 व नर्सिंग अधिकारी (पुरुष) डिग्रीधारक के लिये 4 पद हैं। इससे पहले मेडिकल कॉलेजों में नर्सिंग अधिकारियों के रिक्त 587 पदों पर भर्ती निकली है। इस प्रकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग व चिकित्सा शिक्षा विभाग में नर्सिंग अधिकारियों के 690 पदों पर शीघ्र भर्ती की जाएगी। इसके अलावा, डेंटल हाईजिनिस्ट के 30 पदों पर निकली भर्ती में अनारक्षित वर्ग के 4, अनुसूचित जाति 14, अनुसूचित जनजाति 3 तथा अन्य पिछड़ा वर्ग 9 पदों पर भर्ती होगी, जिसके तहत अभ्यर्थी चयन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर 3 दिसम्बर 2025 से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

तैयारी | वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत हुआ इनका चयन, ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने साझा की रिपोर्ट

उत्तराखंड के 91 सीमांत गांव बनाए जाएंगे मॉडल विलेज

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: सीमांत क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण, आजीविका सृजन और आबादी को रोकने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा संचालित वाइब्रेंट विलेज योजना (वीवीपी) के तहत उत्तराखंड राज्य में भारत-चीन एवं भारत-नेपाल सीमा से सटे 91 गांवों का चयन किया गया है। योजना का उद्देश्य इन दुर्गम सीमांत गांवों को मॉडल विलेज के रूप में विकसित कर वहां के नागरिकों को बेहतर जीवन-स्तर, सुविधा और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने बुधवार को वीवीपी की प्रगति रिपोर्ट साझा की। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, व्यापक प्रचार-प्रसार और समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश देते हुए सीमांत गांवों के समग्र विकास पर जोर दिया। कहा कि माणा को देश का अंतिम नहीं, प्रथम गांव बनाने का संदेश प्रधानमंत्री मोदी की उत्तराखंड के प्रति संवेदनशीलता दर्शाता है। वाइब्रेंट विलेज योजना राज्य के दूरस्थ गांवों में आधुनिक सुविधाएं, स्थायी आजीविका, कृषि-बागवानी, सुरक्षित वातावरण और पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी। योजना के पूर्ण क्रियान्वयन से पलायन पर नियंत्रण और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने में भी मदद मिलेगी। विश्वास जताया कि, यह योजना उत्तराखंड के सीमांत गांवों को आत्मनिर्भर, सुरक्षित और उन्नत मॉडल विलेज में बदलने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

वीवीपी-1 : भारत-चीन सीमा क्षेत्र में 51 गांव चयनित

भारत-चीन सीमा से लगे जिलों में-उत्तरकाशी (भटवाड़ी ब्लॉक)- 10 गांव, चमोली (जोशीमठ ब्लॉक) -14 गांव, पिथौरागढ़ (मुनस्यारी -08, धारचूला-17, कनालीछीना- 02 गांव) इस प्रकार कुल 51 गांवों को वीवीपी-1 के तहत चयनित किया गया है। इन गांवों में आर्थिक गतिविधियों को मजबूत करने, संपर्क मार्गों के निर्माण, स्थानीय संस्कृति एवं पर्यटन के प्रसार तथा आधुनिक सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा 520 .13 करोड़ की मांग गृह मंत्रालय को भेजी गई थीं, जिनमें से 110 करोड़ से अधिक की धनराशि राज्य को मिल गई है।

वीवीपी-2 : भारत-नेपाल सीमा के 40 गांव शामिल

वीवीपी-2 के अंतर्गत—चम्पावत में 11, पिथौरागढ़ में 24 और ऊधमसिंह नगर जिले में 5 गांवों सहित 40 गांवों का चयन किया गया है। इन गांवों का डेटा संकलन और सत्यापन कार्य प्रगति पर है। वीवीपी के रोड कंपोनेंट के अंतर्गत पिथौरागढ़ जनपद में पीएमजीएसवाई की 5 सड़कों के निर्माण हेतु 119 .44 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। इससे सीमा क्षेत्रों में आवाजाही, व्यापार और रणनीतिक दृष्टि से सड़क संपर्क और अधिक सुदृढ़ होगा।

तीनपानी से नरीमन तक होगा सड़क सुधार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सड़क सुधारीकरण को लेकर नगर निगम, राजस्व, सिंचाई, यूपीसीएल, जल संस्थान, लोनिवि और यूयूएसडीए की टीमों ने संयुक्त निरीक्षण किया। तीनपानी से नरीमन तक सड़क सुधारीकरण को सड़क किनारे हुए अतिक्रमण को हटाने का निर्णय लिया गया। बिजली की लाइन, जल संस्थान की पेयजल लाइन और अन्य यूटिलिटी के शिफ्टिंग का निर्णय लिया गया।

नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि सड़क सुधारीकरण के लिए शीघ्र ही अतिक्रमण हटाया जाएगा और यूटिलिटी शिफ्टिंग का काम भी शुरू किया जाएगा। इस दौरान वार्ड 58 के पार्षद मनोज जोशी ने सुझाव दिया कि वार्ड की तमाम गलियों का बरसाती पानी ले जाने के लिए एक नाला निकाला जाए और 27 मीटर चौड़ीकरण में स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए कुछ राहत दी जाए। उन्होंने जल निगम की ओर से डाली गई पयेजल लाइन को भी शिफ्ट करने की मांग रखी। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त परितोष वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान और यूयूएसडीए के प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सिंह मौजूद रहे।

शनि बाजार नाला सुधारीकरण से मिलेगी राहत

शनि बाजार नाला क्षेत्र में नगर निगम, राजस्व, सिंचाई और यूयूएसडीए की टीम ने नाले और आसपास की सरकारी भूमि पर हुए अतिक्रमण की पहचान की। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि चिह्नांकन के बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी, जिसके बाद यूयूएसडीए की ओर से नाला और सड़क निर्माण शीघ्र पूरा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बरसात के दौरान शनि बाजार नाले के ओवरफ्लो होने से बरेली रोड स्थित गौजाजाली सहित आसपास के अन्य क्षेत्रों में गंदा पानी घुस जाता है। जिससे लोगों को बहुत परेशानी होती है। नाले के सुधारीकरण के बाद लोगों को समस्या से निजात मिलेगी। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त परितोष वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल चौहान और यूयूएसडीए के प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

81 लाभार्थियों के खातों में 39.40 लाख रुपये जारी

नगर निगम ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत बुधवार को 81 लाभार्थियों के खातों में कुल 39 .40 लाख रुपये की धनराशि हस्तांतरित की। राशि जारी होने से लाभार्थियों को अपने आवास निर्माण व मरम्मत कार्य में सुविधा होगी। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि हर जरूरतमंद परिवार को अपना पक्का घर मिलने में देरी न हो। इसके लिए निगम स्तर पर योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है, जिससे भुगतान में पारदर्शिता बनी रहे।

सिटी ब्रीफ

प्रेशर हॉर्न लगाने वाले 47 वाहन चालकों के कटे चालान

नैनीताल : एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी के स्पष्ट निर्देशों के बाद जिलेभर में प्रेशर हॉर्न के खिलाफ विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। ट्रैफिक इंस्पेक्टर महेश चंद्रा के नेतृत्व में टीमों ने शहर में प्रेशर हॉर्न का प्रयोग करने वाले 47 वाहन चालकों के चालान किए। इन चालानों के माध्यम से कुल 47,000 रुपये जुर्माना वसूला। साथ ही वाहनों में लगे प्रेशर हॉर्न उतारकर जब्त किए गए। एसएसपी ने स्पष्ट किया कि प्रेशर हॉर्न का प्रयोग कानूनन प्रतिबंधित है।

पति के हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग

रामनगर : ग्राम टांडा मल्लू क्षेत्र की विवाहिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मंगलवार की शाम उसके पति मोहम्मद इरफान घर के बाहर खड़े थे। गांव के कुछ बच्चे खेल रहे थे। इसी दौरान बॉल वाहन पर लग गई। उनके पति ने बच्चों को खेलने से मना किया तो कुछ लोगों को यह नागवार गुजरा। कुछ लोगों ने उनके पति के साथ गाली गलौज, मारपीट की और तमंचे से फायर का प्रयास किया। आरोपी ने उसकी बट सिर पर मार दी। जहां उनकी हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। उन्होंने पुलिस को शिकायती पत्र सौंपकर हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इधर, पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर शुरू कर दी है।

मांस विवाद में एक और आरोपी गिरफ्तार

रामनगर : छोई में हुई मांस प्रकरण घटना में पुलिस ने एक और अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने अब तक 13 अभियुक्तों को जेल भेज दिया है। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि छोई मांस प्रकरण में फरार अभियुक्तों को पकड़ने के लिए लगातार दबिशें दी जा रही है। पुलिस ने बुधवार को घटना में शामिल वांछित अभियुक्त रोहित आर्य पुत्र जीवन कुमार निवासी टेड़ा रोड रामनगर को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि अब तक इस प्रकरण में 13 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है, शेष फरार अभियुक्तों को पकड़ने के लिए लगातार कई टीमें में बनाकर दबिश दी जा रही है। किसी भी कीमत पर अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

23 दिसंबर से तीन दिवसीय विंटर कार्निवाल की बनाई जा रही योजना, हर वर्ष यहां आते हैं हजारों पर्यटक

सरोवर नगरी में न्यू ईयर के वेलकम की तैयारियां हुई शुरू

अमृत विचार, नैनीताल

अमृत विचार: विंटर कार्निवाल, क्रिसमस और थर्टी फर्स्ट के जश्न के साथ वर्ष 2025 की विदाई होगी। होटल एसोसिएशन और नगर के उच्च स्तरीय होटलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। क्रिसमस की पूर्व संध्या पर झील को चारों ओर रंगबिरंगी विद्युत लड़ियों से सजाया जाएगा और बैंड, डीजे के अलावा कई अन्य मनोरंजक कार्यक्रमों के आयोजन की तैयारियों की योजना बनाई जा रही।

नैनीताल होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट ने बताया कि इस वर्ष साल की शानदार विदाई और नववर्ष के स्वागत को लेकर होटल एसोसिएशन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस संदर्भ के प्रशासन से एक दौर वार्ता हो चुकी है। विंटर कार्निवाल 23 दिसंबर से शुरू करने की योजना है। तिथि की घोषणा जल्द प्रशासन द्वारा की जाएगी। कार्निवाल के दौरान महानगरों से बैंड और पार्श्व गायकों को आमंत्रित किए जाने की योजना है। साथ ही नगर के शोभायात्रा समेत कई अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाने को लेकर प्रशासन से वार्ता चल रही हैं। इस माह के अंत तक कार्यक्रमों की रूप रेखा तय कर ली जाएगी। इधर नमः नैनीताल के महाप्रबंधक मेदा भट्टाचर्जी ने बताया कि नवंबर के अंतिम सप्ताह से अपने होटल में डीजे के साथ रात्रि भोज से कार्यक्रमों का शुभारंभ करने जा रहे हैं। 29 नवंबर से प्रत्येक शनिवार रात होने जा रहे आयोजन में पर्यटकों समेत स्थानीय नागरिक भी भाग ले सकेंगे। इसके अलावा क्रिसमस पार्टी का आयोजन 23 दिसंबर से शुरू हो जाएगा, जबकि गत वर्षों की भांति साल की विदाई पर थर्टी फर्स्ट नाइट का आयोजन किया जाएगा। इस मौके गीत संगीत की धूम रहेगी। इधर शेरवानी हिलटॉप इन होटल में क्रिसमस पर सेंटा क्लॉज शोभा यात्रा निकाली जाएगी। नववर्ष के स्वागत को लेकर मनोरंजक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। इसी कड़ी में नैनी रीट्रीट होटल ने थर्टी फर्स्ट के जश्न की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

उच्च स्तरीय होटलों ने तैयार किए आकर्षक पैकेज

नैनीताल होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट ने बताया कि नगर में दर्जनभर उच्च स्तरीय होटल हैं, जो सैलानियों के मनोरंजन के लिए नववर्ष पर दो रात्रि व तीन दिवसीय आकर्षक पैकेज बनाते हैं। जिनमें गाला डिनर, डीजे, बैंड, कपल डांस व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इन पैकेजों का मूल्य लगभग 20 हजार से शुरू हो जाता है। इनके अलावा मध्य स्तरीय कई होटलों में बोर्न फायर व गीत संगीत का आयोजन किया जाता है। पर्यटन को बढ़ावा दिए जाने के उद्देश्य को लेकर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। नगर में थर्टी फर्स्ट मनाने का आयोजन पिछले ढाई दशक से जारी है।

नैनीताल में नववर्ष के भव्य आयोजन की तैयारियां शुरू।

प्रतिदिन लक्ष्य बनाएं, समय से होंगे प्रोजेक्ट्स

डीएम ललित मोहन रयाल ने जनपद नैनीताल के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स की विस्तृत समीक्षा में दिए निर्देश

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर जनपद में चल रही महत्वपूर्ण निर्माण योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जमरानी बांध, भवाली–सैनिटोरियम–कैंचीधाम बाईपास, मानस खंड मंदिर माला योजना तथा अन्य विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि जमरानी बांध परियोजना, जिसकी निर्धारित पूर्णता तिथि जून 2029 है, की समीक्षा के दौरान डीएम ने टनल निर्माण, पुनर्वास, भूमि अधिग्रहण, मुआवजा वितरण, नहरों के सुधारीकरण, विद्युत लाइन बिछाने तथा सड़क डामरीकरण की प्रगति की रिपोर्ट जानी। इस दौरान महाप्रबंधक महेश खरे ने बताया कि अब तक 800 मीटर टनल निर्माण पूरा हो चुका है। डीएम ने प्रतिदिन के लक्ष्य के अनुसार कार्य की समीक्षा कर समयबद्ध तरीके से परियोजना पूर्ण करने के निर्देश दिए। डीएम ने भूमि अधिग्रहण और मुआवजा वितरण के लंबित मामलों के गांवों में कैंप लगाकर शीघ्र निस्तारण के निर्देश अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), उप जिलाधिकारी नैनीताल और महाप्रबंधक जमरानी को दिए। साथ ही किच्छा में बांध प्रभावितों के लिए निर्माणाधीन कॉलोनी के कार्यों में भी तेजी लाने को कहा। काम में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सभी जनता की सहूलियत के लिए काम करें।

नैना देवी मंदिर परिसर व शहर के सौंदर्यीकरण का कार्य 80% पूर्ण

मानस खंड मंदिर माला परियोजना के तहत नैना देवी मंदिर परिसर में सौंदर्यीकरण कार्य की समीक्षा में अधिकारियों ने बताया कि 11 करोड़ में से 80% कार्य पूरा हो चुका है। मल्लीताल–तल्लीताल चौराहों के सुंदरीकरण और चौड़ीकरण की प्रगति भी प्रस्तुत की गई।

बांध स्थल तक सड़क डामरीकरण 15 दिन में पूरा करने के निर्देश

अमृतपुर कैलाश द्वार से बांध स्थल तक 8 किमी सड़क के सुधारीकरण व डामरीकरण की समीक्षा करते हुए डीएम ने कहा कि कार्य के दौरान भारी वाहनों का संचालन कुछ समय के लिए रोका जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों की टीम को तत्काल स्थलीय निरीक्षण कर कार्य 15 दिन में पूरा कराने के निर्देश दिए। इस दौरान विद्युत विभाग के अधिकारियो ने बताया कि ग्रामीणों के विरोध के चलते लाइन बिछाने का कार्य रुका है। डीएम ने एसडीएम, बांध परियोजना के महाप्रबंधक तथा विद्युत विभाग को गाँव में वार्ता कर समस्या का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए।

भवाली-सैनिटोरियम-कैंचीधाम बाईपास में 8 किमी डामरीकरण पूरा

लोनिवि ईई ने बताया कि कुल 18 .02 किमी मार्ग में से 8 किमी सड़क पर डामरीकरण पूरा हो गया है, जबकि शेष में कटिंग समाप्त हो चुकी है। कलमठ, सुरक्षा दीवार का निर्माण जारी हैं। मार्ग को एनएच से जोड़ने को प्रस्तावित 74 मीटर मोटर पुल की डीपीआर शासन को भेजी है। डीएम ने पुल की शीघ्र स्वीकृति के लिए शासन से वार्ता के निर्देश दिए। कैंचीधाम मंदिर के निकट पार्किंग, पैदल पुल, पाथवे और ध्यान केंद्र निर्माण की समीक्षा में विभाग ने बताया कि 40 करोड़ की स्वीकृति में से 45% कार्य पूरा हो चुका है। डीएम ने कार्यों को समयबद्ध पूर्ण करने को कहा।

एनएच व सड़कों पर गड्ढे नहीं होने चाहिए

डीएम ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर पाला या क्षतिग्रस्त सड़क की स्थिति में तत्काल मरम्मत सुनिश्चित करने को कहा ।डीएम ने भवाली बाईपास पर निर्माणाधीन मोटर पुल, सेनेटोरियम–भीमताल बाईपास, पदमपुरी–धानाचूली मार्ग के सुधारीकरण कार्यों की भी समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक राय, महाप्रबंधक जमरानी परियोजना महेश खरे, उप महाप्रबंधक ललित कुमार, अभय पंत, अधिशासी अभियंता रत्नेश कुमार सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

- भवाली-सैनिटोरियम-कैंचीधाम बाईपास का कार्य भी त्वरित गति से करने को कहा

रैन बसेरे, अलाव के लिए नोडल अधिकारी बनाए

संवाददाता, नैनीताल

- जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने नोडल अधिकारी किए नामित

अमृत विचार: शीतलहर के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने जिले में लोगों की सुरक्षा को देखते हुए सभी नगर निकायों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। डीएम ने कहा कि शीतकाल में निराश्रित, असहाय और गृहविहीन व्यक्तियों को ठंड से बचाने के लिए निशुल्क कंबल वितरण तथा सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की समुचित व्यवस्था की जाएगी।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि धर्मशाला, रैन बसेरे, मुसाफिरखाना, पड़ाव, सराय, चौराहों, रेल एवं बस स्टेशनों जैसे स्थानों पर अलाव की व्यवस्था तत्काल की जाए। स्थायी एवं अस्थायी रैनबसेरों में बिजली, पानी, बिस्तर,सफाई जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहें। उन्होंने इन रैनबसेरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को भी कहा ताकि जरूरतमंद लोग सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

जिलाधिकारी ने नगर निगम हल्द्वानी के लिए सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट, नगर पालिका नैनीताल में अधिशासी अधिकारी रोहिताश शर्मा, नगर पालिका रामनगर में अधिशासी अधिकारी आलोक उनियाल, नगर पालिका कालाढूंगी में अधिशासी अधिकारी अभिनव कुमार, नगर पालिका भीमताल में अधिशासी अधिकारी राहुल कुमार, नगर पालिका भवाली में अधिशासी अधिकारी सुधीर कुमार, नगर पंचायत लालकुआं में अधिशासी अधिकारी ईश्वर सिंह रावत को नोडल अधिकारी बनाया है। डीएम ने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ठंड से बचाव को सभी व्यवस्थाएं तत्काल प्रभाव से लागू की जाएं और किसी भी स्थिति में लापरवाही न बरती जाए।

तहसील परिसर में जांच करते एसडीएम राहुल शाह व सिटी मिस्ट्रेट जीएस चौहान।

तहसील का निरीक्षण 15 को थमाए नोटिस

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- बुधवार को हुआ 1.20 किमी मार्ग के डामरीकरण का शिलान्यास, 90 लाख से होगा उद्धार

अमृत विचार : डीएम के निर्देशानुसार प्रशासनिक टीम ने बुधवर को तहसील हल्द्वानी का औचक निरीक्षण किया एवं समीक्षा की। एसडीएम राहुल शाह व सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान ने तहसील के निरीक्षण के दौरान परिसर में कार्यरत डीड राइटर, पिटीशन राइटर, स्टाम्प वेंडर एवं नोटरी अधिवक्ताओं से वार्ता की गई। सभी को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे कार्य पूरी तरह विधि, नियमों एवं विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही करें। तहसील परिसर में कार्यरत व्यक्तियों के अभिलेखों, कार्यप्रणाली एवं दस्तावेजों की गहन जांच की गई। निरीक्षण में कई अनियमितताएं भी पाई गईं, जिनमें अनिवार्य रजिस्टरों का संधारण न होना, स्टाम्प वेंडरों की ओर से डीड राइटिंग एवं पिटीशन ड्राफ्टिंग का कार्य किया जाना, आवेदकों के व्यक्तिगत दस्तावेजों का अनधिकृत व्यक्तियों के पास पाया जाना तथा डीड राइटर व पैटीशन राइटर द्वारा राइट टू सर्विस आवेदन भरना शामिल है, जो कि नियमों के विरुद्ध है। इन अनियमितताओं के आधार पर उपजिलाधिकारी हल्द्वानी द्वारा 15 ऐसे व्यक्तियों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं, जिन्हें स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना होगा।

प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका और कार्य की अलग-अलग जांच की जा रही है। एसडीएम शाह ने स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अनधिकृत एवं अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर, तथा डीड राइटर एवं पैटीशन राइटर लाइसेंस निरस्त करने जैसी कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह संपूर्ण जांच एवं प्रवर्तन प्रक्रिया आगामी दिनों में भी जारी रहेगी। इस उद्देश्य के लिए एक समर्पित टीम का गठन किया गया है, जिसे तहसील परिसर में कार्यरत सभी व्यक्तियों की विस्तृत जांच करने और नियमों के पूर्ण अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए तैनात किया गया है। एसडीएम ने कहा कि तहसील परिसर में पारदर्शिता, विधिसम्मतता होना अनिवार्य है। किसी भी प्रकार की अनधिकृत, गतिविधि बिल्कुल भी सहन नहीं किया जाएगा।

उजाला नगर कांड : पुलिस की दबिश जारी, नहीं हुई गिरफ्तारी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: रविवार की शाम उजाला नगर क्षेत्र में हुए बवाल के बाद बनभूलपुरा पुलिस ने 50 अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि इन लोगों ने घटना के दौरान उपद्रव किया है। मुकदमा दर्ज होने तीन दिन बाद भी अभी तक पुलिस किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

रविवार को उजाला नगर क्षेत्र में जमकर उपद्रवियों ने बवाल काटा था। नियम कानून को ताक पर रख दिया। शहर में सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई। हालांकि सोमवार को स्पष्ट होने लगा कि जिस गोवंश का अंग उजाला नगर क्षेत्र में मिला है उसे कुत्ते नोचकर लाए हैं। पुलिस ने सोमवार को 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कर दिया। हालांकि अभी तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस महकमा कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं दिख रहा है। पुलिस के अनुसार दबिश दी जा रही है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। सवाल यह है कि तीन दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस अभी तक आरोपियों की तलाश ही कर रही है जबकि 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो गया है। पुलिस को यह भी पता लगाना चाहिए एकदम से इतनी भीड़ कैसे एकत्रित हो गई। आम लोगों को भी उस दिन उपद्रव की वजह से परेशानी हुई थी।

भाजपा ने एसएसपी को ज्ञापन सौंप की दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

हल्द्वानी : भाजपा ने पुलिस को ज्ञापन सौंपकर उजाला नगर कांड में गोवंश के साथ हुई घटना की जांच व दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। बुधवार को नगर अध्यक्ष मधुकर श्रोत्रिया के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने एसएसपी मंजूनाथ टीसी को ज्ञापन सौंपकर कहा कि बीती 16 नवंबर को उजाला नगर में गोवंश के साथ हुई घटना में मुकदमा दर्ज किया गया है। इसमें जल्द से जल्द जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही कहा कि सोशल मीडिया में अनावश्यक ढंग से बिना प्रमाणिक तथ्यों के भ्रामक खबरें चलाकर शहर का आपसी सौहार्द बिगाड़ने की साजिश की जा रही है, ऐसे तत्वों को चिन्हित कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाए। इस दौरान प्रदेश सहमीडिया प्रभारी प्रदीप जनौटी, नगर महामंत्री सुरेन्द्र बिष्ट, नगर उपाध्यक्ष रविन्द्र श्रोत्रिय, नगर मंत्री विजय बिष्ट, अजय राज, नगर कोषाध्यक्ष मनोज चौहान, आईटी संयोजक निश्चल जोशी, नगर सोशल मीडिया प्रभारी राजेश भारद्वाज मौजूद रहे।

आरटीओ चालान लिंक के नाम पर खाते से उड़ाए लाखों

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- रामपुर रोड निवासी युवक के साथ हुई धोखाधड़ी, पुलिस ने शुरू की जांच

अमृत विचार : साइबर अपराधियों ने लोगों के साथ ठगी के रोज नए तरीके अपना रहे हैं। अब साइबर ठगों ने आरटीओ चालान का फर्जी लिंक भेज कर एक व्यक्ति के खाते से 10 लाख रुपये उड़ा दिए। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर सौंपकर अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पंकज कुमार निवासी शिवाशीष कॉलोनी रामपुर रोड ने पुलिस को तहरीर सौंप कर बताया कि उसके मोबाइल में आरटीओ से चालान का लिंक आया तो उसने सोचा कि उसके वाहन का चालान कट गया है। इसलिए उसने तुरंत ही उसे खोलकर देखना चाहा लेकिन बाद में वह फर्जी निकलना। उसे बाद में पता चला कि उसके बैंक खाते से लगातार दो बार 5-5 लाख रुपये कट चुके हैं और बैंक से रुपये कटने का मैसेज भी आ गया है। घटना के तुरंत बाद पीड़ित ने हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दो बार कॉल किया लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। इसके बाद पीड़ित ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई, जहां से एक शिकायत नंबर प्रदान किया गया।

उसी आधार पर पीड़ित जब अपने एचडीएफसी बैंक हल्द्वानी शाखा पहुंचा तो बैंक कर्मचारी ने उसे बताया गया कि रुपये किस खाते में ट्रांसफर हुए हैं। संबंधित बैंक खाते का विवरण भी बैंक ने उपलब्ध कराया है। कोतवाल अमर चंद्र शर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। उसके बाद मुकदमा दर्ज करके आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डेंगू को लेकर करते रहें समीक्षा : डॉ. पंत

हल्द्वानी : सीएमओ व कुमाऊं मंडल स्वास्थ्य निदेशक डॉ. हरीश चंद्र पंत ने रुद्रपुर स्थित जोनल कीट विज्ञान प्रयोगशाला का निरीक्षण किया।

सीएमओ डॉ. हरीश पन्त ने जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. मनोज कांडपाल को लैब स्थापित करने के लिए कार्यवाही को कहा। डॉ. पंत ने बताया कि जिले में इस सीजन में डेंगू को कोई भी रोगी नहीं मिला है। स्वास्थ्य विभाग बारिश और उसके बाद पूरी तरह से सतर्क रहा। मच्छरों की रोकथाम को लगातार अभियान चलाए और साथ ही लोगों को जागरूक भी किया। उन्होंने जिला सर्विलांस अधिकारी जेपी कश्यप को निर्देश दिए कि डेंगू के संबंध में सतर्कता बरतने, डेंगू वॉलंटियर्स की समीक्षा करें। इस बार डेंगू नियंत्रण में है लेकिन सतर्क रहना चाहिए। इस दौरान ज्येष्ठ मलेरिया निरीक्षक एमएस सुलेमान, परामर्शदाता एनवीबीडीसीपी डॉ. विनय सिंह व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेस्क्यू | पुलिस, एसडीआरएफ व वन विभाग की टीम ने 17 घंटे के रेस्क्यू के बाद जंगल से किया बरामद

रुद्रपुर से दोस्तों के साथ घूमने आया लापता छात्र जंगल में ठिठुरता मिला

क्षेत्रवासी बोले, वन देवी ने बचाई जान

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : पांच दोस्तों के साथ नैनीताल घूमने आया 12वीं का छात्र बीते मंगलवार की रात चाइना पीक में गुम होने से हड़कंप मच गया था। दोस्तों की सूचना पर पुलिस, एसडीआरएफ व वन विभाग की टीम ने 17 घंटे बाद छात्र को जंगल से रेस्कयू किया।

पुलिस के अनुसार रुद्रपुर निवासी 12वीं का छात्र जयेश कार्की पांच दोस्तों के साथ नैनीताल घूमने पहुंचा था। शाम को वह घूमने के लिए चाइना पीक व कैमल्स बैक की पहाड़ी में चले गए। देर रात चाइना पीक से वापसी के दौरान जयेश ईयर फोन लगाकार गाने सुनते हुए दोस्तों से आगे आ गया। लेकिन जब अन्य साथी गेट के समीप पहुंचे तो वह नहीं मिला। छात्र को कॉल किया लेकिन उसका नंबर भी नहीं लगा। इसके बाद उसके दोस्तों ने पुलिस को सूचना दी। इस पर पुलिस, एसडीआरएफ व वन टीमों ने देर रात सर्च ऑपरेशन चलाया लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। बुधवार की सुबह फिर से तलाश की। टीम ने 100 लोगों ने करीब 11 बजे छात्र को चाइना पीक के जंगल से बरामद कर लिया। एसएसआई दीपक बिष्ट ने बताया कि छात्र का मेडिकल परीक्षण करा परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। पूछताछ में बताया कि वह रास्ता भटक गया था।

पुलिस टीम के साथ रेस्क्यू किया गया छात्र। ● अमृत विचार

गौरव जोशी, नैनीताल

अमृत विचार : कैमल्स बैक और चीना पीक पर ट्रैकिंग के लिए निकले छात्रों के दल में से जयेश अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। स्थानीय निवासी संजय के अनुसार जिस पहाड़ी क्षेत्र में युवक लापता हुआ, वह भालू समेत कई जंगली जानवरों का इलाका माना जाता है। ऐसे में युवक की जान पर बड़ा खतरा मंडरा रहा था। उन्होंने बताया कि इसी पहाड़ी पर शिखर की ओर वन देवी का प्राचीन मंदिर स्थित है, जिसके बारे में स्थानीय मान्यता है कि देवी लोगो की रक्षा करती हैं। संजय का कहना है कि वन देवी की कृपा से ही युवक सुरक्षित मिल पाया। बातचीत मे जयश ने बताया रास्ता भटकने के चलते जंगल में खो गया था। और रात भर एक पेड़ के नीचे बैठकर उसने अपना समय बिताया आधी रात को जब उसे प्यास लगी तो वहीं झरने के पास गया जहां उसने पानी पिया और इस दौरान वह खाई में गिरकर घायल भी हो गया।

पॉलिटेक्निक के छात्र भी जुटे तलाश में

जयेश को खोजने के लिए रातभर अभियान चलता रहा। पॉलिटेक्निक के छात्र भी पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर तलाश में लगे रहे। घना अंधेरा, ठंड और कठिन पहाड़ी रास्तों के बावजूद रेस्क्यू दल ने अभियान जारी रखा। बुधवार सुबह खोज अभियान ने सफलता पाई और युवक थका-मांदा लेकिन सुरक्षित अवस्था में मिला। जिसके बाद पुलिस अधिकारियों ने राहत की सांस लेते हुए संयुक्त रेस्क्यू टीम, स्थानीय लोगों व छात्रों का आभार जताया। युवक से पूछताछ कर पूरी घटना की जानकारी जुटाई जा रही है। इस दौरान ललित मोहन कार्की, वन क्षेत्रधिकारी, कुमार सौरभ, गोविन्द सिंह बिष्ट, भुवन चंद्र, चन्दन सिंह बिष्ट, कमलेश, संतोष जोशी, राजेंद्र वर्मा, सुरेंद्र सिंह खाती, जितेन सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

अमृत विचार

हल्द्वानी, गुरुवार, 20 नवंबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

ई शपथ में नैनीताल देश में 5वें स्थान पर

नैनीताल : नशा मुक्त भारत अभियान के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित प्रधानमंत्री के ई-शपथ कार्यक्रम में नैनीताल जनपद ने राष्ट्रीय स्तर पर 5वां स्थान हासिल किया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी विश्वनाथ गौतम ने बताया जिले में नशामुक्ति के लिए चलाए जा रहे जागरुकता अभियानों, जनभागीदारी और विभिन्न विभागों व संस्थानों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने भविष्य में भी अभियान को गति देने की अपील की।

बिना हेलमेट 9 के खिलाफ कार्रवाई

नैनीताल : नैनीताल में बिना हेलमेट बाइक चलाने वालों के खिलाफ पुलिस ने अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस ने कोतवाली के समीप अभियान चलाकर बिना हेलमेट बाइक दौड़ाने वाले 9 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। बुधवार को मल्लीताल में एसआई प्रवीण कुमार तेवतिया ने पुलिस टीम के साथ बिना हेलमेट बाइक दौड़ाने वालों के खिलाफ मल्लीताल कोतवाली के सामने अभियान चालाया।

रैगिंग मामले ने तूल पकड़ा आरोपी के निलंबन की मांग

क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने निदेशक को ज्ञापन सौंपा

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: विशेष समुदाय के छात्र द्वारा हिंदू छात्र के साथ रैगिंग किए जाने का मामला प्रकाश में आने के बाद भीमताल के विभिन्न सामाजिक संगठनों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने निदेशक सर जेसी बोस कैंपस, कुमाऊं विश्वविद्यालय को ज्ञापन सौंप कर रैगिंग करने वाले छात्र के निलंबन की मांग की है।

छात्र के निलंबन की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपते लोग। ● अमृत विचार

बुधवार को दर्जनों कार्यकर्ता और सामाजिक प्रतिनिधि जिला मंत्री मनोज भट्ट के नेतृत्व में कैंपस में पहुंचे और निदेशक को घटना से अवगत कराया। बताया कि विशेष समुदाय के एम फार्मा के छात्र का आचरण ठीक नहीं होने के चलते ही उसे हॉस्टल से निकाल दिया गया था। हॉस्टल से निकाले जाने के बाद वह छात्र एक निजी पीजी में रहता था। युवक पर एक जूनियर छात्र के साथ रैगिंग का मामला सामने आया है। मामला कालेज प्रशासन के संज्ञान में है। जानकारी होने के बावजूद कालेज प्रशासन के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। प्रतिनिधिमंडल ने दोषी छात्र को कालेज से निकाले जाने की मांग की ताकि अन्य छात्र-छात्राओं को रैगिंग का सामना नहीं करना पड़े। ज्ञापन देने वालों में जिला मंत्री मनोज भट्ट, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बीना आर्या, सभासद शुभम नैनवाल, मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा धन सिंह राणा, सामाजिक कार्यकर्ता आशा आर्या, मीनाक्षी जोशी, नीमा नेगी, हेमा, गीता, लता आर्या मौजूद थे।

मंदिर समिति के विरोध में दो प्रधान भी उतरे

भीमताल : आदि कैलाश (छोटा कैलाश) मंदिर समिति की नवगठित कार्यकारिणी के विरोध में पहले ही दर्जनों ग्रामीणों की आपत्ति के बाद अब क्षेत्र के दो प्रधानों ने भी कार्यकारिणी के गठन पर सवाल उठाए हैं।

ग्राम प्रधान पिनरौं लीला पलड़िया और ग्राम प्रधान पस्तोला खष्टी राघव ने कहा कि क्षेत्र का यह धार्मिक स्थल पूरे इलाके की आस्था का केंद्र है, इसलिए इसके नाम पर राजनीति करना उचित नहीं है। उनका कहना है कि समिति की नई कार्यकारिणी का गठन सभी ग्रामीणों और मंदिर समिति के सदस्यों को विश्वास में लेकर किया जाना चाहिए था, जबकि कुछ लोगों ने निजी स्वार्थवश स्वयं ही समिति बनाते हुए कार्यकारिणी घोषित कर दी। पूर्व कोषाध्यक्ष त्रिलोचन पलड़िया ने कहा कि मंदिर समिति के अध्यक्ष गुमान सिंह संभल के निधन के बाद नियमों के अनुसार अध्यक्ष का दायित्व उपाध्यक्ष कैलाश सिंह संभल को मिलना चाहिए था। समिति 2027 तक मान्य है, इसलिए नई समिति का गठन असंवैधानिक है। इस मामले को लेकर वे कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

विपक्ष से तीखी बहस के बीच युवा कौशल विकास विधेयक पारित

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस के बीच युवा कौशल विकास विधेयक ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। सत्ता पक्ष ने इस विधेयक को देश के विकास के हित में करार दिया तो विपक्ष का आरोप था कि विपक्ष को विश्वास में लिए बिना विधेयक पास किया गया। राजकीय महाविद्यालय मालधन में आयोजित युवा संसद में सदस्यों का शपथ ग्रहण, प्रश्न काल, शून्यकाल पर कई विषयों पर पर चर्चा की गई।

युवा संसद प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र -छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि हरीश दफोटी पूर्व राज्य मंत्री (दर्जा प्राप्त) रहे जबकि महेन्द्र शिल्पकार विशिष्ट अतिथि रहे। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने लोक सभा की कार्यवाही का प्रदर्शन किया। युवा संसद में अध्यक्ष की भूमिका में मोनिका, प्रधानमंत्री के रूप में रोहित कुमार, गृहमंत्री रिया नेता और नेता प्रतिपक्ष की भूमिका अंजली ने निभाई। जबकि शिक्षामंत्री-अनुष्का बनीं।

युवा संसद की कार्रवाई में बोलते सदस्य। ● अमृत विचार

● मालधन डिग्री कालेज में युवा संसद का आयोजन

कोमल सदस्य, अजय कुमार कृषि मंत्री, सदस्य दीक्षा महिला एवं बाल विकास मंत्री सानिया, वित्त मंत्री अभय प्रकाश एवं सदस्य पंकज, तराना व पत्रकार के रूप अर्जुन सदन में मौजूद रहे। इस युवा संसद में युवा संसद कार्यक्रम राजनीति विज्ञान विभाग प्रभारी असि. प्रो. प्रियदर्शन के निर्देशन में सम्पन्न कराई गई।

प्रतियोगिता को दर्शक दीर्घा से महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुशीला सूद चीफ प्रोक्टर प्रो. डॉ. जीसी पन्त, डॉ. पीके निश्छल, प्रदीप चंद्र, डॉ. निधि अधिकारी, नफीस अहमद, शुभम राकेश व जगदीश जसवन्त सहित महाविद्यालय के सभी अधिकारी, कर्मचारियों ने युवा संसद की कार्रवाई का आनंद लिया।

नैनीताल में आयोजित पंचम बायोटेक्नोलॉजी कॉन्क्लेव में मौजूद अतिथि। ● अमृत विचार

पंचम बायोटेक्नोलॉजी कॉन्क्लेव का शुभारंभ

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखण्ड जैवप्रौद्योगिकी परिषद के क्षेत्रीय केंद्र पटवाडांगर में बुधवार को पंचम बायोटेक्नोलॉजी कॉन्क्लेव का भव्य शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन, उद्यमिता विकास कार्यक्रम, कृषक-वैज्ञानिक गोष्ठी, प्रदर्शनी व पोस्टर सत्र का संयुक्त आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. मनमोहन सिंह चैहान, कुलपति जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. नवीन चन्द्र लोहानी, कुलपति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने दीप प्रज्वलित कर किया। परिषद के निदेशक डॉ. संजय कुमार ने सभी अतिथियों, वैज्ञानिकों और प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

डॉ. संजय कुमार ने राज्य की बायो-ई3 नीति को जैवप्रौद्योगिकी शोध, स्टार्टअप और उद्योग विकास के लिए मील का पत्थर बताते हुए कहा कि यह नीति उत्तराखण्ड को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएगी। उन्होंने जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय संस्थान का नारा देते हुए वैज्ञानिकों और शोधार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. लोहानी ने कहा कि भारत 2047 तक विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और जैवप्रौद्योगिकी इस परिवर्तन का मुख्य आधार बनेगी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र को वर्ष 2030 तक 300 अरब डॉलर के उद्योग तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। आईआईएम काशीपुर के निदेशक डॉ. नीरज द्विवेदी ने बायो-ई3 नीति को कृषि प्रधान एवं प्रदूषण मुक्त भारत के निर्माण में सहायक बताया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड के शोध संस्थान और विश्वविद्यालय देश को बायोमैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में नई दिशा दे सकते हैं। रूस के सेंट पीटर्सबर्ग विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि डॉ. निकिटिन जोर्जी ने उत्तराखण्ड की प्राकृतिक सुंदरता और जैव संसाधनों की सराहना करते हुए कहा कि उनके विश्वविद्यालय द्वारा परिषद और पंतनगर विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त शोध कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। मुख्य अतिथि डॉ. चौहान ने कहा कि इस कॉन्क्लेव ने 300 से अधिक राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों को एक मंच पर जोड़ा है, जो राज्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने उत्तराखण्ड की महिलाओं में एनीमिया की गंभीर स्थिति पर चिंता जताई तथा रूस के साथ मिलकर पोषक उत्पादों की नई तकनीक विकसित करने पर बल दिया। यूपीएस व यूपीटीईएस टीमों द्वारा विकसित उत्पादों का विमोचन व वृक्षारोपण भी किया गया।

सांसद भट्ट ने किया सामुदायिक भवन का लोकार्पण

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: नगर के प्राचीनतम मां अवंतिका कुंज देवी मंदिर परिसर में नवनिर्मित सामुदायिक विकास भवन का भव्य लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय सांसद अजय भट्ट एवं विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि श्रद्धा एवं विश्वास के प्रतीक अवंतिका कुंज मंदिर को भव्य स्वरूप देकर अवंतिका धाम के रूप में विकसित किया जाएगा।

सांसद अजय भट्ट और विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि आज मंदिर परिसर में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें अत्यंत खुशी की अनुभूति हो रही है। उन्होंने मंदिर को और अधिक भव्य स्वरूप देने हेतु मंदिर समिति को प्रस्ताव भेजने को कहा, जिससे यह मंदिर भविष्य में पर्यटन स्थल के रूप में मां अवंतिका देवी धाम के रूप में अपनी विशेष पहचान बना सके।

लालकुआं में सामुदायिक भवन का उद्घाटन करते सांसद अजय भट्ट व विधायक मोहन बिष्ट।

कार्यक्रम में सेंचुरी पेपर मिल के सीईओ अजय कुमार गुप्ता ने कहा कि अवंतिका कुंज देवी मंदिर के सामुदायिक भवन निर्माण में सहयोग करने का अवसर मिलने पर वे स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं और इसके लिए मंदिर समिति के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। इसके साथ ही विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट ने मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए 2 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की और पर्यटन विभाग से अतिरिक्त सहयोग दिलाने का भरोसा भी दिया। कार्यक्रम में मंदिर समिति के अध्यक्ष पूरन सिंह रजवार, नगर पंचायत अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह लोटनी, सेंचुरी पेपर मिल के उपाध्यक्ष नरेश चंद्रा, पूर्व विधायक नवीन दुम्का, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष रामबाबू मिश्रा, पवन चौहान, लालचंद्र सिंह, मां भद्रकाली मंदिर समिति के आचार्य पंडित योगेश पंत, वरिष्ठ भाजपा नेता हेमंत नरूला, महामंत्री भुवन पांडे, रवि शंकर तिवारी, अवनीश त्यागी, कमलेश यादव, गीता पांडे, दीप्ति पांडे, मीना रावत, सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण खाती, संजय अरोड़ा, विनोद श्रीवास्तव, विधायक प्रतिनिधि गोविंद राणा, किशन भट्ट, सभासद भुवन पांडे, दीप लोहानी, योगेश उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ कलाकार प्रभाकर जोशी ने सुंदर भजन प्रस्तुत किए।

व्यापार मंडल कैंचीधाम के अध्यक्ष बने धीरज

संवाददाता, भवाली

अमृत विचार: कैंची धाम क्षेत्र में बुधवार को व्यापारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल द्वारा सदस्यता अभियान भी संचालित किया गया, जिसमें 85 व्यापारियों ने सदस्यता ग्रहण कर संगठन को अपना सहयोग प्रदान किया। सभी उपस्थित व्यापारियों की सर्वसम्मति से धीरज तिवारी को व्यापार मंडल का अध्यक्ष तथा पवन चंद्र भट्ट को महामंत्री पद पर मनोनीत किया गया। बैठक का समापन संगठन को मजबूत बनाने और क्षेत्रीय व्यापारिक समस्याओं के समाधान हेतु संयुक्त प्रयासों के संकल्प के साथ किया गया।

● कैंची धाम क्षेत्र में व्यापारियों की अहम बैठक

● 85 नए सदस्यों ने ग्रहण की प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल सदस्यता

इस दौरान प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के सह-प्रभारी कुमाऊं मंडल अखिलेश सेमवाल, पूर्व प्रधान पंकज निगलटिया, मीनाक्षी तिवारी, विनोद तिवारी, नरेश चंद्र तिवारी, अभय तिवारी, शिवेंद्र कांडपाल, शुभांकर बिष्ट, अजय मेहरा, प्रशांत पंत सहित अनेक व्यापारी उपस्थित रहे।

विजयपाल बने करनपुर सोसायटी के डायरेक्टर

रामनगर: करनपुर कोआपरेटिव सोसायटी करनपुर के चुनाव में विजयपाल सिंह रावत डायरेक्टर चुने गए। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी वीरेंद्र सिंह रावत को 38 मतों से पराजित किया। विजयपाल को 152 एवं वीरेंद्र रावत को 114 मतों पर ही संतोष करना पड़ा। बता दें कि करनपुर कोआपरेटिव सोसायटी के लिए अन्य सभी डायरेक्टर पद पर सभी निर्विरोध चुने गए थे। केवल इसी वार्ड में चुनाव होना बंकी था। ग्राम पंचायत अधिकारी उदयराज ने निर्वाचन अधिकारी के रूप में विजयपाल के चुने जाने की घोषणा की। गुरुवार को अध्यक्ष पद का चुनाव होना है। श्री रावत बल दावेदारों में से एक है।

दीक्षांत समारोह में प्रियांशु ने प्राप्त किया रजत पदक

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल के प्रियांशु गुणवंत ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) नई दिल्ली के दीक्षांत समारोह में रजत पदक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

बुधवार को आयोजित इस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय के शर्मा ने प्रियांशु को बीटेक की डिग्री और रजत पदक प्रदान किया। प्रियांशु गुणवंत ने इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग शाखा से बीटेक किया है और वह अपने कोर्स में द्वितीय सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र रहे। सम्मान समारोह में उनके दादा उर्वादत्त गुणवंत, पिता हरीश चन्द्र गुणवंत और माता गुणवंत भी मौजूद रहे। प्रियांशु

का परिवार मूल रूप से नैनीताल जिले के सिमराड़ गांव का रहने वाला है और वर्तमान में हल्द्वानी में निवास करता है। उन्होंने इंटर तक की शिक्षा दिल्ली से प्राप्त की और एनआईटी नई दिल्ली से बीटेक की डिग्री हासिल की है। प्रियांशु की इस उपलब्धि पर उनके परिचितों, मित्रों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बच्चों ने रंगों से उकेरीं अपनी कल्पनाएं

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार : ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल परिसर की एनएसएस इकाई के तत्वावधान में धरोहर बाल आश्रय केंद्र, हल्द्वानी में एक जनसेवा एवं आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर नृत्य और गीत-संगीत ने माहौल को उल्लासपूर्ण बना दिया। इस पहल का उद्देश्य बच्चों के बीच दया, सामाजिक जिम्मेदारी एवं खुशी फैलाना था।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वयंसेवकों ने बच्चों से आत्मीय बातचीत एवं हंसी-मजाक के साथ की। जिससे बच्चों ने स्वयं को सम्मानित और सहज महसूस किया। इसके बाद चित्रकला सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपनी कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से व्यक्त किया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने उनके हर प्रयास की सराहना करते हुए उत्साह बढ़ाया।

धरोहर बाल आश्रय केंद्र में ग्राफिक एरा एनएसएस भीमताल इकाई द्वारा आयोजित कार्यक्रम।

● धरोहर बाल आश्रय केंद्र में चित्रकला सत्र में बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

शिक्षा को रोचक बनाने के उद्देश्य से गणित के सामान्य अभ्यासों को खेल एवं चुनौतीपूर्ण गतिविधियों में परिवर्तित किया गया। स्वयंसेवकों ने बच्चों को नैतिक कहानियां भी सुनाईं, जिन्हें बचचों ने दिलचस्पी से सुना और उन शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन से जोड़कर समझा। कार्यक्रम एनएसएस के आदर्श (मैं नहीं, तू) का सुंदर उदाहरण रहा, जो निःस्वार्थ सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को पुष्ट करता है। छोटी-छोटी दयालुता की क्रियाएं बड़े प्रभाव ला सकती हैं इस संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

प्रतिभा

गणेश चंद्र छिम्वाल मेमोरियल कार्यक्रम में हर साल किया जाता है मेधावियों का सम्मान

राइंका ढिकुली में 33 मेधावी विद्यार्थियों को किया पुरस्कृत

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: राजकीय इंटर कॉलेज ढिकुली में गणेश चंद्र छिम्वाल मेमोरियल कार्यक्रम के तहत मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें शैक्षिक सत्र 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कक्षा 6 से 12 तक के 33 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

ढिकुली विद्यालय की पूर्व छात्रा लीला सती पत्नी भुवन चंद्र सती (हल्द्वानी) ने विद्यालय के नाम पर 7 लाख रुपये की एफडी बनाई है। इसके ब्याज से प्रत्येक वर्ष नोबेल पुरस्कार की तर्ज पर मेधावी छात्रों को उनके स्व. पिता गणेश शंकर छिम्वाल और स्व. माता चंद्रा छिम्वाल की स्मृति में पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। बाल कल्याण समिति एवं राइंका ढिकुली के सहयोग से आयोजित समारोह में विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र दिए गए।

रामनगर में पुरस्कृत राइका ढिकुली के मेधावी छात्र, अतिथि व विद्यालय के शिक्षक। ● अमृत विचार

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लीला सती ने कहा कि यह सम्मान बच्चों को और अधिक मेहनत व लगन से पढ़ाई और सहगामी गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा।

विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त कर्नल बीके छिम्वाल ने कहा कि ऐसे पुरस्कारों से छात्रों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ती है। बाल कल्याण समिति के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. गोबिंद सिंह रावत ने कहा कि समिति भविष्य में भी संसाधन-विहीन विद्यार्थियों के उत्थान के लिए कार्य करती रहेगी।

पूर्व वित्त अधिकारी एवं ऑडिटर एनके. नैनवाल ने कहा कि समाज की सामूहिक भागीदारी से विद्यार्थियों के लिए और व्यापक कार्य किए जाने की आवश्यकता है। समिति के सचिव दिनेश चंद्र सिंह रावत ने समिति द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न विकासात्मक कार्यक्रमों की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष रमेश बिष्ट ने छात्रवृत्ति से छात्रों में आई सकारात्मक प्रतिस्पर्धा व गुणात्मक सुधार की जानकारी साझा की। शैक्षिक उपलब्धियों के अलावा अनुशासन, उपस्थिति, खेलकूद एवं पाठ्य सहगामी गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को गणतंत्र दिवस पर सम्मानित किया जाएगा। एसएमसी अध्यक्ष प्रकाश सती, पीटीए अध्यक्ष उमेश अधिकारी, ग्राम प्रधान खष्टी देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य सुमन रावत, समाजसेवी हंसा छिम्वाल, उप सचिव जगदीश छिम्वाल, शिक्षाविद भुवन छिम्वाल, लोकेश रावत, हेमचंद्र जोशी, ललित मोहन छिम्वाल, मेहंदी हसन, रुचि पांडे, रघुवर सिंह, आदि उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य आसाराम निराला ने सभी का आभार व्यक्त किया तथा मुख्य अतिथि को प्रतीक चिह्न भेंट किया। संचालन चंद्र बहादुर सिंह कन्याल ने किया।

इन्हें मिला पुरस्कार

ज्योति आर्या, सोनिया, ममता भारती, आरती, हर्षिता जोशी, दीक्षा, रूपा, शहनाज, मनमोहन, कृष्णा अधिकारी, योगेश बिष्ट, निर्मल सती, महक, गौरी, पंकज कुमार, मीनाक्षी रावत, भूमिका बिष्ट, खुशबू जोशी, दीक्षा, नितिन खैरियाल, आकांक्षा सती, जैबी, शुभम बिष्ट सहित अन्य विद्यार्थी शामिल रहे।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से होता है देश का विकास

खालसा इंटर कॉलेज में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम राज्य विज्ञान महोत्सव का आगाज, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : ठंडी सड़क स्थित खालसा नेशनल बालिका इंटर कॉलेज में बुधवार को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम राज्य विज्ञान महोत्सव का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण निदेशक वंदना गर्ब्याल ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान आधारित प्रतियोगिताएं बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करती हैं, बाद में यही बच्चे आगे चलकर देश का भविष्य तय करेंगे।

सीईओ गोविंद राम जायसवाल ने कहा कि प्रतियोगिता में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बाल वैज्ञानिक एक व दो दिसंबर को नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग करेंगे। इस दौरान उपस्थित सभी प्रतिभागियों को जागरूक मतदाता बनने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में खालसा इंटर कॉलेज की छात्राओं ने सरस्वती वंदना, जबकि जीजीआईसी की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद खालसा स्कूल की बालिकाओं ने मुनस्यारी की लोकसंस्कृति पर आधारित आकर्षक लोकनृत्य प्रस्तुत किया। इस दौरान राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बाल वैज्ञानिक निर्मल पंवार को सम्मानित किया गया। जूनियर (6 से 8) और सीनियर (9 से 12) वर्ग में 13 जनपदों से आए विद्यार्थियों ने विज्ञान के विभिन्न मॉडल व प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए, जिनमें कई नवाचार से भरपूर मॉडल शामिल रहे। जिला विज्ञान समन्वयक डॉ. दिनेश जोशी ने बताया कि प्रतियोगिता आज (गुरुवार) और कल (शुक्रवार) को भी जारी रहेगी, जिसमें अन्य जिलों के विज्ञान ड्रामा और विज्ञान क्विज आयोजित किए जाएंगे। विद्यालय की प्रधानाचार्या और स्थलीय संयोजक कमला शैल ने बताया कि महोत्सव में 13 जनपदों के 500 बाल वैज्ञानिक और 100 मार्गदर्शक शिक्षक भाग ले रहे हैं। इस दौरान अमर सिंह बिष्ट, मीनाक्षी कीर्ति, पुरुषोत्तम बिष्ट रहे।

खालसा इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव में मॉडल पेश करते विद्यार्थी। ● अमृत विचार

द्वितीय सत्र में विज्ञान ड्रामा प्रतियोगिता आयोजित, छोलिया नृत्य रहा आकर्षण

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र का शुभारंभ मेयर गजराज बिष्ट ने किया। विज्ञान ड्रामा प्रतियोगिता में चमोली, अल्मोड़ा, ऊधम सिंह नगर और देहरादून के विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियों से विज्ञान के विविध पहलुओं को प्रदर्शित किया। जीआईसी पतलोट के विद्यार्थियों ने छोलिया नृत्य और गोपाल जोशी के बांसुरी वादन ने दर्शकों का मन मोहा। शिप्रा कल्याण समिति के अध्यक्ष जगदीश सिंह नेगी ने प्लास्टिक प्रबंधन और उससे होने वाले दुष्प्रभावों पर व्याख्यान दिया, जबकि डॉ. सिमरन आर्यमन ने तनाव प्रबंधन के उपाय बताए। इस सत्र में अपर शिक्षा निदेशक (प्रारंभिक शिक्षा) गजेंद्र सिंह सौन, खंड शिक्षाधिकारी तारा सिंह, अंशुल बिष्ट, गीतिका जोशी रहे।

प्रियांशु के टेरा वोल्ट प्रोजेक्ट ने खींचा ध्यान

हल्द्वानी : रूद्रपुर के जनता इंटर कॉलेज के कक्षा 11 के मेधावी छात्र प्रियांशु तिवारी ने नवाचारी टेरा वोल्ट प्रोजेक्ट से सभी का ध्यान खींचा। यह मॉडल ऊर्जा उत्पादन का भविष्य, पर्यावरण अनुकूल और कम लागत का विकल्प बना है, जिसे बड़े बांधों के विकल्प के रूप में लिया जा सकता है। प्रियांशु ने बताया कि पावर प्लांट की जमीन के भीतर मौजूद पानी से लगातार भाप निकलती रहती है। इस भाप को टरबाइन से गुजारकर ऊर्जा टेस्ला तक पहुंचाई जाती है, जहां यह हाई मैग्नेटिक फील्ड उत्पन्न करती है। भाप दोबारा पानी में परिवर्तित होकर जमीन में वापस चली जाती है, जिससे पानी की बर्बादी रुकती है और भूजल स्तर में बढ़ोतरी संभव होती है। बांधों की मेंटीनेंस पर भारी खर्च आता है, जबकि टेरा वोल्ट कम संसाधनों में चलता है। सोलर पैनल और विंड प्लांट भी बिना अतिरिक्त खर्च और मेंटीनेंस के ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने में सक्षम हैं। टेरा वोल्ट से पैदा मैग्नेटिक फील्ड से मोबाइल फोन, इलेक्ट्रिक व्हीकल समेत अन्य को आसानी से चार्ज किया जा सकता है। जियोथर्मल प्लांट बड़े क्षेत्र में बिजली नहीं भेज पाते और टेस्ला कॉयल लगातार 24 घंटे बिजली मांगती है। दोनों कमियों का संतुलन बना प्रोजेक्ट तैयार किया है।

भानदेव नवाड़ में हाथियों द्वारा क्षतिग्रस्त सोलर लाइट दिखाते ग्रामीण।

पूर्व मंत्री से गुहार, हाथियों के आतंक से बचाओ

संवाददाता, हल्दूचौड़

अमृत विचार : हाथियों के आतंक से परेशान ग्रामीणों ने पूर्व मंत्री हरीश दुर्गापाल से समाधान की गुहार लगाई है। ग्रामीणों का कहना है कि दुर्गापाल के कार्यकाल में हाथियों के आतंक को नियंत्रित करने के लिए कई प्रभावी कदम उठाए गए थे, जिनसे उन्हें लंबे समय तक राहत मिली।

ग्रामीणों के आग्रह पर पूर्व मंत्री के पुत्र एवं समाजसेवी हेमवती नंदन दुर्गापाल ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने फसल नुकसान, रात्रि सुरक्षा और हाथियों की आवाजाही से जुड़ी समस्याओं की विस्तृत जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने तुरंत मामले को उच्चाधिकारियों तक पहुंचाया और डीएफओ यूसी तिवारी, डीएम ललित मोहन रयाल तथा मुख्यमंत्री के विशेष सचिव व वरिष्ठ आईएफएस डॉ. पराग मधुकर धकाते से दूरभाष पर वार्ता कर हाथियों से राहत दिलाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। कई महिलाओं ने बताया कि शाम होते ही बच्चों की सुरक्षा को लेकर भय का माहौल बना रहता है, वहीं किसान लगातार फसल नष्ट होने से आर्थिक संकट झेल रहे हैं। इस मौके पर समाजसेवी कैलाश बमेटा, केशव दत्त बमेटा, जगदीश बमेटा, चंद्रशेखर बमेटा, नवीन बमेटा, कार्तिक बमेटा, पूरन तिवारी, रघुवर दत्त तिवारी, पूरन बमेटा, गुड्डू बमेटा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय काश्तकार मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

बागजाला के लोगों का धरना 94वें दिन भी जारी

हल्द्वानी : मालिकाना हक और आठ सूत्रीय मांगों को लेकर बागजाला गांव में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को भी जारी रहा। धरना स्थल पर ग्रामीणों ने 25 नवंबर को एसडीएम कार्यालय में होने वाले प्रस्तावित प्रदर्शन को सफल बनाने को लेकर रणनीति तैयार की। अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष आनंद सिंह नेगी ने कहा कि सरकार भूमि बैंक और गौरक्षा कानून जैसी नीतियों के माध्यम से किसानों व पशुपालकों को उनके परंपरागत कृषि और पशुपालन से बेदखल करने का कार्य कर रही है। इस दौरान कैलाश पांडे, दीवान सिंह बर्गली, हरक सिंह बिष्ट, मो. सुलेमान, दौलत सिंह, नसीम अहमद रहे।

चार घरेलू सिलेंडर जब्त किए

भीमताल : क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सुरेन्द्र सिंह बिष्ट ने पूर्ति निरीक्षक रवि डालाकोटी के साथ घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक दुरुपयोग रोकने को नौकुचियाताल में नौ दुकानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चार प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग करते पाया गया। इन्हें जब्त कर इंडेन गैस सर्विस भीमताल के सुपुर्द किया गया। साथ ही निर्देश दिए कि इन सिलेण्डरों को गोदाम में सुरक्षित रखेंगे और न्यायालय तथा उच्चाधिकारियों के मांगे जाने पर प्रस्तुत करेंगे। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी बिष्ट ने बताया कि अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा।

प्रेमपुर लोश्ज्ञानी-आरटीओ रोड का 90 लाख से डामरीकरण शुरू

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : गोविंदपुर गढ़वाल प्रेमपुर लोश्ज्ञानी से आरटीओ रोड के 1.20 किमी के पैच में 90 लाख से डामरीकरण करेगा। जिससे दो दर्जन से अधिक कॉलोनियों व हजारों लोगों को लाभ होगा।

बुधवार को सड़क के हॉटमिक्स डामरीकरण का शिलान्यास हुआ। विधायक प्रतिनिधि विकास भगत, मंडल अध्यक्ष कंचन उप्रेती, नरेन्द्र चड्ढा एवं नंदा बल्लभ बुढलाकोटी ने पूजा अर्चना के बाद नारियल फोड़ कर शुभारंभ किया। प्रवक्ता विकास भगत ने कहा की जेजेएम में पेयजल व सीवर लाइन बिछाने के लिए सड़कों की खुदाई हो गई। इस वजह से सड़कें बदतर हैं। इन सड़कों की मरम्मत के लिए लगातार शासन को प्रस्ताव भी भेजे जा रहे हैं। छह से आठ माह में सभी सड़कों का नवीनीकरण किया जाएगा। वरिष्ठ भाजपा नेता महेश शर्मा ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हल्द्वानी के विकास को 2200 करोड़ की घोषणा की जिस से क्षेत्र में रकसिया नाले के आउटफॉल का निर्माण करवाया जा रहा है। साथ ही शहर के चौराहों का चौड़ीकरण हो रहा है। नगर निगम के प्रत्येक वार्ड में नई पेयजल लाइन एवं सीवरेज लाइन बिछाने का काम युद्ध स्तर पर जारी है। सभी विभागों को जनता की सुविधा के लिए एक छत के नीचे लाने को हल्द्वानी में नमो भवन बनाया जा रहा है। इस दौरान लोनिवि एई ललित तिवारी, जेई जेएस मर्तोलिया, दरवान राठौर, भगवान देऊपा, लीलाधर बृजवासी, प्रधान देवेंद्र, बीडीसी सदस्य ज्योति आर्य, मनीष आर्य, कृपाल सिंह रहे।

प्रेमपुर लोश्ज्ञानी में नारियल फोड़ कर डामरीकरण का शुभारंभ करते लोग।

नौदा में पूर्व दर्जा मंत्री महेश शर्मा को सम्मानित करते रामलीला कमेटी के सदस्य।

पूर्व दर्जा मंत्री महेश शर्मा ने किया नौदा ग्राम पंचायत में रामलीला का शुभारंभ

हल्द्वानी, अमृत विचार : कोटाबाग के नौदा ग्राम पंचायत में 11 वें दिवस की रामलीला में मुख्य अतिथि पूर्व दर्जा राज्यमंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता महेश शर्मा ने रामलीला का शुभारंभ किया। इस दिवस की लीला में कलाकारों ने अंगद-रावण संवाद को मंच बहुत ही रोचक ढंग से मंचन किया। शर्मा ने बताया कि कोटाबाग में लगभग सभी ग्राम पंचायतों में रामलीला का आयोजन होता है जो बहुत कम जगहों पर देखने को मिलता है। इस दौरान रामलीला कमेटी ने महेश शर्मा को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह, शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस दौरान कमेटी अध्यक्ष मोहन साह, प्रधान नौदा निर्मला ढौंढियाल, हरीश ढौंढियाल, बीडीसी सदस्य नीरज बिष्ट, त्रिभुवन कन्याल, कमल ढौंढियाल, कृपाल खत्री, यशवन्त सिंह बिष्ट मौजूद रहे।

सरदार पटेल की जयंती पर आज निकलेगी भव्य पदयात्रा : भगत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : प्रथम गृहमंत्री सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर होने वाली पदयात्रा की तैयारियों को लेकर कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत ने बुधवार को आवासीय कार्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इसमें आज होने ऊंचापुल स्थित रामलीला मैदान से निकलने वाली विशाल पदयात्रा को सफल बनाने पर जोर दिया गया।

विधायक भगत ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की एकता और अखंडता के लिए जो ऐतिहासिक योगदान दिया, उसे आने वाली पीढ़ियां कभी नहीं भुला सकतीं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि पदयात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करें। बैठक में विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारियों को पदयात्रा के लिए विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गईं। प्रचार-प्रसार, स्वागत व्यवस्था, अनुशासन, भीड़ प्रबंधन और मंच संचालन जैसे दायित्वों का बंटवारा किया गया। पदयात्रा आज सुबह ऊंचापुल रामलीला मैदान से से निकलेगी और मुख्य रूटों पर गुजरेगी।

इस दौरान मंडल अध्यक्ष कंचन उप्रेती, संदीप सनवाल, दीपू नेगी, जिला उपाध्यक्ष प्रताप बोहरा, प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत, कमल नयन जोशी, ब्लॉक प्रमुख मंजू गौड़, आभा गोस्वामी, प्रकाश पटवाल, पार्षद मनोज जोशी, प्रमोद पंत, दीपक सनवाल, दिगम्बर भोजक, अक्षय सुयाल, त्रिलोक निगलटिया, सुरेश गौड़ रहे।

कैंप कार्यालय में पदयात्रा की तैयारियों को लेकर बैठक करते विधायक बंशीधर भगत।

पार्किंग निर्माण का उद्घाटन करते विधायक राम सिंह कैड़ा।

भीमताल में बहुप्रतीक्षित पार्किंग का निर्माण शुरू

भीमताल : भीमताल में लंबे समय से प्रतीक्षित पार्किंग निर्माण कार्य की औपचारिक शुरुआत हो गई। विधायक राम सिंह कैड़ा ने अस्पताल परिसर में निर्मित पार्किंग का विधिवत उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने फिशरी विभाग के समीप जिला विकास प्राधिकरण द्वारा बनाई जाने वाली नई पार्किंग के निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला मंत्री मनोज भट्ट, मंडल अध्यक्ष कमल जोशी, पूर्व मंडल अध्यक्ष कमला आर्या, पूर्व जिला मंत्री दिनेश सांगुड़ी, व्यापार मंडल अध्यक्ष पंकज जोशी, व्यापारी नेता अखिलेश सेमवाल, योगेश तिवारी रहे।

देशहित में याद की जाएंगी आयरन लेडी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नगर कांग्रेस कमेटी, नैनीताल द्वारा भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री, भारत रत्न व लौह महिला स्व. इंदिरा गांधी की 108वीं जयंती बुधवार को पार्टी कार्यालय तल्लीताल में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने स्व. इंदिरा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी, जिसके बाद मिष्ठान वितरण किया गया। नगर कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम कब्द्वाल ने कहा कि इंदिरा गांधी ने श्वेत क्रांति, हरित क्रांति, बैंकों के राष्ट्रीयकरण, पाकिस्तान के दो टुकड़े करने, ऑपरेशन मेघदूत के माध्यम से सियाचिन पर कब्ज़ा जमाने तथा 1974 में सफल परमाणु परीक्षण जैसे निर्णयों से भारत को वैश्विक स्तर पर मजबूत पहचान दिलाई। देशहित में उनके कार्यों को सदैव स्मरण किया जाएगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश कर्नाटक, पूर्व दायित्वधारी रईस भाई, डीसीएस. खेतवाल, नासिर भाई, कनक साह, नगर महामंत्री कैलाश अधिकारी, नगर सचिव बंटू आर्या, यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष अमन महिन्द्रा रहे।

नैनीताल में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित करते कांग्रेसी।

नैनीताल: दिन में चटख धूप, रात में भीषण ठंड

नैनीताल : सरोवर नगरी के सूखी ठंड बरकरार है। रात व दिन के पारे में भारी अंतर बना हुआ है। नगर में दिन के समय चटख धूप निकल रही है और तेज धूप में बैठना असहनीय हो रहा है। हालाकि दिन में बादलों का आना जाना लगा रहा, लेकिन ताप के असर नहीं पड़ा। मगर शाम ढलते ही तीखी ठंड पड़ने लग रही है। लोग हीटर व आग के सहारे ठंड से राहत पा रहे है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन रात के तापमान में गिरावट रहने से ठंड बढ़ेगी। अधिकतम तापमान 20 व न्यूनतम 9 डिग्री सेल्सियस रहा।

भावेश तिवारी ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीता मेडल

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स स्टेडियम गौलापार में बुधवार को वॉलीबॉल खिलाड़ियों में उत्साह देखने को मिला। हल्द्वानी निवासी उभरते वॉलीबॉल खिलाड़ी भावेश तिवारी का स्वागत किया। भावेश तीन दिन पूर्व बंग्लुरु में हुए अंडर-17 एसजीएफआई राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में उत्तराखंड से शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता। भावेश तिवारी वर्तमान में आवासीय छात्रावास वॉलीबॉल हॉस्टल में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। कोच तनुजा आर्य ने उन्हें वॉलीबॉल की बारीकियां सिखाईं। उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन बाद में चमोली के वॉलीबॉल छात्रावास के लिए हुआ। राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर लौटे भावेश के सम्मान में जिला खेल कार्यालय में स्वागत कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में उपनिदेशक खेल रशिका सिद्दीकी, सतीश कुमार, श्याम मन्नू भट्ट, महेश फर्त्याल आदि रहे।

इंदिरा ने दी थी देश को वैश्विक पहचान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर बुधवार को स्वराज आश्रम में महानगर कांग्रेस कमेटी ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम किया। कांग्रेसियों ने उन्हें देश को मजबूत करने वाली नेता बताया।

महानगर कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट ने कहा कि इंदिरा गांधी की नीति, दृढ़ निश्चय और सेवा की भावना आज भी सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। पूर्व पीएम इंदिरा का संपूर्ण जीवन संघर्ष, संकल्प और राष्ट्रहित में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों का प्रतीक रहा है, जो हर भारतीय को साहस, दिशा और राष्ट्रनिष्ठा की प्रेरणा देता है। इंदिरा ने अपने सशक्त नेतृत्व से भारत को आत्मविश्वास, स्थिरता और वैश्विक पहचान प्रदान की। इंदिरा गांधी की जयंती केवल स्मरण भर नहीं, बल्कि उनके सिद्धांतों और मूल्य आधारित राजनीति को आगे बढ़ाने का संकल्प करने का अवसर है। महिला कांग्रेस महानगर अध्यक्ष मधु सांगुड़ी ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को इंदिरा के निडरता, संघर्ष और निर्णय क्षमता से सीख लेनी चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसजनों ने इंदिरा के अदम्य साहस, प्रखर नेतृत्व, निर्णायक कार्यशैली और देश को मजबूत एवं आत्मनिर्भर बनाने में किए गए उनके ऐतिहासिक योगदान को भावपूर्वक याद किया। इस दौरान हेमंत बगडवाल, मलय बिष्ट, सतनाम सिंह चटवाल, राजेन्द्र उपाध्याय, जया कर्नाटक, राधा आर्य, रेनू तोमर, मंजू दानु, संदीप जोशी, गोविंद बगडवाल, राजेन्द्र बिष्ट, विनोद कुमार पिन्नु, राजेन्द्र सुयाल, शाद अली, पार्षद धर्मवीर, मनोज बिष्ट आदि रहे।

स्वराज आश्रम में स्व. इंदिरा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की जयंती पर याद करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी को किया याद

भीमताल : भीमताल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सांस्कृतिक मंच डांठ भीमताल में एकत्र होकर पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। वक्ताओं ने कहा कि इंदिरा गांधी एक आयरन लेडी थीं। उनके प्रयासों से देश एक मजबूत शक्ति के रूप में उभरकर सामने आया। उनके कार्यकाल में हरित क्रांति, बांग्लादेश का निर्माण, बैंकों का राष्ट्रीयकरण प्रमुख कार्य रहे। कार्यक्रम के दौरान नगर कांग्रेस अध्यक्ष डीके डालाकोटी, चेयरमैन सीमा टम्टा, पूर्व चेयरमैन सतीश लाल वर्मा, हेमा दुम्का, विपिन चंद्र सनवाल, आशा आर्य, गीता देवी, जीवंती आर्य, नीरज कुमार, सभासद रामपाल गंगोला, हर्षवर्धन नोलिया, निखिल रावत, खुशीराम, गुंजन रौतेला, इंद्रजीत बिष्ट, देवेंद्र सिंह फर्त्याल, सलीमुल्लाह व निसार उल्लाह आदि मौजूद थे।

इंदिरा गांधी विश्व की सशक्त नेता थीं

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री आयरन लेडी, प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी की जयंती के पर बुधवार को कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भावपूर्ण स्मरण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। अनिल अग्रवाल खुलासा के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने इंदिरा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व विधायक रणजीत सिंह रावत ने कहा कि इंदिरा गांधी की नीति, दृढ़ निश्चय और सेवा की भावना आज भी सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने अपने सशक्त नेतृत्व से भारत को आत्मविश्वास, स्थिरता और वैश्विक पहचान प्रदान की। इंदिरा गांधी जी की जयंती केवल स्मरण भर नहीं, बल्कि उनके सिद्धांतों और मूल्य आधारित राजनीति को आगे बढ़ाने का संकल्प करने का अवसर है। भुवन पाण्डे ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को इंदिरा जी के निडरता, संघर्ष और निर्णय क्षमता से सीख लेनी चाहिए। उनका जीवन इस सत्य को सिद्ध करता है कि राष्ट्रहित सदैव सर्वोपरि होता है। इंदिरा गांधी न केवल भारत की सबसे सशक्त नेताओं में से थीं, बल्कि विश्व राजनीति में देश की प्रतिष्ठा को ऊंचे स्थान पर ले जाने वाली एक दूरदर्शी और प्रभावशाली व्यक्तित्व थीं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महिला कांग्रेस नैनीताल जिला अध्यक्ष खष्टी बिष्ट, नगर अध्यक्ष भुवन शर्मा, महिला कांग्रेस नगर अध्यक्ष ललिता उपाध्याय, ब्लॉक अध्यक्ष महिला कांग्रेस मालधन पुष्पा देवी सतेश्वरी रावत, ममता आर्या, योगिता गोस्वामी, गिरधारी लाल, धाराबल्लभ पाण्डेय, अनीस खान, नवीन सनवाल, अनीश आलम, बाली राम, कैलाश त्रिपाठी रहे।

इंदिरा गांधी की जयंती पर विचार रखते पूर्व विधायक रणजीत रावत। ● अमृत विचार

अमृत विचार

हल्द्वानी , गुरुवार,20 नवंबर 2025

रुद्रपुर

राज्य गठन से पूर्व यहां रहने वाला हर व्यक्ति उत्तराखंडी : उमेश

खानपुर विधायक ने मानवता सम्मेलन में उत्तराखंड सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: खानपुर विधानसभा से निर्दलीय विधायक उमेश कुमार ने किच्छा में ''मानवता सम्मेलन'' के दौरान उत्तराखंड सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कई गंभीर आरोप लगाए।

विधायक ने आरोप लगाया कि भर्ती परीक्षाओं में कुमाऊनी-गढ़वाली भाषा का ज्ञान दिए बिना सवाल पूछकर, ऊधम सिंह नगर और हरिद्वार के युवाओं को सरकारी नौकरियों से वंचित रखने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि पहले इन क्षेत्रों के युवाओं को भाषा का ज्ञान दिया जाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने आरोप लगाया कि देवभूमि उत्तराखंड में देवी-देवताओं के नाम पर शराब फैक्ट्रियां लगाकर चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा के माफियाओं की मदद से हजारों करोड़ की एक्साइज ड्यूटी चोरी की जा रही है।

उमेश कुमार ने ''पहाड़-प्लेन'' की राजनीति की निंदा करते हुए कहा कि राज्य गठन से पूर्व यहां रहने वाला हर व्यक्ति उत्तराखंडी है और यह लड़ाई युवाओं के भविष्य और अधिकारों के लिए है।

किच्छा में विधायक उमेश कुमार का स्वागत करते युवा। ● अमृत विचार

निजी हेलीकॉप्टर से किच्छा पहुंचे खानपुर विधायक

किच्छा : हरिद्वार के खानपुर विधानसभा से विधायक उमेश कुमार के हेलीकॉप्टर से किच्छा पहुंचना कौतूहल का विषय बन गया। नगर के चीनी मिल खेल मैदान में हेलीकॉप्टर उतरने के बाद दर्जनों लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। इस दौरान दर्जनों लोग हेलीकॉप्टर के साथ अपनी फोटो खिंचवाते नजर आए। हेलीकॉप्टर से उतरते ही तमाम गणमान्य लोगों ने गुलदस्ता भेंटकर उनका जोरदार स्वागत किया।

प्रदेश में जल्द नया राजनैतिक दल बनाने का ऐलान

किच्छा : विधायक उमेश कुमार ने जल्द ही नए राजनैतिक दल बनाने की घोषणा कर उत्तराखंड की राजनीति में भूचाल ला दिया है। उन्होंने ईमानदार लोगों से आगे आकर उनके साथ जुड़ने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नए राजनैतिक दल के माध्यम से समाज सुधार एवं समाज हित में कार्य कर आम जनता के हितों की रक्षा की जाएगी। कहा कि उनके द्वारा पांच निर्धन कन्याओं के सामूहिक विवाह कार्यक्रम से अभियान शुरू किया गया था और वर्तमान में ढाई साल में 700 से अधिक निर्धन कन्याओं का विवाह कराया गया है, जिनमें करीब 140 कन्याओं के माता-पिता का बचपन में निधन हो गया था।

सरकार की आलोचना सुनते रहे भाजपाई

किच्छा : नगर स्थित राजीव गांधी कम्युनिटी हॉल में आयोजित कार्यक्रम में विधायक उमेश कुमार ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए मोर्चा खोल दिया। जबकि तमाम वरिष्ठ भाजपाई मौके पर मौजूद रहे। भाजपाइयों की कार्यक्रम में उपस्थिति पूरे क्षेत्र और राजनैतिक गलियारे में चर्चा का विषय बनी हुई है। विधायक उमेश कुमार ने सरकार को घोटाले बाज सरकार, युवा विरोधी बताते हुए उधम सिंह नगर - हरिद्वार की जनता से सौतेला व्यवहार करने एवं उपेक्षा का गंभीर आरोप लगाया।

विधायक बेहड़ के आवास पर पहुंचे उमेश कुमार

किच्छा : मानवता सम्मेलन कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद विधायक उमेश कुमार अचानक नगर के आवास विकास स्थित कांग्रेस विधायक तिलक राज बेहड़ के कार्यालय पर पहुंच गए। इस दौरान विधायक तिलक राज बेहड़ एवं विधायक उमेश कुमार की अकेले में लंबी गुफ्तगू हुई। इस संबंध में पूछे जाने पर दोनों विधायक सवाल को टाल गए और निजी संबंधों का हवाला देते हुए मुलाकात को सामान्य बताया।

वार्ड सदस्य के चुनाव आज होंगे

काशीपुर: वार्ड सदस्य के पदों के लिये बृहस्पतिवार (आज) चुनाव होने हैं। जिसको लेकर पोलिंग पार्टियों को रवाना किया जा चुका है। काशीपुर के मानपुर, धनौरी, पैगा, धीमरखेड़ा, रजपुरा रानी, प्रतापपुर, ढकिया कला, जगतपुर, कुंडेश्वरी में 15 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। मानपुर में छह, धनौरी में दो, प्रतापपुर, जगतपुर में तीन बूथ बनाए गए है। चुनाव कराने के लिए 15 पोलिंग पार्टियों को रवाना किया। बीडीओ कमल किशोर पांडे ने पोलिंग पार्टियों को चुनाव को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। चुनाव के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ियां होने पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। मतदान कराने के बाद ब्लॉक परिसर में बने स्ट्रांग रूम में मतपेटियों को रखा जाएगा और यहीं पर 22 नवंबर को ब्लॉक में ही मतगणना होगी। 19 ग्राम पंचायतों में साढ़े चार हजार से अधिक मतदाता है। मतदान की कराने सभी तैयारियों को पूर्ण कर दिया है। बता दें कि काशीपुर विकास खंड में 77 वार्ड सदस्य के पदों के लिए उपचुनाव हो रहा है। 56 वार्डों में प्रत्याशी निर्विरोध हो गए हैं, जबकि नौ ग्राम पंचायतों के 19 वार्ड में 41 उम्मीदवारों में चुनाव होना है। विकास खंड के शिवलालपुर डल्लू के दो वार्ड में किसी ने भी आवेदन नहीं किया था। ऐसे में ये वार्ड अब भी खाली रह गए हैं।

विजयी प्रत्याशियों का स्वागत

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: सहकारी समितियों के संचालक सीटों पर मतदान प्रक्रिया कड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांति पूर्ण संपन्न हो गई है। देर शाम आए परिणाम के बाद विजयी प्रत्याशियों का समर्थकों ने फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान जमकर आतिशबाजी भी की। मतदान एवं मतगणना स्थलों पर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स को तैनात किया गया।

बुधवार की सुबह आठ बजे शुरू हुई मतदान की प्रक्रिया सायं चार बजे तक जारी रही। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतगणना हुई जिसमें बाजपुर प्रथम किसान सेवा सहकारी समिति के अंतर्गत गुमसानी में गुरमीत कौर ने 200 मत लेकर प्रतिद्वंद्वी शबाना को 125 वोटों से हराया, शबाना को मात्र 75 मत मिले हैं, जबकि एक मत अवैध पाया गया। ग्राम चकरपुर में आयशा सैफी को 186 व फरमीदा को 125 वोट मिले हैं, आयशा सैफी ने 61 मतों से जीत हासिल की है। मझरा प्रभु में मीनाक्षी गुप्ता ने 147 वोट लेकर निकटमत प्रतिद्वंद्वी अनुपमा यादव को 58 मतों से पराजित किया है, अनुपमा को 89 वोट मिले हैं। इस सीट पर एक मत निरस्त मिला है। ग्राम महेशपुरा में राधे सैनी ने 54 वोट प्राप्त कर निकटतम प्रतिद्वंद्वी जितेंद्र कुमार को कांटे के मुकाबले में 12 मतों से हराया है। जितेंद्र को 42 वोट मिले हैं, जबकि एक वोट निरस्त निकला है। ग्राम मुड़िया कलां में नजाकत अली को 70 मत प्राप्त हुए हैं, दूसरे नंबर पर रहे प्रत्याशी अफजाल अहमद को 32 मत मिले हैं, जिसके चलते नजाकत को 38 मतों से विजेता घोषित किया गया, जबकि एक मत निरस्त मिला। मुड़िया कलां सीट पर कुल छह प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे, जिसमें एक प्रत्याशी शून्य पर रहा है, जबकि एक अन्य प्रत्याशी को मात्र दो वोट मिले हैं। मुड़िया पिस्तौर में राहत अली को 212 वोट हासिल हुए हैं, जबकि सुमित कुमार को मात्र 11 वोट प्राप्त हुए हैं। राहत अली ने 201 वोटों के बड़े अंतर से जीत हासिल की है। ग्राम रम्पुरा शाकर में नईम अहमद ने 188 वोट लेकर मो.फारूख को 63 मतों से पराजित किया है, फारूख को 125 वोट मिले हैं, जबकि पांच वोट निरस्त पाए गए हैं। वहीं मतदान एवं मतगणना के दौरान काफी गहमागहमी का माहौल बना रहा। एडीओ सहकारिता संजय मियान ने बताया कि बाजपुर की सभी छह समितियों में शांति पूर्वक चुनाव संपन्न हो गए हैं। अब गुरुवार (20 नवंबर) को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष समेत संचालक मंडल की कार्यकारिणी गठन को चुनावी प्रक्रिया अमल में लाई जाएगी।

बाजपुर में विजेता प्रत्याशियों का स्वागत करते उत्साहित समर्थक। ● अमृत विचार

सहकारी समितियों के चुनाव संपन्न

खटीमा : खटीमा की तीन बहुउद्देशीय दीर्घाकार सहकारी समितियों की 12 सीटों का चुनाव संपन्न हो गया और परिणामों की घोषणा कर दी गई है। बहुउद्देशीय सहकारी समिति कंचनपुरी के लिए हल्दी घेरा संख्या 03 से गुरजीत कौर और मझोला संख्या 08 से चरनजीत सिंह ने जीत दर्ज की है। वहीं उत्तरी दीर्घाकार सहकारी समिति के पांच वार्डों में कुटरी से ललिता, दियां से ज्ञानवती, भूड़ा किशनी से संतोषी देवी, विरिया से हरिकृष्णा राणा और श्रीपुर बिछुआ से नितिन सिंह मुंडेला ने जीत हासिल की। जबकि दक्षिणी दीर्घकार बहुउद्देशीय सहकारी समिति के लिए उम्मुखुर्द से कुलदीप सिंह, नगला तराई से मीणा थापा, नौगवां ठग्गू से संतोष सिंह, बुढ़ाई से ध्रुव सिंह और महोलिया से विजय सिंह ने जीत दर्ज की है।

सड़क और पुलिया निर्माण की मांग

- काशीपुर भाजपा सह प्रभारी चुघ ने सांसद भट्ट से मुलाकात की

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: ग्राम बिंदुखेड़ा और दानपुर में सड़क व पुलिया निर्माण की मांग को लेकर जिला काशीपुर भाजपा सह प्रभारी भारत भूषण चुघ ने सांसद अजय भट्ट से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा। साथ ही कहा कि दोनों गांवों में पुलिया का निर्माण नहीं होने से लोगों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

बुधवार को सांसद को दिए गए ज्ञापन में चुघ ने कहा कि ग्राम बिंदुखेड़ा और दानपुर में दो- दो पुलिया का निर्माण होना अति आवश्यक है। कारण पुलिया के न होने के कारण ग्रामीणों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। बरसात के दिनों में यह मुश्किल और बढ़ जाती हैं। जल निकासी की व्यवस्था नहीं हो पाती। उन्होंने वार्ड नंबर 32 भूरारानी के हंस विहार फेस 2, आनंदम विला और अशोक वाटिका स्थित क्षेत्र की मुख्य सड़क बेहद जर्जर अवस्था में है, जिनका वर्षों से निर्माण कार्य नहीं किया गया। इन जर्जर सड़कों के कारण लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि जर्जर हो चुकी इन सड़कों का पुनर्निर्माण किया जाए। सांसद भट्ट ने आश्वस्त किया कि पुलिया और सड़क निर्माण को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए जाएंगे। ताकि जल्द निर्माण प्रक्रिया शुरू हो सके। ज्ञापन देने वालों में चंद्रप्रकाश गांधी, महेश गांधी, आसुराम, अशोक कुमार, केडी जोशी, हरेंद्र कुमार, देवेंद्र सिंह, खेमकरण, राजेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

सांसद अजय भट्ट को ज्ञापन सौंपने के दौरान काशीपुर सह प्रभारी चुघ।

अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद पर आज चुनाव

गूलरभोज बहुउद्देशीय दीर्घाकार बहु सह समिति के नवनिर्वाचित संचालक।

संवाददाता, गूलरभोज

अमृत विचार: बहुउद्देशीय गूलरभोज दीर्घाकार बहु सह समिति के 11 संचालकों का चुनाव संपन्न हो गया। गुरुवार को अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के चुनाव के साथ अन्य समिति को भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों का चयन किया जाएगा।

बुधवार को निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि कूल्हा से बुद्ध सिंह, कोपा से गुंजन देवराड़ी, चंदननगर से कृष्णा देवी, चंदायन से श्रद्धा गंभीर, धनपुर- विजयपुर से शिवानी अरोरा, धीमरीब्लॉक से जग्गू सिंह, नारायणपुर- दोहरिया से हरजीत सिंह, बरीराई से योगेंद्र सिंह, मदनापुर से बलवंत सिंह कोरंगा, रफीनगर से गुलशन कुमार, ललपुरी से मोहित चौहान उर्फ कमांडो संचालक पद के लिए निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने बताया नवनिर्वाचित संचालक मंडल द्वारा गुरुवार को अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद पर चुनाव होगा। इस मौके पर संचालक मंडल का शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न होने पर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष चंदन सिंह नयाल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता श्याम सिंह देऊपा, पूर्व राज्य दर्जा मंत्री प्रेम सिंह, चंद्रमणि देवराड़ी, पूर्व अध्यक्ष शंकर सिंह नगरकोटी, कुंवर सिंह सकतपुरिया, ललित खोलिया, हरि सिंह, चंचल सिंह देऊपा, मनोज कुमार, पूर्व सुबेदार लाल सिंह नयाल, कन्हई सिंह आदि ने हर्ष व्यक्त कर नवनिर्वाचित संचालक मंडल को बधाई दी।

दिनेशपुर में नवनिर्वाचित संचालक चौधरी ओमपाल सिंह। ● अमृत विचार

दिनेशपुर समिति के वार्ड-11 से ओमपाल सिंह हुए निर्वाचित

दिनेशपुर : बहुउद्देशीय प्रारंभिक कृषि ऋण सहकारी समिति में दस संचालक निर्विरोध निर्वाचित हुए थे। बुधवार को वार्ड-11 हरिदासपुर के संचालक पद हुए चुनाव में चौधरी ओमपाल सिंह को 162, देवाशीष को 130,व मनजोत सिंह को 60 मत मिले। जबकि 06 मत निरस्त पाए गए। नवनिर्वाचित संचालक मंडल द्वारा 20 नवंबर को समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व अन्य समितियां के लिए भेजे जाने वाले प्रतिनिधि चुने जाएंगे। एक संचालक शासन द्वारा नामित किया जाएगा। इस मौके पर निर्वाचन अधिकारी सुभाष रयाल व समिति के सचिन एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

जनता दर्शन में विधायक अरोरा ने सुनीं समस्याएं

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: विधायक शिव अरोरा ने अपने कार्यालय पर जनता दर्शन कार्यक्रम में रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग जगह से आये लोगों की समस्या को सुना। साथ ही मौके पर संबधित अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर समस्या का निराकरण करवाया।

बुधवार को विधायक कार्यालय पर नाली, खड़ंजे, विद्युत पोल, वृद्धावस्था पेंशन, राशन कार्ड आदि की समस्या को लेकर लोग पहुंचे। वहीं विधायक अरोरा ने लोगों की समस्या को प्राथमिकता पर लेते हुए उनका समाधान किया। साथ ही कहा कि समय-समय पर उनके कार्यालय पर जनता दर्शन कार्यक्रम आयोजित होता है। जिसमे बड़ी संख्या में लोग समस्या लेकर आते हैं। जन सेवा ही हमारा मूल मंत्र है जिसको प्राथमिकता पर लेते हुए सभी की समस्या के समाधान का प्रयास किया जाता है।

वही विधायक अरोरा ने मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से विधानसभा रुद्रपुर क्षेत्र के 60 लोगों को आर्थिक सहायता के चैक वितरित किए। साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री राहत कोष से कन्या विवाह व बीमारी इलाज के लिए निर्धन लोगों को आर्थिक सहायता चैक सौंपे हैं।

लोगों को आर्थिक सहायकता के चेक सौंपने के बाद विधायक शिव अरोरा।

चेक पाने वालों में खेड़ा, कृष्णा कॉलोनी, शिव नगर, भूरारानी, इंद्रा बंगाली कॉलोनी, प्रीत बिहार, रम्पुरा, सम्पतपुर, बिंदु खेड़ा, दूधियानगर, जाफरपुर, बागवाला, जगतपुरा, आदर्श कॉलोनी, सुभाष कॉलोनी क्षेत्र के लोग लाभान्वित हुए।

इस अवसर पर भाजपा नेता राजकुमार साह, राधेश शर्मा, पार्षद निमित्त शर्मा, पवन राणा, राजेंद्र राठौर, एमपी मौर्य, कैलाश राठौर, बीनू कुमार, सतनाम सिंह, महेंद्र आर्य, शालनी बोरा, रश्मि रस्तोगी, कमल पाल, मनोज मदान, राज कोली, मानवेंद्र राय, माया श्रीवास्तव, चंद्रसेन चंदा, संतोष पाल, दर्शन कोली, सुनील यादव, मयंक कक्कड़, प्रदीप राठौर, डीके गंगवार आदि मौजूद रहे।

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: महापौर विकास शर्मा ने वार्ड नंबर 13 और 17 में लाखों रुपये के निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया। वार्ड नंबर 13 में 8.85 लाख रुपये की लागत से तैयार होने वाली सीसी सड़क के निर्माण कार्य की शुरुआत नारियल फोड़कर की गई। वहीं वार्ड नंबर 17 में 13.76 लाख रुपये लागत की सीसी सड़क व नाली निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया।

बुधवार को निर्माण कार्यों के शुभारंभ के दौरान महापौर ने कहा कि शहर के विकास कार्यों में आर्थिक संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। जनता से किए गए सभी वायदे प्राथमिकता के साथ पूरे किए जा रहे हैं। नगर के प्रत्येक वार्ड में आवश्यक विकास कार्यों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि खेड़ा क्षेत्र में सड़क और नाली निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही थी, जिसे अब पूरा किया जा रहा है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि शहर के किसी भी वार्ड को विकास की दृष्टि से उपेक्षित नहीं रहने दिया जाएगा। साथ ही कहा कि पिछली बोर्ड बैठक में पारित सभी प्रस्तावों पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। बोर्ड की तीसरी बैठक में पारित प्रस्तावों पर भी जल्द क्रियान्वयन शुरू होगा। उन्होंने कहा कि शहर का समग्र विकास उनका लक्ष्य है और नगर निगम पूरी ईमानदारी व निष्ठा से काम कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता का सहयोग और भरोसा ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। इसी आशीर्वाद के साथ शहर को स्मार्ट और विकसित बनाने का प्रयास लगातार जारी रहेगा। इस अवसर पर वार्ड नंबर 13 के पार्षद अशफाक अंसारी, वार्ड 17 की पार्षद शालू पाल, वार्ड 20 के पार्षद परवेज कुरैशी, वार्ड 15 के पार्षद नूरुद्दीन अहमद, वार्ड 26 के पार्षद प्रतिनिधि रिजवान खान मौजूद रहे।

निर्माण कार्य का शुभारंभ करते महापौर विकास शर्मा। ● अमृत विचार

सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास

रुद्रपुर : महापौर विकास शर्मा ने पार्षद मधु शर्मा के साथ गांधी कॉलोनी वार्ड नंबर 27 में स्थित दक्षिणेश्वर श्री हनुमान मंदिर परिसर में 16 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। पूजा-अर्चना और नारियल फोड़कर महापौर ने निर्माण कार्य की शुरुआत कराई। शिलान्यास के दौरान मंदिर समिति के अध्यक्ष सुनील यादव, भजन गायक डंपी चोपड़ा, प्रीतम यादव, प्रदीप यादव, मदन यादव, पवन यादव, विष्णु आदि उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि

महानगर अध्यक्ष अलका पाल ने कहा- पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कई महत्वपूर्ण काम किए

महानगर कांग्रेस कमेटी ने मनाई इंदिरा गांधी की जयंती

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: महानगर कांग्रेस कमेटी के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

बुधवार को काशीपुर महानगर कांग्रेस कमेटी की महानगर अध्यक्ष अलका पाल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुरानी सब्जी मंडी स्थित, छोटे नीम पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष अलका पाल ने बताया कि इंदिरा गांधी ने कई महत्वपूर्ण काम किए, जिनमें बैंकों का राष्ट्रीयकरण, 1971 का भारत-पाकिस्तान युद्ध में विजय और बांग्लादेश का निर्माण, पहला परमाणु परीक्षण आदि शामिल हैं। उन्होंने "गरीबी हटाओ" जैसे नारे देकर और गरीबी उन्मूलन के लिए पंचवर्षीय योजनाएं लागू की, जिससे देश के कृषि सुधारों में भी प्रगति हुई। कार्यक्रम में पूर्व महानगर अध्यक्ष मुशर्रफ हुसैन, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मनोज जोशी, उमेश जोशी, इंदर सिंह, सौरभ शर्मा, ब्रह्मपाल, सुभाष पाल, हरीश कुमार सिंह, टीका सिंह सैनी, इकबाल अदीब, गोपाल सैनी, रामकिशोर सैनी, अनिल शर्मा, पार्षद अब्दुल कादिर मौजूद रहे।

काशीपुर में पूर्व प्रधानमंत्री स्व . इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि देते कांग्रेस कार्यकर्ता।

किच्छा में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की जयंती मनाते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

किच्छा में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को किया याद

किच्छा : पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर कांग्रेसियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। कांग्रेस विधायक तिलक राज बेहड़ के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आवास विकास स्थित कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की जयंती मनाई और उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनके योगदान को याद किया। मौके पर कांग्रेस नगर अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी बबलू, निवर्तमान पालिका अध्यक्ष दर्शन कोहली, राजेश प्रताप सिंह, सुनीता कश्यप, छोटेलाल कोहली, ओमप्रकाश दुआ, नगर महामंत्री नितिन शर्मा, फिरासत खान, सईदुल रहमान मलिक, दिलीप बिष्ट, लियाकत अंसारी, हरभजन सिंह, जुनैद मलिक, शानू मलिक आदि मौजूद रहे।

खटीमा में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते विधायक कापड़ी व अन्य।

कांग्रेसियों ने वीरांगना लक्ष्मीबाई और इंदिरा गांधी को याद किया

खटीमा : कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारत की वीरांगना झांसी की रानी लक्ष्मीबाई और देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर उनके चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके साहसिक कार्यों को सराहा। विधायक भुवन कापड़ी ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई भारत की वीरांगना, साहस और अदम्य देशभक्ति की अनुपम प्रतीक थीं। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में उनके अद्वितीय संघर्ष और बलिदान ने पूरे राष्ट्र में स्वतंत्रता की लौ जगाई। विधायक कापड़ी ने कहा कि इंदिरा गांधी का जीवन दृढ़ नेतृत्व, निर्णय क्षमता और देशहित के प्रति निष्ठा का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा रेखा सोनकर, विद्या, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद चंद, मान सिंह, राजकिशोर सक्सेना, नरेश जोशी, बबलू गुप्ता, प्रकाश बिष्ट, गोपाल चंद, प्रदीप कुमार, हिमांशु तिवारी, उमेद बिष्ट, पंकज मेहता, उमेश चंद, राजकुमार चौहान, करन राजपूत, बलवीर आदि मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

मार्ग दुर्घटनाओं में तीन लोग घायल

बाजपुर : बाजपुर क्षेत्र में अलग-अलग जगह हुई तीन मार्ग दुर्घटनाओं में तीन लोग घायल हो गए। बाजपुर निवासी 57 वर्षीय रमेश शर्मा बुधवार की सुबह जो कि बाइक से कहीं जा रहे थे। बताया जाता है कि नैनीताल स्टेट हाईवे पर एक स्कूल के पास बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। जिसमें वह घायल हो गए। दूसरी घटना मंगलवार की देर सायं साढ़े सात बजे मुख्य मार्ग पर नगर पालिका कार्यालय के सामने एक परचून की दुकान पर हुई। यह इटावा निवासी दीपक बाइक से बाजपुर की ओर आ रहा था कि इसी बीच दूसरा बाइक सवार भी पीछे से ही आ रहा था। कि दोनों बाईकों की भिड़ंत हो गई। जिसमें दीपक घायल हो गया। घटना को देख काफी संख्या में आसपास के लोगों की मौके पर भीड़ लग गई। वही तीसरी अन्य मार्ग दुर्घटना में नमूना भट्टपुरी निवासी 31 वर्षीय सूरज सिंह घायल हो गया। जहां से चिकित्सकों ने सूरज सिंह को प्राथमिक उपचार देने के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

विवाहिता प्रेमी के संग फरार

खटीमा : सीमावर्ती गांव की विवाहिता के प्रेमी संग फरार होने का मामला प्रकाश में आया है। महिला अपने साथ घर से नगदी जेवरात भी साथ ले गई है। पीड़ित पति ने सत्रहमील पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। सीमावर्ती गांव निवासी एक व्यक्ति ने सत्रहमील चौकी प्रभारी ललित सिंह बिष्ट को तहरीर देकर बताया वह एक फार्म पर मेहनत मजदूरी का कार्य करता है। जब वह काम से घर वापस लौटा तो उसकी पत्नी घर नहीं थी। आस पास के लोगों से पता करने पर और काफी खोजबीन करने के बाद भी कोई सुराग नहीं लगा। घर में देखा तो बक्सा खुला पड़ा हुआ था और बक्से के अंदर रखे 40 हजार रुपए और सोने के आभूषण भी नदारद थे। पीड़ित ने आशंका व्यक्त की है कि पड़ोस के गांव के एक व्यक्ति का उसके घर आना जाना था वहीं उसकी पत्नी को भगा ले गया है। मामले का संज्ञान लेते हुए ललित सिंह बिष्ट ने विवाहिता महिला की तलाश शुरू कर दी और एक व्यक्ति से पूछताछ कर रही है।

खाद्य विभाग के केंद्रों पर नहीं तुला धान

सितारगंज : धान खरीद केंद्र पर एसएमओ की पिटाई से खाद्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में गहरा आक्रोश है। इसके विरोध में बुधवार को खाद्य विभाग के किसी भी केंद्र पर धान की तौल नहीं की गई। एसएमओ धीरज कांडपाल ने बताया कि मंगलवार को ड्यूटी पर रहने के दौरान दो किसानों ने एसएमओ विनय चौधरी से मारपीट की। अधिकारी अपने कार्यालय में भी महफूज नहीं है।

सिडकुल कर्मी की कैंटर की टक्कर से हुई मौत

संवाददाता, रुद्रपुर

- कार सवार दो बच्चों सहित चार घायल,साइकिल से घर लौट रहा था हरीश

अमृत विचार: मंगलवार की देर रात्रि नैनीताल हाईवे पर उस वक्त भगदड़ मच गई। जब तेज रफ्तार कैंटर ने पहले कार को टक्कर मारी और उसके बाद साइकिल सवार को रौंद डाला। जिसमें सिडकुल कर्मी की मौत हो गई, जबकि कार सवार बच्चों सहित चार घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटना की जानकारी ली और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही कैंटर चालक की तलाश तेज कर दी है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार की देर रात्रि साढे 9 बजे गांव सैडोली बाबूराव निवासी रामपुर 42 वर्षीय हरीश कुमार रोजमर्रा की भांति साइकिल से सिडकुल से ड्यूटी कर लौट रहा था। इस बीच अचानक नैनीताल हाईवे स्थित पीएसी गेट के सामने तेज रफ्तार आइसर कैंटर ने कार को टक्कर मार दी। कार सवार वसुंधरा शिवलोक निवासी रोहिणी, ओजस्वी रियांश सहित चार घायल हो गए और दूसरी बाद कैंटर ने साइकिल सवार हरीश कुमार को टक्कर मार दी और घटनास्थल से फरार हो गया। लहुलूहान हालत में सिडकुल कर्मी हरीश को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही आवास विकास चौकी प्रभारी प्रकाश चंद्र घटनास्थल पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने चालक की सरगर्मी से तलाश तेज कर दी है।

चौकी दरोगा पर भी निकाली जमकर भड़ास, कक्षा चार की बच्ची को पीटने का है मामला, पीड़ित ने सुनाई व्यथा

विधायक अरोरा बोले- स्कूल प्रबंधन को छोड़ूंगा नहीं

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: कक्षा चार में पढ़ने वाली स्कूली छात्रा को बेरहमी से पीटने के प्रकरण में स्थानीय विधायक शिव अरोरा भड़क उठे। पीड़ित परिवार विधायक के समक्ष पहुंचा तो विधायक रंपुरा चौकी गए और पहले चौकी दरोगा पर अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने सीईओ को फोन कर कहा कि स्कूल की गतिविधियों की जांच कर जल्द कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही विधायक बोले स्कूल प्रबंधन को छोड़ूंगा नहीं।

बताते चलें कि वार्ड-24 रंपुरा निवासी राहुल ने तहरीर देते हुए बताया था कि उसकी दस साल की बेटी वार्ड स्थित एक प्राइवेट स्कूल में कक्षा चार में पढ़ती है। तीन दिन पहले महज होमवर्क नहीं किए जाने पर स्कूल शिक्षिका ने बच्ची को बेरहमी से पीटा। इससे उसे एक कान से सुनाई नहीं दे रहा है और बच्ची डरी सहमी भी है। साथ ही प्रिंसिपल द्वारा अभद्रता भी की। बुधवार को जब पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की तो विधायक अरोरा पीड़ित परिवार के साथ पहले चौकी पहुंचे और दरोगा पर अपनी भड़ास निकाली।

रंपुरा चौकी दरोगा से नाराजगी जताते विधायक शिव अरोरा। ● अमृत विचार

उन्होंने बताया कि उनके द्वारा भी तत्काल कार्रवाई की बात कही थी, लेकिन पुलिस की लापरवाही भी सामने आई। विधायक ने पुलिस पर गुस्सा निकालने के बाद मुख्य शिक्षा अधिकारी हरेंद्र मिश्रा को फोन लगा डाला और कहा कि जल्द ही शिक्षा विभाग आरोपी स्कूल प्रबंधन की कार्यशैली के अलावा विद्यालय संचालन के दस्तावेज देखे और अनियमितता पाए जाने पर निरस्तीकरण की कार्रवाई करे। कारण अब वह स्कूल प्रबंधन को छोड़ूंगा नहीं। मामला एक बच्ची के साथ अमानवीय व्यवहार व प्रताड़ना का है। उन्होंने चौकी पुलिस को भी हिदायत दी कि यदि तहरीर पर स्कूल प्रबंधन पर कोई कार्रवाई नहीं की तो वह खुद पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोल देंगे।

स्कूल प्रबंधन पर धमकाने का भी आरोप

रुद्रपुर : पीड़ित परिवार का यह भी आरोप था कि जब प्रकरण को लेकर लगातार स्कूल प्रबंधन द्वारा धमकाया जा रहा है। बताया कि स्कूल प्रिंसिपल व प्रबंधक खुद को विधिक पढ़ाई और रसूखदारों से संबंध होने का रौब दिखा रहे हैं और धमका रहे हैं कि तेरे सिवाए समझौता करने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। कारण उसका कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता है।

तीन दिन से परिवार काट रहा चक्कर

रुद्रपुर : शिकायतकर्ता राहुल का यह भी कहना था कि वह अपनी मासूम बेटी को साथ लेकर रंपुरा पुलिस चौकी के चक्कर काट रहा है और पुलिस बार-बार जांच का हवाला देते हुए टहल रही है। सारी सूचनाएं स्कूल प्रबंधन को दे रही है। यहां तक कि बेटी दर्द से कराह रही है। कारण एक कान में काफी दर्द है। बावजूद पुलिस ने तीन दिन बाद भी कोई मेडिकल नहीं कराया। बुधवार को विधायक की सख्ती के बाद पुलिस ने मेडिकल कराने का निर्णय लिया।

कार्यदायी संस्था त्वरित गति से करे मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य

श्रमिकों की संख्या बढ़ाते हुए दिन-रात शिफ्ट में किया जाए कार्य, डीएम ने की समीक्षा

- डीएम बोले-सीएम धामी की प्राथमिकता में है मेडिकल कॉलेज

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने कहा कि रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज संचालित करना मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की प्राथमिकता में है। इसलिए कार्यदायी संस्था मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य त्वरित गति से करे। साथ ही श्रमिकों की संख्या बढ़ाते हुए दिनरात शिफ्ट में कार्य किया जाए।

बुधवार को जिलाधिकारी ने कैंप कार्यालय में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज की समीक्षा बैठक करते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेज का एकेडमिक ब्लॉक, हॉस्टल, लाइब्रेरी का निर्माण प्रथम फेज में पूर्ण किया जाए। मेडिकल कॉलेज संचालित करने के लिए एमसीआई के भ्रमण से पूर्व प्रथम फेज के कार्य पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि कॉलेज संचालन के लिए क्या-क्या मेडिकल उपकरण चाहिए, लाइब्रेरी में क्या किताबें चाहिए उनकी चेकलिस्ट बनाकर खरीद कार्रवाई भी करने के निर्देश प्राचार्य को दिए। साथ ही इलेक्ट्रिकल कार्य भी कराने के निर्देश दिए।

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम। ● अमृत विचार

उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को मेडिकल कॉलेज व सर्किट हाउस कार्य परियोजनाओं की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि बिना मुख्य विकास अधिकारी की अनुमति के किसी भी प्रकार का भुगतान आगे नहीं किया जाएगा, ताकि निर्माण की गुणवत्ता और प्रगति पर कड़ी निगरानी रखी जा सके व त्वरित कार्य किए जा सके। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि मेडिकल कॉलेज जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं का निर्माण समय पर पूरा हो और चिकित्सा शिक्षा प्रारंभ हो व जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. केके अग्रवाल, प्राचार्य मेडिकल कॉलेज डॉ.जीएस तितियाल, परियोजना प्रबंधक पेयजल निर्माण निगम नरेंद्र नवानी, सहायक अभियंता पेयजल निर्माण निगम प्रमोद रस्तोगी आदि मौजूद रहे।

डंपर चालक से की मारपीट, जंगल में छोड़ा

काशीपुर: कुंडा थाना क्षेत्र में टोल प्लाजा के पास दिन-दहाड़े एक डंपर चालक को उसकी गाड़ी से खींचकर कार में अपहरण कर लिया गया और जंगल में ले जाकर उसके साथ मारपीट की गई। पीड़ित चालक को हाईवे पर छोड़कर आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। सैदपुरा, हीमपुर दीपा, बिजनौर निवासी आदिल ने कुंडा पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 18 नवंबर की सुबह करीब 10 बजे वह डंपर चलाकर बिजनौर से काशीपुर आ रहा था। तभी देवभूमि रेस्टोरेंट के पास चार अज्ञात लोगों ने उसके डंपर को रोकने की कोशिश की, लेकिन जब आदिल ने वाहन नहीं रोका, तो चारों ने कार से उसका पीछा करना शुरू कर दिया। बताया कि टोल प्लाजा के पास आरोपियों ने अपनी कार आदिल के डंपर के आगे लगाकर उसे जबरन रोक लिया। कार में सवार चारों व्यक्तियों ने आदिल को डंपर से खींचकर निकाला, गाली-गलौज की और अपनी कार में डालकर जंगल की ओर ले गए। आरोप है कि कार में उसके साथ मारपीट की गई। मारपीट के बाद आरोपी उसे हाईवे पर उतारकर छोड़ गए।

खेड़ा बस्ती में फंदे पर लटकी मिली विवाहिता

संवाददाता, रुद्रपुर

- परिजनों ने दामाद पर लगाया हत्या का आरोप
- पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा, जांच शुरू

अमृत विचार: कोतवाली इलाके की खेड़ा बस्ती में एक विवाहिता का शव फंदे में लटका हुआ मिला। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटना की जानकारी ली और शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया है, जबकि विवाहिता के परिजनों ने दामाद पर ही हत्या करने का आरोप मढ़ दिया। पुलिस ने घटना की तफ्तीश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार की शाम को रंपुरा पुलिस चौकी को खबर मिली कि वार्ड-19 निवासी राजपाल की 35 वर्षीय पत्नी का शव फंदे पर लटका हुआ है। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी प्रदीप कुमार घटनास्थल पहुंचे तो देखा कि विवाहिता ने साड़ी का फंदा बनाकर मौत को गले लगाया हुआ है। प्रारंभिक जांच में यह पता चला कि गांव नटूरा बनड़ा शाहजहांपुर की रहने वाली पूनम की शादी राजपाल से हुई थी जो कि चिकन शॉप की दुकान संचालित करता है।

पूछताछ में यह भी पता चला कि मंगलवार की शाम देवर गोविंदा दुकान पर था और दोनों बेटे ट्यूशन गए हुए थे, जबकि पति राजपाल नशे में पड़ा हुआ था। बेटी की मौत की खबर मिलते ही जब पूनम के मायके वाले घटनास्थल पहुंचे तो उन्होंने अपने ही दामाद पर बेटी की हत्या कर आत्महत्या की साजिश रचने का आरोप मढ़ दिया। आरोप था कि दामाद शादी के बाद से ही बेटी को प्रताड़ित करता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं पुलिस ने सुसाइड या फिर मर्डर की दिशा में अपनी तफ्तीश शुरू कर दी है। उधर, कोतवाल मनोज रतूड़ी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और रिपोर्ट आने की प्रतीक्षा है। जिसके बाद ही मौत की वास्तविक वजह का पता चलेगा। पुलिस ने अपनी जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

हत्याकांड के तीनों आरोपी दोषमुक्त

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: प्रथम अपर जिला सत्र न्यायाधीश मनोज गर्ब्याल ने दहेज हत्यारोपियों को दहेज हत्या में संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया।

अभियोजन का कथानक था कि मौ. हसन निवासी ढकिया जट जिला मुरादाबाद द्वारा एक प्रथम सूचना रिपोर्ट 31 जनवरी 2019 को आईटीआई थाने में दर्ज कराई गई थी। जिसमें कहा गया कि उसकी बहन तबस्सुम की शादी मुसाहिद से हुई थी और शादी के बाद से ही अभियुक्त मुसाहिद, सास हाजरा व नंद बेगम दहेज के लिये ताने देते हुए मारपीट कर शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते थे और 6 लाख रुपये की मांग करते थे। 29 जनवरी 2019 की दोपहर 2 बजे इन तीनों ने एक राय होकर दहेज के लिये उसकी बहन की हत्या कर दी। जब वह ग्राम गुलड़िया पहुंचा तो यह लोग अपनी गलती स्वीकार कर माफी मांगने लगे। मुकदमा पंजीकृत होने के बाद उक्त मुकदमे की जांच पुलिस उपाधीक्षक मनोज कुमार ठाकुर द्वारा की गयी। जिन्होंने गवाह इरशत जहां के 164 सीआरपीसी के ब्यान कराए व पोस्टमार्टम पंचायतनामा आदि कराकर-सबूत इकट्ठा किया और पर्याप्त साक्ष्य पाने के बाद अभियुक्तों को गिरफ्तार किया और उनके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया।

उक्त वाद का विचारण प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश मनोज गर्ब्याल के न्यायालय में हुआ। अभियोजन पक्ष की ओर से 17 गवाहों को पेश किया गया और कई ठोस सबूत न्यायालय के समक्ष पेश किए गए। वाद की सुनवाई के दौरान अपर शासकीय अभियोजन अधिकारी ने अपने तर्क में कहा कि अभियुक्तों पर अपराध पूर्णतः सिद्ध होता है। इन तीनों को दोष सिद्ध किया जाये। बचाव पक्ष के विद्वान अधिवक्ता शैलेन्द्र कुमार मिश्रा, गोपाल कृष्ण, आसिफ अली व देवांग मिश्रा ने अपने तर्कों में कहा कि अभियुक्त निर्दोष हैं और अभियोजन पक्ष कोई भी ऐसा साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाया जिससे कि दोष सिद्ध हो। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश ने दोनों पक्षों को सुना तथा पत्रावली का गहन अवलोकन करने के बाद बचाव पक्ष के अधिवक्ता के तथ्यों को ध्यान में रखते हुए अभियुक्तों को दोषमुक्त कर दिया।

नकाबपोश युवकों ने स्कूल जा रहे छात्र पर किया हमला

बाजपुर : स्कूल जा रहे छात्र को रास्ते में घेरकर बाइक सवार चार-पांच अज्ञात नकाबपोश युवकों ने गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। घायल को पुलिस के माध्यम से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं छात्र के पिता ने बेटे के साथ मारपीट कर अपहरण के प्रयास का आरोप लगाते हुए कोतवाली में अज्ञात के विरुद्ध तहरीर दी है। ग्राम चकरपुर निवासी नेत्रपाल सिंह ने पुलिस को बताया कि बुधवार प्रातः करीब साढ़े 8 बजे पुत्र देव अनेजा घर से डीएवी पब्लिक स्कूल बाजपुर पढ़ने जा रहा था। आरोप है कि जैसे ही वह रामराज रोड पर एक एजेंसी के पास पहुंचा तो मुंह पर कपड़ा ढके दो बाइकों पर सवार चार से पांच युवकों ने अचानक उसे रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए हाथापाई करने लगे। विरोध करने पर उसे लात-घूंसों से पीटना शुरू कर दिया और बलपूर्वक उसे बाइक पर ले जाने का प्रयास किया। छात्र के शोर मचाने पर हमलावर उसे छोड़कर मौके से फरार हो गए।

आग का गोला बनी थार, चार युवकों की बची जान

- लखीमपुर से हल्दूचौड़ जा रहे थे छात्र, नैनीताल हाईवे हुआ जाम बुझाई आग

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: नैनीताल-रामपुर हाईवे पर उस वक्त अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया, जब अचानक चलती थार आग का गोला बन गई और गाड़ी सवार चार युवकों ने कूदकर अपनी जान बचाई। बताया जा रहा है कि युवक लखीमपुर खीरी से हल्दूचौड़ स्थित कॉलेज जा रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकम कर्मी घटनास्थल पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे के दौरान हाईवे जाम हो गया और वाहनों की लंबी कतार लग गई।

थार में लगी आग को बुझाते दमकल कर्मी। ● अमृत विचार

जानकारी के अनुसार लखीमपुर खीरी निवासी जशन सिंह अपनी थार से अपने चार अध्ययनरत दोस्तों के साथ सुबह के वक्त घर से हल्दूचौड़ स्थित ग्राफिक ऐरा इंस्टीट्यूट के लिए रवाना हुए। बुधवार की दोपहर गाड़ी जैसे ही नैनीताल-रामपुर हाईवे स्थित मेडिकल कॉलेज के सामने पहुंची ही थी कि तेज धमाके के साथ बोनट से आग की लपटें उठने लगीं। जब तक छात्र कुछ समझ पाते कि थार गाड़ी आग का गोला बन गई।

छात्रों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए सबसे पहले हल्की गति में गाड़ी को हाईवे किनारे खड़ा किया और दरवाजा खोलकर कूद पड़े। देखते ही देखते गाड़ी में भीषण आग लग गयी। सूचना मिलते ही सीओ सदर प्रशांत कुमार और अग्निशमन की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और आग बुझाने का कार्य शुरू किया।

वहीं पुलिस ने हाईवे की यातायात व्यवस्था को रोक दिया। जिस कारण काफी देर तक जाम लगा रहा और आधे घंटे में आग पर काबू पाया गया। गनीमत यह रही कि कोई अप्रिय घटना घटित नहीं हुई। अग्निशमन विभाग ने अग्निकांड की जांच शुरू कर दी है।

लामबंद

लंबित मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का धरना-प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भाजपा नेता ने दिया आश्वासन

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: लंबित मांगों को लेकर आंदोलनरत उत्तराखंड राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ से जुड़ी कार्यकर्ताओं का धरना-प्रदर्शन बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तहसील परिसर में एकत्र हुईं और मांगों के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की।

धरना स्थल पर पहुंचे भाजपा नेता राजेश कुमार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से वार्ता की। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मांगों को लेकर वह जल्द ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर समाधान कराने का प्रयास करेंगे। इससे पहले धरना-प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि वर्षों से सरकार को मांगों के संबंध में अवगत कराने के बावजूद उनकी लगातार अनदेखी हो रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भारत सरकार से 4500 रुपये तथा राज्य सरकार से 4800 रुपये मानदेय प्राप्त होता है, जबकि सहायिकाओं को केंद्र से 2250 रुपये और राज्य से 3000 रुपये मिलते हैं। कई राज्यों में इससे अधिक मानदेय दिया जा रहा है। कार्यकर्ताओं का कहना था कि उन्हें महंगाई भत्ता, वेतन वृद्धि, ग्रेच्युटी, पेंशन, ईपीएफ और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा उनसे कई विभागों का कार्य लिया जा रहा है, जिससे मानसिक तनाव बढ़ता जा रहा है। उन्होंने चेताया कि यदि सरकार मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेकर शासनादेश जारी नहीं करती है तो आंदोलन को और अधिक उग्र किया जाएगा। इस दौरान मंजू गोस्वामी, रेखा पांडेय, ललिता भट्ट, सुनीता, मालती, कांति कुमारी, खष्टी देवी, प्रेमा तिवारी, शौकीन जहां, कमला पांडेय, नवनीत कौर, रेखा, अनीता, लज्जा, गीता रानी, कविता भारती, सुनेंद्रा मैसी, मनजीत कौर, कमलेश, राजकुमारी मौजूद रहीं।

बाजपुर तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से वार्ता करते भाजपा नेता राजेश कुमार।

स्कूल जा रही छात्रा पर चाकू से हमला

शांतिपुरी: शांतिपुरी क्षेत्र में मंगलवार सुबह स्कूल जा रही 16 वर्षीय नाबालिग छात्रा पर चाकू से हमला कर दिया गया।

छात्रा अपने भाई के साथ साइकिल से निकली थी। शांतिपुरी नंबर-दो पुलिया के पास पीछे से आए एक युवक ने छात्रा के गले पर चाकू से दो वार किए। राहगीरों और स्कूल बस के रुकने पर एक शिक्षक व स्थानीय लोगों ने तुरंत छात्रा को बचाया। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। बताया गया कि आरोपी ने दो दिन पहले भी छात्रा की साइकिल रोककर अभद्रता की थी। स्थानीय लोगों ने मौके पर ही युवक को पकड़ लिया। थाना प्रभारी नंदन सिंह रावत ने कहा परिजनों की तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

काशीपुर में एसडीएम को ज्ञापन सौंपते कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वालों को गिरफ्तार करने की मांग

काशीपुर : कौमी एकता मंच द्वारा हल्द्वानी में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करने और पीड़ितों को मुआवजे की मांग को लेकर एसडीएम के माध्यम से एक ज्ञापन मुख्यमंत्री को भेजा गया। बुधवार को एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में कौमी एकता मंच द्वारा कहा गया कि समाज में लगातार सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने वाली घटनाएं हो रही हैं और पुलिस प्रशासन इन घटनाओं को अंजाम देने वाले अपराधियों के सामने असहाय है। अभी कुछ दिनों पहले रामनगर में मुस्लिम युवक की लिंचिंग के प्रयासों के मुख्य अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार तक नहीं किया है। जबकि कोर्ट ने उसके खिलाफ गैर कानूनी वारंट तक जारी कर दिये हैं। ज्ञापन देने में पीपी आर्या, अजीज कुरैशी, हनीफ, कमलेश, पंकज, मनोज बिष्ट, कपिल, दीपक, सुभाष, सुरेश आदि लोग शामिल रहे।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

प्रवेशांक 2019

धन्यवाद साथियों, आभारी हूं आपका

आज मैं सिर्फ कागज़ के पन्नों का एक पुलिंदा भर नहीं हूं। मैं बरेली की मिट्टी में जन्मी एक धड़कन हूं ... एक सांस हूं, जो हर सुबह आपके घर के बरामदे में ताज़ी हवा की तरह दस्तक देती है। छह साल... किसी सदियों पुरानी विरासत के सामने यह वक्त का एक छोटा-सा टुकड़ा हो सकता है, लेकिन मेरे लिए, यह जीवन का एक पूरा, सार्थक चक्र है।

मेरा जन्म किसी बड़े दावे के साथ नहीं हुआ था, न ही मैं किसी पूर्व-स्थापित विरासत को चुनौती देने चला था। मेरे पास अहंकार नहीं, सिर्फ एक खाली कैनवास था, जिसे ईमानदारी और सच्चाई की स्याही से भरा जाना था। जब मैंने पहली बार इस शहर की सुबह में आंखें खोलीं तो मेरी सांसों में यहाँ की गलियों की हलचल थी, यहां के लोगों की उम्मीदें थीं।

शुरुआत कभी आसान नहीं होती ... हर सुबह, जब मैं आपके दरवाज़े पर दस्तक देता, तो दिल में एक अजीब सी घबराहट होती थी, क्या मैं स्वीकार किया जाऊंगा? आपने मुझे परखा, मेरी खबरों की गहराई को मापा। कुछ पाठकों ने मुझे अपने स्नेह के आंचल में जगह दी, अपने जीवन का हिस्सा बनाया। उनके प्रोत्साहन ने मुझे हर दिन, हर पल बेहतर बनने की प्रेरणा दी। और फिर एक काला दौर आया ... कोरोना काल। जब पूरी दुनिया के साथ साथ बरेली में भी नकारात्मकता का स्याह बादल छा रहे थे। लोग घरों में सिमट गए थे, तब मैंने तय किया कि मैं सकारात्मकता की एक किरण बनूंगा। मैं डर और निराशा की खबरों के बी च उम्मीद की आवाज़ बना, बरेली के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा।

छह वर्षों के अपने सफर में अमृत विचार ने इन प्रमुख राष्ट्रीय घटनाओं पर अपनी समर्पित और विस्तृत कवरेज के माध्यम से पत्रकारिता के उच्च मानदंडों को स्थापित किया है। इसने न केवल घटनाओं की रिपोर्टिंग की, बल्कि उनके पीछे के महत्व, भावना और प्रभाव को भी पाठकों तक पहुंचाया। यही कारण है कि बरेली ने इसे भरपूर प्यार दिया है।

उस मुश्किल वक्त में आपका विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताक़त था।

लेकिन यात्रा पथरीली भी रही। कुछ ऐसे भी थे, जिन्होंने मुझे नकारा। उनकी आंखें मुझे देखकर फिर गईं, शायद मैं उनकी उम्मीदों के तराज़ू पर पूरा नहीं उतरा पाया... या शायद मेरे सच थोड़े कड़वे थे, जो हर किसी को रास नहीं आए। मैंने उन आलोचनाओं को भी अपने भीतर समेट लिया। मैं नाराज नहीं हुआ, बल्कि मैंने उन आवाजों को ध्यान से सुना और समझा। मैंने सीखा कि इस शहर का मिजाज़ क्या है, यहां के लोगों की ज़रूरतें क्या हैं और उनकी संवेदनशीलता कहां है।इन छह सालों में, मैंने सिर्फ खबरें छापना नहीं सीखा, मैंने खुद को आपके सांचे में ढाला है। यह केवल एक पेशेवर काम नहीं, एक रिश्ता बनाने की प्रक्रिया थी। मैंने यहां की तहजीब, यहां की भाषा, यहां के सुख दुख को समझा। जब शहर चैन की नींद सो रहा होता है, तब मेरे दफ्तर में आंखें खुली रहती हैं, सिर्फ़ इसलिए ताकि आपकी सुबह सच के उजाले और जागरूकता के साथ शुरू हो।

आज मैं सिर्फ़ बरेली की मिट्टी तक सीमित नहीं हूं। एक विशाल वटवृक्ष का रूप में बदल रहा हूं, जिसकी शाखाएं उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के महत्वपूर्ण शहरों तक फैली हुई हैं। बरेली की गलियों से, जहां मैंने आंखें खोलीं और जहां के पाठकों ने मुझे चलना सिखाया। वह एक रिश्ता था, एक संवाद था। बरेली के पाठकों के प्यार और विश्वास ने मुझे पंख दिए, और यह कारवां चल पड़ा। बरेली के बाद, मैंने लखनऊ की राजनैतिक धड़कन को महसूस किया, मुरादाबाद की औद्योगिक ऊर्जा को समझा और हल्द्वानी की शांत पहाड़ी सुबहों में अपनी खबरों की ताज़गी घोली। कानपुर के व्यस्त जीवन और अब अयोध्या की आध्यात्मिक भूमि तक मेरी पहुंच बन चुकी है। आज, जब मैं इन छह सालों के सफ़र पर पीछे मुड़कर देखता हूं, तो यह एक बच्चे के बड़े होने जैसा लगता है। हम गिरे, ठोकरें खाईं, फिर उठे, और आपके विश्वास के सहारे चलते रहे। आपके अटूट प्यार और समर्थन ने ही मुझे ...अमृत विचार को आपका प्यारा अमृत विचार बना दिया है। यह सफर भले ही छोटा हो, लेकिन मेरा संकल्प हिमालय जैसा अडिग है। मैं आपकी आवाज़ हूं, आपकी परछाई हूं, आपका पहरेदार हूं। आपकी खुशी में हंसता हूं, आपके गम में आपके साथ खड़ा होता हूं। जब तक आप हैं, तब तक मेरा वजूद है। यह रिश्ता अटूट है, और रहेगा।

आपका प्यारा अमृत विचार

2020

निर्भया मामले के दोषियों को फाँसी (20 मार्च 2020)

निर्भया मामले के चारों दोषियों, मुकेश सिंह, विनय शर्मा, पवन गुप्ता और अक्षय कुमार सिंह को 20 मार्च 2020 की सुबह तिहाड़ जेल में फाँसी दी गई। अमृत विचार ने इस खबर को न केवल एक समाचार घटना के रूप में बल्कि राष्ट्रीय महत्व के एक संवेदनशील मुद्दे के रूप में पेश किया। समाचार पत्र ने इस लंबे चले मामले की पूरी समय-सारणी, अदालती कार्यवाही के उतार-चढ़ाव, और पीड़ितों के परिवार के संघर्ष को विस्तार से शामिल किया।

गलवान झड़प (15-16 जून 2020)

पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प ने दोनों देशों के संबंधों में तनाव पैदा कर दिया। इस घटना में कई भारतीय सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील मामले में अमृत विचार ने देश भर में फैले आक्रोश और भारतीय सेना के शौर्य को अपनी रिपोर्टिंग का केंद्र बनाया। समाचार पत्र ने इस घटना की भू-राजनीतिक प्रासंगिकता, शहीद सैनिकों की कहानियों और सरकार के बाद के कदमों (जैसे चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध) पर गहराई से नज़र रखी। रक्षा विशेषज्ञों के विचारों और भारत-चीन सीमा विवाद के इतिहास पर विशेष लेख भी प्रकाशित किए गए।

देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा (24 मार्च 2020)

अमृत विचार ने इस ऐतिहासिक घोषणा की तत्काल कवरेज की और इसके बाद के प्रभावों पर विस्तृत रिपोर्टिंग की। इसमें लॉकडाउन के नियमों, आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता, प्रवासी मजदूरों की दुर्दशा, और आर्थिक चुनौतियों पर कई लेख प्रकाशित किए गए।

राम मंदिर शिलान्यास (5 अगस्त 2020)

दशकों पुराने अयोध्या विवाद पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद, 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राम मंदिर की आधारशिला रखी गई, जो एक ऐतिहासिक और भावनात्मक क्षण था। कवरेज: अमृत विचार ने इस को एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और राजनीतिक मील के पत्थर के रूप में कवर किया। शिलान्यास समारोह की तैयारियों, धार्मिक अनुष्ठानों, और देश भर में मनाए उत्सव पर विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित की गई। समाचार पत्र ने इस अवसर पर जारी किए गए बयानों, मंदिर निर्माण के लिए एकत्रित दान, और अयोध्या में हुए परिवर्तनों को प्रमुखता से शामिल किया। कुल मिलाकर, "अमृत विचार" ने इन घटनाओं के दौरान सटीक जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ इन मुद्दों से जुड़ी मानवीय कहानियों और सामाजिक प्रभावों को भी सामने लाने में उल्लेखनीय कार्य किया है।

2021

नीरज चोपड़ा का टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण

7 अगस्त, 2021 को नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में भारत के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता। अमृत विचार ने नीरज की जीत को एक राष्ट्रीय गौरव के रूप में प्रस्तुत किया और भारतभर में मने जश्न को कवर किया। हमने नीरज के संघर्ष और सफलता की कहानी पर जोर दिया, जिससे यह जीत और भी प्रेरणादायक बन गई।

सीडीएस जनरल बिपिन रावत का हेलीकॉप्टर हादसा

8 दिसंबर, 2021 को तमिलनाडु में हुए इस हादसे में भारत के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत समेत 13 लोगों का निधन हो गया था। अखबार ने घटना की जानकारी के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर हुए दुख को भी दर्शाया।

2023

यूपी बजट

उत्तर प्रदेश सरकार के वार्षिक बजट 2024-25 को 'अमृत विचार' ने स्थानीय और क्षेत्रीय विकास के दृष्टिकोण से प्रमुखता से छापा। बजट के प्रावधानों का बरेली और पश्चिम उत्तर प्रदेश के विकास, बुनियादी ढाँचे, कृषि और रोजगार पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण किया गया।

भारत का चंद्रयान-3 मिशन (लॉन्च: 14 जुलाई 2023, लैंडिंग: 23 अगस्त 2023)

भारत के चंद्रयान-3 मिशन की सफलता एक राष्ट्रीय गौरव का क्षण थी, जिसे अमृत विचार ने बड़े उत्साह के साथ कवर किया। लॉन्च से लेकर चंद्रमा की सतह पर सफल लैंडिंग तक, मिशन के हर चरण को वैज्ञानिक तथ्यों और राष्ट्रीय उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया गया। सरल भाषा में विश्लेषण: जटिल वैज्ञानिक प्रक्रियाओं और 'लैंडिंग' के महत्व को सरल भाषा में समझाया गया।

2022

रूस-यूक्रेन युद्ध

'अमृत विचार' ने इस युद्ध को अंतरराष्ट्रीय स्तर की घटना के रूप में कवर किया, जिसके वैश्विक परिणाम थे। अमृत विचार ने युद्ध के विश्व स्तर पर, विशेषकर खाद्य सुरक्षा और तेल की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण किया। युद्धग्रस्त क्षेत्रों की स्थिति, हवाई हमलों की चेतावनी और मानवीय संकट पर लगातार अपडेट दिए गए।

यूपी विधानसभा चुनाव परिणाम

2022 के विधानसभा चुनाव परिणाम हमारी सबसे महत्वपूर्ण कवरेज में से एक रहे। चुनाव परिणामों के दिन, रुझानों से लेकर अंतिम परिणामों तक की लाइव और विस्तृत कवरेज की गई। अपने संस्करणों के क्षेत्रों में प्रत्येक सीट के परिणामों पर गहराई से नज़र रखी गई।

मोरबी पुल हादसा

गुजरात के मोरबी में मच्छु नदी पर बने केबल पुल के ढहने की दुखद घटना ने देश को झकझोर दिया था, जिसे 'अमृत विचार' ने संवेदनशीलता के साथ कवर किया। हमने लापरवाही, कंपनी की गैर-जिम्मेदारी और प्रशासन की ढिलाई पर सवाल उठाए। जांच कमेटी के गठन और ओरेवा समूह के खिलाफ कार्रवाई पर निरंतर जानकारी दी गई।

2024

अयोध्या में रामलला की स्थापना

22 जनवरी 2024 को अयोध्या में हुए राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को अमृत विचार ने राष्ट्रीय गौरव के रूप में प्रस्तुत किया। इस दिन हमने विशेष अंक प्रकाशित किया। समारोह की गरिमा, अनुष्ठानों और प्रधानमंत्री की उपस्थिति की विस्तृत रिपोर्टिंग की गई।

बजट (1 फरवरी 2024)

1 फरवरी 2024 को पेश किए गए अंतरिम बजट पर अमृत विचार' ने आर्थिक विश्लेषण किया। बजट प्रावधानों का मध्यम वर्ग, किसान और युवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव पर सरल विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। स्थानीय उद्योगपतियों और आर्थिक विशेषज्ञों के विचारों को प्रमुखता से छापा गया।

लोकसभा चुनाव परिणाम

18वीं लोकसभा के चुनाव परिणाम, जिनमें एनडीए ने जीत हासिल कर सरकार बनाई। चुनाव के रुझानों, परिणामों और राजनीतिक परिदृश्य पर विस्तृत विश्लेषण प्रदान किया गया। उत्तर प्रदेश की सभी सीटों के परिणामों और प्रमुख उम्मीदवारों की हार-जीत पर गहनता से रिपोर्टिंग की गई।

सुधांशु शुक्ला अंतरिक्ष मिशन

इस मिशन को अमृत विचार ने विज्ञान और राष्ट्रीय गौरव के रूप में कवर किया। मिशन की तकनीकी जानकारी और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में इसके महत्व को उजागर किया गया। सुधांशु शुक्ला की पृष्ठभूमि और इस मिशन में उनकी भूमिका पर विशेष फीचर लेख प्रकाशित किए गए।

2025

कुंभ का भव्य आयोजन: आध्यात्मिकता की गहराई

कुंभ मेला, भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का सबसे बड़ा प्रतीक, लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। अमृत विचार ने कुंभ के आयोजन, उसकी व्यवस्थाओं और धार्मिक महत्व को समर्पित कवरेज दी। कुंभ के आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व पर भी सारगर्भित लेख प्रकाशित किए। भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़े प्रशासनिक पहलुओं को भी उजागर किया गया, जिससे पाठकों को आयोजन की विशालता का अंदाजा हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर: राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रतिबिंब

ऑपरेशन सिंदूर पर भी अमृत विचार" की पत्रकारिता सजग रही। पहलगाम हमले के बाद हुए इस ऑपरेशन ने भारत की नई रक्षा नीति को दर्शाया। अमृत विचार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए, सटीक जानकारी दी और दिखाया कि आतंकवादियों के ठिकाने कहीं भी हों, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। अखबार ने भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान को प्रमुखता से चित्रित किया, जिससे पाठकों में राष्ट्रीय गौरव की भावना मजबूत हुई।

बजट

आम बजट कवरेज को अमृत विचार ने आसान भाषा में दिया। पाठकों को स्पष्ट रूप से बताया कि कौन सी वस्तुएं सस्ती होंगी और कौन सी महंगी। अमृत विचार" ने बजट को एक संतुलित और भविष्योन्मुखी कदम के रूप में प्रस्तुत किया, जो आम जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने और देश की अर्थव्यवस्था को सही रास्ते पर रखने का प्रयास करता है।

जीएसटी कटौती

अमृत विचार ने जीएसटी कटौती को आम आदमी के जीवन पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव पर केंद्रित करते हुए व्यापक कवरेज दी है। अख़बार ने इस कदम को जनता के हित में एक महत्वपूर्ण सुधार बताया है। अमृत विचार की कवरेज ने इन जीएसटी सुधारों को आम नागरिकों की क्रय शक्ति बढ़ाने और देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने वाले एक महत्वपूर्ण गेमचेंजर कदम के रूप में प्रस्तुत किया।

अमृत विचार ने पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन पर उन्हें नए भारत की धड़कन बताते हुए विशेष कवरेज की। फोकस उनकी साधारण पृष्ठभूमि से शीर्ष नेतृत्व तक की यात्रा और प्रमुख उपलब्धियों पर था। इनमें GST, आवास योजनाएं, आयुष्मान भारत, मजबूत विदेश नीति और आत्मनिर्भर भारत जैसे परिवर्तनकारी कार्य शामिल थे। कवरेज ने मोदी को एक निर्णायक और जन-उन्मुख नेता के रूप में प्रस्तुत किया, जिनके जन्मदिन को जन सेवा के रूप में मनाया गया।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

सजग प्रहरी बन कोविड काल से ही पाठकों का प्रिय अखबार बन गया अमृत विचार

कोरोना महामारी शुरू होने के चंद महीनों पहले 22 नवंबर, 2019 को सीमित संसाधनों के साथ अमृत विचार की यात्रा शुरू हुई। अमृत विचार ने बरेलियंस को पढ़ने के लिए अखबार रूप में एक ऐसा मंच दिया, जो सिर्फ क्षेत्रीय खबरों से भरा हुआ था। एक-एक पाठक को जोड़ते हुए अमृत विचार आमजन की आवाज बनने की तरफ बढ़ ही रहा था, तभी कोरोना महामारी ने पैर पसारे। कोरोना में हर तरफ भयावह मंजर देखने को मिल रहा था। इस आपदा काल में जहां सरकारी से लेकर निजी दफ्तरों में वर्क फ्रॉम होम शुरू हो गया, वहीं उस भयावह मंजर में अमृत विचार ऐसा अकेला अखबार था, जो समाज को कोरोना से संबंधित प्रशासनिक तैयारियों से लेकर स्वास्थ्य और समाज में घटित घटनाओं को सजग प्रहरी की तरह अपने पाठकों तक पहुंचाने का काम कर रहा था। कोरोना काल में अमृत विचार ने नियमित अखबार के साथ पाठकों को सुबह से शाम तक घटित खबरों की जानकारी पहुंचाने के लिए 'व्हाट्सएप संस्करण' निकालकर अभिनव प्रयोग किया। इससे अमृत विचार ने पाठकों के दिलों को जीता और कोरोना काल से ही अमृत विचार पाठकों का प्रिय अखबार बन गया। फिर अमृत विचार ने पाठकों के प्यार की बदौलत एक्सक्लूसिव खबरें, जनहित से जुड़े मुद्दों पर अभियान और कैंसर, दिल की बीमारी, लिवर जैसी गंभीर बीमारियों पर विशेष सामग्री पाठकों तक देना शुरू की। सरकारी विभागों में फैले भ्रष्टाचार की बात हो या शहर में सड़क, नाली, जलभराव और रोडवेज बस अड्डों पर यात्रियों की सुविधाओं से संबंधित। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव, विधानसभा चुनाव या फिर लोकसभा के चुनाव, महायुद्ध हर मोर्चे पर अमृत विचार ने बेहतर सामग्री पाठकों को देते हुए बरेलियंस के दिलों पर अनूठी छाप छोड़ी है। आइए जानते हैं, पाठकों के अनूठे प्यार से बरेली की धड़कन बने अमृत विचार के छह साल के सफर की कहानी आर्काइव के साथ...

कुपोषित बच्चों के पुष्टाहार और ग्राम पंचायतों का भ्रष्टाचार खोले, डीडीओ नपे थे

2023 के 16 मार्च में अमृत विचार ने जनपद के कुपोषित बच्चों के पुष्टाहार में घोटाले से संबंधित खबर 'खुला खेल...कुपोषित बच्चों की सुविधाओं पर भी गिद्ध दृष्टि' शीर्षक से प्रकाशित की। इस खबर का संज्ञान लेकर विकास भवन के अफसरों ने जांच कराई। इसके बाद जुलाई में अमृत विचार ने भ्रष्टाचार पर कई खबरें प्रकाशित कीं। इतनी आक्रामक खबरें दी गईं कि दोषी डीडीओ को शासन स्तर से हटा दिया गया। इस खबर की गूंज जिलेभर में रही। अमृत विचार के भ्रष्टाचार के विरुद्ध चलाए गए अभियान की पाठकों ने खूब सराहना की। इसी वर्ष अगस्त माह में ग्राम पंचायतों के भ्रष्टाचार के खेल को उजागर किया। कई खबरों के बीच 'साहब खुद साढ़े तीन करोड़ के घोटाले में फंसे हैं तो बेतुके निलंबन बहाली पर सवाल उठेंगे ही' शीर्षक से भ्रष्टाचार पर खबर अमृत विचार में प्रकाशित हुई तो तत्कालीन सीडीओ जग प्रवेश ने इसका संज्ञान लिया और खेल पर तत्काल रोक लगा दी। इस पर अमृत विचार ने खबर का असर दिखाते हुए 'खेल पर ब्रेक...अब सीडीओ के अनुमोदन के बगैर निलंबन नहीं कर पाएंगे डीडीओ' शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी।

सवा करोड़ की सड़क मिट्टी से बनाने का खेल अमृत विचार ने खोला

अमृत विचार ने 2023 के अगस्त में बुखारा-फरीदपुर मार्ग से टिसुआ-शिवपुरी चौराहे तक 1.20 करोड़ की लागत से बनने वाली 12 किमी लंबी हॉटमिक्स सड़क में हुए खेल को उजागर करते हुए 'ताज्जुब क्या...! पांच सौ से 7 हजार करोड़ हो सकती है एक्सप्रेस वे की लागत तो यहां मिट्टी बजरी से क्यों नहीं बन सकती हॉटमिक्स रोड' शीर्षक से खबर प्रकाशित की तो लोक निर्माण विभाग के अफसरों में खलबली मच गई थी। अमृत विचार ने फालोअप में 'मान लिया...मिट्टी से बना रहे थे सवा करोड़ की सड़क' शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। एई ने कबूल किया था कि ठेकेदार से चूक हुई, बाद में इस खबर को हॉटमिक्स से बनाया गया। खबर प्रकाशित होने से अफसर और ठेकेदार को सड़क में खेल करने का मौका नहीं मिला। इस खबर की चर्चा खूब रही।

जेल में बदमाशों के ठाठ का खेल भी खोला, नपे थे वार्डन

अमृत विचार ने माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ की बरेली जिला जेल के अफसरों से साठगांठ को कई बार उजागर की। माफिया अशरफ को बचाने के लिए जेल के अफसरों ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज गायब कर दी थी। इस मामले को अमृत विचार ने प्रमुखता से छापा था। जेल में बदमाशों को विशेष सुविधा देने का खेल भी खोला। ...'तो फिर इसे जेल नहीं, अपराधियों का स्वर्ग ही कहिए' शीर्षक से अमृत विचार ने खबर छापी तो कारागार से लेकर पुलिस महकमे में भी खलबली मच गई थी। इस प्रकरण में शासन ने तीन वार्डन निलंबित किया और दो जेलरों से स्पष्टीकरण तलब किया था। इस तरह के कई प्रकरण उजागर करने पर अमृत विचार ने पाठकों के दिलों में खूब जगह बनाई।

अमृत विचार ने ट्रैफिक पुलिस के चेकिंग में उगाही और चौकियों में रिश्वत मामलों पर चलाए अभियान

बरेली : अमृत विचार ने 2023 और 2024 में ट्रैफिक पुलिस के कई कारनामे उजागर किए। 2023 में ट्रैफिक पुलिस के चेकिंग अभियान में उगाही करने के खेल पर अमृत विचार ने दमदार तरीके से अभियान चलाकर उसे अंजाम तक पहुंचाया। अमृत विचार ने अभियान चलाते हुए 'शहर में भीषण जाम...ट्रैफिक पुलिस के इंस्पेक्टरों को पसंद है झुमका तिराहे पर वाहन चेकिंग करना', 'कुतुबखाना पुल. लाइफ लाइन बनने के बजाय सप्ताहभर में ही हो गया जाम के लिए बदनाम', 'हे महादेव! 110 करोड़ का पुल बनने के बाद भी जाम', 'आखिरकार शहर में अवैध स्टैंड जहां के तहां, न तो सीएम के आदेश पर हटे न ही डीएम के' और शहर की सड़कें ही नहीं...ट्रैफिक पुलिस का सिस्टम भी जाम शीर्षक से खबरें प्रकाशित कीं तो पुलिस महकमा हिल गया। पुलिस अफसरों ने खबरों का संज्ञान लिया और आईजी व एसएसपी ट्रैफिक पुलिस के खेल को पकड़ने के लिए सड़कों पर उतरे और इन अफसरों की चेकिंग में ट्रैफिक पुलिस का खेल पकड़ा गया। बाद में अमृत विचार ने 'आखिर पर्दाफाश, उगाही के लिए ड्यूटी छोड़कर चेकिंग कर रही ट्रैफिक पुलिस' शीर्षक से खबर प्रकाशित की। इसमें ट्रैफिक पुलिस के कई इंस्पेक्टर और दरोगाओं को इधर उधर ट्रांसफर किया गया था। इस अभियान की पाठकों ने खूब सराहना की। इसके अलावा अमृत विचार ने 'कोई कुछ भी कहे...पुलिस महकमे में भ्रष्टाचार सदाबहार', 'पुलिस में पैसे की माया...! बनाया था चौकी का इंचार्ज...वहीं खोल लिया मोटर गैराज,' शीर्षक से खबरें प्रकाशित कीं। लगातार भ्रष्टाचार पर अभियान से अमृत विचार पाठकों का और भी प्रिय अखबार बन गया।

कृषि विभाग के घोटाले का पर्दाफाश कर किसानों के मन में जगह बनाई

अमृत विचार ने अप्रैल 2023 में कृषि विभाग में बड़े घोटाले का पर्दाफाश किया। फार्म मशीनरी बैंक और कस्टम हायरिंग सेंटर योजना में कृषि विभाग के बाबुओं ने करोड़ों रुपये का खेल किया था। ऑनलाइन चयन की सुविधा होने के बावजूद इन योजनाओं में 2020-21 और 2021-22 में अपात्र लाभार्थियों का चयन किया गया। अमृत विचार ने जब इसकी खबर तथ्यों के साथ प्रमुखता से प्रकाशित की तो बरेली से लेकर लखनऊ तक खलबली मच गई थी। उच्चाधिकारियों ने खबर का संज्ञान लिया। इसके बाद प्रकरण में विधायक अताउर रहमान की शिकायत निकलवाई। प्रकरण में कई खबरें प्रकाशित होने पर हाथरस के डीडी कृषि को घोटाले की जांच सौंपी गई। कई बाबुओं का स्पष्टीकरण तलब हुआ। योजनाओं में खेल करने की खबरें प्रकाशित होने पर किसानों के दिलों में अमृत विचार ने जगह बनाई और देहात में पकड़ मजबूत की।

अमृत विचार ने खबरों से लल्लू वन को दिलवाया था आवास

फरवरी, 2023 में अमृत विचार ने जनहित के मुद्दे उजागर कई जरूरतमंदों को उनका हक भी दिलाया। अमृत विचार ने 'पीएम आवास सूची में नाम फिर भी बना दिया अपात्र' शीर्षक से खबर प्रकाशित की। खबर का संज्ञान लेकर डीएम के निर्देश पर जिला कृषि अधिकारी ने प्रकरण की जांच की तो पीड़ित लल्लू वन जांच में प्रधानमंत्री आवास के लिए पात्र पाया गया। प्रधानमंत्री आवास की पात्रता सूची में नाम शामिल होने के बावजूद सचिव ने नाम काट दिया था लेकिन बीडीओ व डीडीओ ने उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया। अमृत विचार ने फिर लल्लू वन को हक दिलाने के लिए 'पीएम आवास की आस आठ साल से दौड़ा रही 70 के लल्लू वन को' शीर्षक से खबर छापी। इसके बाद अफसर सक्रिय हुए और प्रकरण में फिर जांच कराते हुए लल्लू वन को उनका हक दिलाया। इस पर लल्लू वन ने अमृत विचार को धन्यवाद दिया। आवास मिलने के बाद लल्लू वन ने सचिव को जेल भिजवाने के लिए संघर्ष कई महीने तक जारी रखा था। इस खबर ने पाठकों के मन में भी अमृत विचार के लिए नई जगह बनाई।

पर्यावरण और नशे के मुद्दे पर अमृत विचार ने कलम पैनी रखी

2025 में अब तक अमृत विचार ने सामाजिक और जनहित के मुद्दों पर अपनी कलम पैनी रखी। पर्यावरण और तंबाकू के सामाजिक और जनहित मुद्दों पर पाठकों तक विशेष सामग्री पहुंचाने का काम किया। 31 मई को अमृत विचार ने 'स्टाइल के नाम पर धुएं में उड़ रही जिंदगी' शीर्षक से समाज को जागृत करने और युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए विशेष पेज की सामग्री प्रकाशित की। इसके बाद 5 जून को पर्यावरण को लेकर समाज को जागृत करने का कार्य किया। अमृत विचार ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर 'आज की चिंता न कल की फिक्र पर्यावरण के ये दुश्मन बेफिक्र' शीर्षक से खबर प्रकाशित कर पाठकों के साथ जन समूह के मन में पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाने का कार्य किया। इस तरह कई अहम मुद्दों पर समय-समय पर अमृत विचार सामग्री पाठकों तक पहुंचाता है ताकि जन समूह लाभ लेने के साथ उसके प्रति जागरूक रहें।

कोरोना काल के बाद पाठकों तक सेनानियों की प्रेरणादायक कहानी पहुंचाई

कोरोना काल के बाद अमृत विचार ने अपने पाठकों को पढ़ने के लिए विशेष सामग्री उपलब्ध कराई। 15 अगस्त, 2022 को अमृत विचार ने बरेली जनपद के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के संबंध में विशेष पेज की सामग्री प्रकाशित की, उसमें ऐसे 25 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की प्रेरणादायक कहानी प्रकाशित की, जिससे ज्यादातर बरेली के लोग अनजान थे। प्रशासन से मिले इनपुट के आधार पर अमृत विचार ने अपने नेटवर्क से कई स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को खोजा, उनकी बातचीत फोटो सहित अखबार में प्रकाशित कराई। अमृत महोत्सव पर सेनानियों की वीर गाथा में अमृत विचार ने 'दीवानों ने आजादी की लड़ाई लड़ी फिर राजनेता बन बरेली संवारी' शीर्षक से विशेष पेज की सामग्री पाठकों तक पहुंचाई। इसे पढ़कर पाठकों ने सकारात्मक प्रक्रिया भी दी। इसके बाद स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों ने अमृत विचार से संपर्क कर कई समस्याएं बताईं, उन पर अमृत विचार ने खबरें छापीं और आश्रितों को हक दिलाने का काम किया।

'सरकारी हैंडपंप परोस रहे कैंसर' खबर ने पाठकों को जगाया

2020 के नवंबर माह में अमृत विचार ने पाठकों को कैंसर के प्रति जागरूक करने के लिए कई खबरें प्रकाशित कीं। 'सरकारी हैंडपंप परोस रहे कैंसर' शीर्षक से खबर प्रकाशित तो सरकारी महकमे गंभीर हुए। जिले के 17 स्थानों पर नलों में आर्सेनिक युक्त पानी आने, पांच मोहल्लों का पानी पीने योग्य नहीं, 162 लोगों की पानी पीने से विशारतगंज क्षेत्र के लोगों की मौत होने के तथ्यों के साथ खबर प्रकाशित की। इसका अफसरों ने संज्ञान लिया और कई मोहल्लों में पानी की जांच के लिए कार्रवाई की। कैंसर के प्रति जागरूक किया। स्वास्थ्य विभाग ने कैंप लगाकर दवाए दी थीं। अमृत विचार की इस खबर से सैकड़ों लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंची थीं।

अमृत विचार

गुरुवार, 20 नवंबर 2025

देश की तरक्की के लिए हमें आपस में लड़ने के बजाए गरीबी, बीमारी और अज्ञानता से लड़ना होगा।

–लाल बहादुर शास्त्री, पूर्व प्रधानमंत्री

चेतावनी देती गड़बड़ी

इंटरनेट अवसंरचना प्रदान करने वाली दिग्गज कंपनी क्लाउडफ्लेयर में आई हालिया तकनीकी गड़बड़ी को केवल एक सामान्य तकनीकी व्यवधान मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह कंटेट डिलीवरी नेटवर्क दुनिया की 20 प्रतिशत वेबसाइट से सामग्री लेती और यूजर को देती है। वेबसाइट और यूजर के बीच ऐसे मध्यस्थ का काम करने वाले ऐसे प्लेटफार्म में, जिस पर दुनिया की हर पांचवी वेबसाइट आश्रित हो, इसी साल तीसरी बार बड़ी खराबी का होना, उसे घंटों बने रहना बताता है कि दुनिया का डिजिटल ढांचा कितनी नाजुक रीढ़ पर टिका हुआ है। क्लाउडफ्लेयर की लगातार गड़बड़ियों के दो प्रमुख कारण हो सकते हैं। पहला, अत्यधिक जटिलता, कंपनी की सेवाएं वैश्विक स्तर पर हजारों सर्वरों, डेटा-सेंटरों और नेटवर्क पॉइंट्स में फैली हैं, जिनका समन्वय किसी भी समय अत्यधिक संवेदनशील स्थिति में रहता है। दूसरा, तेजी से बढ़ते लोड और बदलती सुरक्षा चुनौतियों के चलते बैकएंड इंफ्रास्ट्रक्चर में लगातार बदलाव के चलते यह वैश्विक बाधा आई हो।

विडंबना ही कहेंगे कि दुनिया को तेज और सुरक्षित इंटरनेट देने का दावा करने वाली कंपनी को उसी की तकनीकी असुरक्षा या चूक, इंटरनेट की गति और सुरक्षा दोनों को प्रभावित कर देती है। इस व्यवधान का असर दुनिया भर में महसूस किया गया। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। कई डिजिटल भुगतान सेवाएं, समाचार वेबसाइटें, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, शिक्षा पोर्टल और ऐप कुछ समय के लिए बंद हो गए। भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था में ऐसे झटके केवल असुविधा नहीं, बल्कि आर्थिक व्यवधान भी पैदा करते हैं। यदि इस तरह की गड़बड़ियां बार-बार और लंबे समय के लिए होती रहीं, तो न सिर्फ डिजिटल भुगतान और बैंकिंग व्यवस्था की विश्वसनीयता प्रभावित होगी, बल्कि साथ ही क्लाउड-आधारित स्टार्टअप और आईटी सेवाएं असुरक्षित महसूस करेंगी, तो एआई आधारित सेवाओं पर निर्भर उद्योगों में उत्पादकता का संकट भी उत्पन्न होगा।

इस प्रकार की तकनीकी खराबी सिर्फ एआई प्लेटफॉर्म को ही प्रभावित नहीं करती, इंटरनेट की यह 'रीढ़' लड़खड़ाती है, तो डिजिटल भारत का पूरा ढांचा हिल जाता है, क्योंकि स्वास्थ्य सेवा, एयरलाइन रिजर्वेशन सिस्टम, ऑनलाइन शिक्षा, आपदा प्रबंधन प्लेटफॉर्म और सरकारी ई-सेवाएं भी ऐसे ही नेटवर्क संरचना पर निर्भर हैं। यूजर्स के पास इससे बचने के विकल्प अत्यंत सीमित हैं। सामान्य उपयोगकर्ता के लिए वैकल्पिक डिलीवरी नेटवर्क सिस्टम या फिर वीपीएन अस्थायी राहत दे सकते हैं, पर वास्तविक समाधान केवल कंपनियों के स्तर पर ही संभव है। व्यवसायों को भी 'सिंगल प्वाइंट ऑफ फेलियर' से बचने के लिए मल्टी-कंटेंट डिलीवरी नेटवर्क की रणनीति अपनानी होगी, जिसमें क्लाउडफ्लेयर के साथ अन्य नेटवर्क प्रदाताओं का बैकअप हमेशा मौजूद रहे। क्लाउडफ्लेयर को प्रतिष्ठा बचाने और आगे से ऐसा न हो, इसके लिए नेटवर्क आर्किटेक्चर की रेडंडेंसी बढ़ानी होगी, स्वचालित लोड-शिफ्टिंग और फेल्योर सिस्टम को अधिक सक्षम बनाना होगा।

प्रसंगवश

तहजीब के शहर को यूनेस्को की मान्यता

हाल में विश्व नगर दिवस के अवसर पर यूनेस्को ने अपने रचनात्मक शहरों की सूची में 58 नए शहरों को शामिल किया है। इस सूची में लखनऊ का होना भारत के लिए गर्व का विषय है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को 'पाक-कला के सृजनशील शहर' का दर्जा मिलना न केवल लखनऊ की समृद्ध नवाबी विरासत का प्रतीक है, बल्कि इससे हमारे देश की खान-पान की खास परंपराओं पर वैश्विक मुहर भी लगी है।

लखनऊ की पाक परंपरा केवल भोजन नहीं, बल्कि समृद्ध खान-पान संस्कृति, इतिहास और भावनाओं का संगम है। वहां की गलियों में महकने वाला स्वाद सदियों पुरानी नवाबी तहजीब की निशानी है। वहां के रसदार कबाब, खास बिरयानी और अन्य

अमरपाल सिंह वर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

खान-पान केवल व्यंजन नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही पाक कला के स्थापित प्रतीक हैं। लखनऊ साबित करता है कि भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि एक रचनात्मक अभिव्यक्ति भी है, जो समुदायों को जोड़ती है और इतिहास को जीवित रखती है। लखनऊ का यूनेस्को की रचनात्मक शहरों की सूची में शामिल होना, केवल एक सम्मान नहीं बल्कि एक अवसर है। इससे जहां शहर को न केवल वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी, वहीं पाक-कला के संरक्षण, नवाचार और पर्यटन को भी नई दिशा मिलेगी। यह दर्जा इस शहर को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पाक आदान-प्रदान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रशिक्षण के अवसरों से जोड़ेगा। इससे स्थानीय रसोइयों, छोटे खानपान व्यवसायों और पारंपरिक खाद्य निर्माताओं को भी नई आर्थिक संभावनाएं मिलेंगी।

2019 में हैदराबाद को यह दर्जा मिला था। इसके बाद लखनऊ भारत का दूसरा शहर है, जिसे पाक-कला श्रेणी में यह सम्मान मिला है। इससे दुनिया में यह संदेश गया है कि हमारे देश का खानपान केवल विविध नहीं बल्कि नवाचार और परंपरा के संतुलन का एक अद्भुत उदाहरण भी है। लखनऊ की यह उपलब्धि भारत के हजारों गांवों, कस्बों और छोटे शहरों के लिए प्रेरणा बन सकती है। देश के हर क्षेत्र की अपनी कोई न कोई खाद्य पहचान है। आगरा का पेठा, मथुरा के पेड़े, जैसलमेर के घोटिया लड्डू, रेवाड़ी की बर्फी, बीकानेर का भुजिया और रसगुल्ले, जोधपुर की कचौरी समेत तमाम स्थानों की खान-पान संबंधी कोई न कोई पहचान है, जिसमें स्थानीय मिट्टी, जलवायु, संस्कृति और श्रम की मिठास मिली है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि ज्यादातर इलाकों के स्वाद की कहानी इन इलाकों तक ही सिमट कर रह गई है। लखनऊ की तरह यदि ऐसे सभी स्थानों की विशेषता को पहचान दिलाने के लिए संगठित प्रयास हों, तो ये भी देश और दुनिया के खानपान नक्शे पर जगह बना सकते हैं।

यह सही है कि यूनेस्को का दर्जा हर शहर को नहीं मिल सकता, लेकिन उस स्तर तक पहुंचने के लिए प्रयास जरूर किए जा सकते हैं। स्थानीय ब्रांडिंग और संरक्षण के तहत हर जिले के विशिष्ट व्यंजन की कहानी और परंपराओं का दस्तावेजीकरण और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन डिश' जैसे अभियानों का आगाज इसमें योगदान दे सकता है। पर्यटन विभाग यदि स्थानीय व्यंजनों पर आधारित फूड फेस्टिवल आयोजित करे, तो न केवल पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय रोजगार भी सृजित होंगे। अगर छोटे होटल, स्ट्रीट फूड विक्रेता, गृहिणी उद्यमी और रसोइए मिलकर स्थानीय स्तर पर ब्रांड बनाएं, तो इससे 'मेक इन इंडिया' का स्वादिष्ट रूप भी सामने आ सकता है। छोटे शहरों के युवा अपने क्षेत्रीय व्यंजनों को डिजिटल माध्यमों पर प्रस्तुत करें, तो बड़ी पहचान मिल सकती है।

अमेरिका: नफरत की सियासत के शिकार भारतीय

अनिल यादव

वरिष्ठ पत्रकार

इंडियन बिजनेस एसोसिएशन ने अमेरिका में स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए जो परेड निकाली थी, उसमें बुल्डोजर को भी शामिल किया गया था। ऐसा करते हुए यह भुला दिया जाता है कि वे खुद अमेरिका में अल्पसंख्यक हैं।

मिसीसिपी यूनिवर्सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में एक भारतीय मूल की छात्रा ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से एक सवाल पूछ लिया- आपकी पत्नी ऊषा हिंदू हैं, क्या उन्हें अमेरिका से अपना लगाव साबित करने के लिए ईसाई बन जाना चाहिए? उसने इसी के साथ दूसरा सवाल हथकड़ी लगाकर वापस भारत भेजे गए लोगों के बारे में पूछा- आपने हमें सपना दिखाया कि आओ अमेरिका में पढ़ो, यहां की तरक्की में अपना योगदान दो, लेकिन अब अचानक कहने लगे कि यहां बहुत ज्यादा प्रवासी हो गए हैं। जिन लोगों ने कानूनी तरीके से यहां आकर मेहनत की, अपना भविष्य सुधारना चाहा उनके साथ छल क्यों किया जा रहा है?

सभी जानते हैं कि जेडी वेंस की महत्वाकांक्षा राष्ट्रपति बनने की है। रिपब्लिकन पार्टी में अपने राजनीतिक करियर को समयानुकूल मजबूती देने के लिए पिछले दिनों उन्होंने बयान दिया था, हालांकि मैं दबाव नहीं डालूंगा फिर भी मैं चाहता हूं कि मेरी पत्नी ऊषा भी मेरी तरह कैथोलिक ईसाई बन जाएं। वेंस भी नए-नए छह साल पहले कैथोलिक बने हैं। इससे पहले वे नास्तिक हुआ करते थे और बचपन में उनका परिवार इवेंजलेकिल क्रिश्चियन हुआ करता था। ईसाई धर्म की यह शाखा पोप, संतों और चमत्कारों को मान्यता नहीं देती।

उस छात्रा ने वाजिब सवाल उठाया था कि खुद को लोकतंत्र का रक्षक और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अग्रणी देश मानने वाले अमेरिका के प्रति अपना लगाव साबित करने के लिए किसी का कैथोलिक ईसाई होना कब से जरूरी हो गया है? इस घटना का एक खास संदर्भ है। हाल के वर्षों में अमेरिका में अल्पसंख्यकों खास तौर पर भारतीय मूल के लोगों या हिंदुओं के प्रति नफरता का खुला प्रदर्शन किया जा रहा है और उनके प्रतीकों पर हमले बढ़े हैं। खुद जेडी वेंस अंतरधार्मिक विवाह के कारण इस नफरत के उभार का कोप झेल रहे हैं। अभी जब उन्होंने अपनी पत्नी के कैथोलिक बनने की इच्छा वाला बयान दिया तो मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) समर्थकों और श्वेत राष्ट्रवादियों ने ट्रोलिंग करके उनकी शादी को गलत या गैरअमेरिकी बताते हुए कहा, ऊषा हिंदू ही रहेंगी और अमेरिका के लोग उन्हें कभी अपने देश की फर्स्ट लेडी के रूप में स्वीकार नहीं करेंगे।

मुख्यतः धार्मिक आधार पर नफरत फैलाकर (अन्य उप कारकों को जोड़ते हुए) जनमत बनाना, लोगों को संगठित करना, तेज ध्रुवीकरण करना और सत्ता हासिल करना दुनिया भर में राजनीति के नए सफल मॉडल के रूप में उभर चुका है। डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रपति के रूप में दूसरी जीत के पीछे इमिग्रेशन डिबेट की बड़ी भूमिका है, जिसने मुस्लिमों, अश्वेतों और भारतीय मूल के लोगों खासकर हिंदुओं के खिलाफ नफरत को हवा दी है। बाइडेन के कार्यकाल में दक्षिण एशिया के लोगों के प्रति नफरत इंटरनेट तक सीमित थी, लेकिन ट्रंप के कार्यकाल में सड़क पर दिखाई देने लगी है। ट्रंप-एलन मस्क-रामास्वामी के बीच इमिग्रेंट मामले को लेकर जो बड़ी बहस हुई, उसके बाद भारतीयों की नौकरी छीनने की धमकियों में पहले की तुलना में 75 फीसदी की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई।

ट्रंप के एच-वन वीजा की फीस बढ़ाने और 104 भारतीयों को जबरन जहाज में भरकर वापस भेजने से उत्तेजना बढ़ी है। सेंटर फार द स्टडी ऑफ आर्गेनाइज्ड हेट के अध्ययन का निष्कर्ष है कि सिर्फ नस्लभेदी पोस्ट्स ही नहीं बल्कि टेक्सास, वर्जीनिया और कैलिफोर्निया में मंदिरों पर हमले के मामले भी बढ़े हैं। कुछ समय पहले केंटकी के स्वामीनारायण मंदिर पर भड़काऊ ढंग से 'जीसस इज द ओनली गॉड' लिख दिया गया था। अमेरिका में रहने वाले भारतीय अपने देश में चल रही राजनीतिक गतिविधियों पर नजर रखते हैं और उनमें एक बड़ा तबका अल्पसंख्यकों के घरों पर बुल्डोजर चलाने जैसी घटनाओं पर खुशी को छिपाता नहीं है।

इंडियन बिजनेस एसोसिएशन ने पिछली बार अमेरिका में 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए जो परेड निकाली थी, उसमें बुल्डोजर को भी शामिल किया गया था। ऐसा करते हुए यह भुला दिया जाता है कि वे खुद अमेरिका में अल्पसंख्यक हैं और इस तरह के प्रदर्शन खुद उनके खिलाफ नफरत की राजनीति के उत्प्रेरक बन जाते हैं। भारतीय मूल के लोगों के प्रति नफरत को इतनी हवा दी गई है कि अक्सर त्योहारों पर माहौल खराब होने लगा है। अमेरिका में तीस लाख के आसपास हिंदू हैं। अब यह परंपरा बन चुकी है कि दीवाली पर कैलीफोर्निया प्रांत में सार्वजनिक अवकाश होता है, व्हाइट हाउस में रोशनी होती है, लेकिन इस बार दीवाली पर ट्रंप प्रशासन में उच्च पदों पर बैठे कुछ भारतीय मूल के लोगों को ट्रोल किया गया। डाइरेक्टर आफ नेशनल इंडेलिजेंस तुलसी गाबर्ड और एफबीआई के प्रमुख काश पटेल ने जब दीवाली पर शुभकामनाएं दीं, तो कट्टरपंथियों ने उन्हें गालियां दीं और अमेरिका छोड़कर चले जाने को कहा।

भारतीय मूल के लोग नफरत की राजनीति के इस विस्तार को अपने अस्तित्व पर खतरे के रूप में देखना शुरू कर चुके हैं, जो सोशल मीडिया और दूसरे मंचों पर जाहिर उनकी चिंताओं में दिखाई देने लगा है। अगर वे अमेरिका में दक्षिण एशियाई, अफ्रीकी या अन्य मूल के अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न और अत्याचार की घटनाओं के विरोध में बोलते हैं, तो अपने आप एक ऐसे मोर्चे का निर्माण होगा, जो बहुसंख्यकों की मनमानी पर रोक लगाने की दिशा में सक्रिय हो सकता है। अभी तक ऐसा नही हो पाया है। वे दूसरे पीड़ितों के प्रति सहानुभूति रखेंगे, तो उन्हें भी समर्थन मिलेगा जो उनका सुरक्षा कवच बन सकता है। यहां भारत में अल्पसंख्यक सिख समुदाय से भी सीखा जा सकता है, जिन्होंने आपदा के समय सेवाभाव और परोपकार के कामों से प्रतिष्ठा पाई है और समाज में एक खास जगह बना ली है।

आमने

भाजपा निष्पक्ष चुनाव लड़ती है। अगर हम चुनाव को नियंत्रित करना चाहते, तो अंता चुनाव का नतीजा हमारे पक्ष में होता। अगर हम चुनाव को प्रभावित करते, प्रशासन की मदद लेते या वोटर लिस्ट में हेर-फेर करते तो आज चुनाव हमारी जेब में होता।

–राधा मोहन अग्रवाल

भाजपा प्रदेश प्रभारी, राजस्थान

सामने

अंता-उपचुनाव में बीजेपी के कई नेता प्रदेश भाजपा प्रभारी की शह पर अंदरखाने कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के साथ खड़े थे। राज्य सभा सांसद @AgrawalRMD द्वारा यह कहना कि हम चाहते, इसका अर्थ उन्होंने सीधे निर्वाचन आयोग को अप्रत्यक्ष रूप से अपनी पार्टी के अधीन बताया है।

–हनुमान बेनीवाल

सांसद आरएलपी, राजस्थान

मेगा मर्जर नहीं, नए ग्लोबल बैंकों की जरूरत

रजत मेहरोत्रा

वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

2023–24 में सरकारी बैंकों ने रिकॉर्ड 1.41 लाख करोड़ रुपये मुनाफा कमाया, जो 2024–25 में बढ़कर लगभग 1.78 लाख करोड़ तक पहुंच गया। यह दिखाता है कि बिना नए मर्जर के भी बैंक अपनी स्थिति सुधार सकते हैं।

भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अगले कुछ वर्षों में तीसरे स्थान तक पहुंचने की क्षमता रखता है। ऐसे समय में बैंकिंग ढांचे का मजबूत और स्थिर होना बहुत जरूरी है। फिलहाल देश में 12 सरकारी बैंक हैं, जो 2017 से 2020 के बीच 27 बैंकों को मिलाकर बनाए गए हैं। सरकार अब इन 12 बैंकों में भी 'मेगा मर्जर' की बात कर रही है, लेकिन सवाल यह है कि क्या बार-बार बैंकों को मिलाना सच में देश के लिए अच्छा कदम है? क्या इससे भारत को दुनिया के बड़े बैंकों के मुकाबले खड़ा किया जा सकेगा? इसका सीधा जवाब है- नहीं। भारत को मर्जर नहीं, बल्कि नई सोच की जरूरत है। ऐसे नए ग्लोबल बैंक बनाने की, जिनकी नींव शुरू से ही आधुनिक तकनीक, बड़ी पूंजी और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सोच पर रखी जाए।

पिछले कुछ वर्षों में सरकारी बैंकों की हालत बेहतर हुई है। पहले जहां बैंक भारी घाटों और बढ़ते एनपीए से जूझ रहे थे, वहीं 2023–24 में सरकारी बैंकों ने रिकॉर्ड 1.41 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया और 2024–25 में यह बढ़कर लगभग 1.78 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह दिखाता है कि बिना किसी नए मर्जर के भी बैंक अपनी स्थिति सुधार सकते हैं। 2018 में सरकारी बैंकों का खराब ऋण (एनपीए) करीब 14 प्रतिशत था, जो अब घटकर लगभग 3 प्रतिशत के आसपास आ गया है। इससे साफ है कि बैंकों ने खुद को ठीक किया है। ऐसे में यदि फिर से बड़े पैमाने पर मर्जर की योजना लाई जाती है, तो यह पहले से सुधरते सिस्टम में अनावश्यक दबाव डालेगा।

मर्जर का सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि दो या तीन बैंकों को जोड़ने में बहुत पैसा खर्च होता है। कंप्यूटर सिस्टम बदलना, आईटी प्लेटफॉर्म जोड़ना, शाखाएं मिलाना, कर्मचारियों की पोस्टिंग बदलना, पुराने लोगों और ब्रांडिंग हटाना आदि। इस पर हजारों करोड़ रुपये लग जाते हैं, जो ग्राहकों के हित में नहीं होते। यह खर्च सीधे आर्थिक विकास में योगदान नहीं देता, जबकि वही पैसा नए डिजिटल बैंक, आधुनिक तकनीक और ग्लोबल विस्तार पर खर्च किया जाए, तो उसका फायदा अधिक होगा।

दूसरी बड़ी समस्या यह है कि मर्जर के बाद बैंक बहुत बड़े हो जाते हैं, जिससे उनका काम 'तेज़' होने के बजाय 'धीमा' हो जाता है। निर्णय लेने में ज्यादा समय लगता है। शाखाओं में भीड़ बढ़ती है और स्थानीय ग्राहकों के लिए सेवाएं सुचारु नहीं रह पातीं। भारत जैसे देश में, जहां आधी से ज्यादा आबादी गांवों और छोटे कस्बों में रहती है, वहां बैंकों का स्थानीय स्तर पर मजबूत होना ज्यादा जरूरी है। अगर शाखाएं बंद होती हैं या बहुत दूर चली जाती हैं, तो ग्रामीण और छोटे व्यवसाय सबसे ज्यादा परेशान होते हैं।

जब हम अंतर्राष्ट्रीय बैंकों को देखते हैं- जैसे JP Morgan Chase, HSBC, ICBC, तो पता चलता है कि उनकी ताकत सिर्फ उनके आकार में नहीं है, बल्कि उनकी शुरुआत ही ग्लोबल विजन के साथ हुई थी। वे तकनीक पर खड़े हुए, अंतर्राष्ट्रीय लेन-देन में विशेषज्ञ बने और दुनिया भर के बाजारों में फैले। भारत अगर सिर्फ पुराने ढांचे को जोड़कर 'बड़ा बैंक' बनाएगा, तो वह इन दिग्गजों की बराबरी नहीं कर पाएगा। भारत को चाहिए कि वह शुरुआत से ही 2–3 नए 'वैश्विक बैंक' बनाए, जिनकी संरचना डिजिटल हो। जोखिम प्रबंधन आधुनिक हो और पूंजी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जुटाई जाए। ऐसे बैंक भारत को वैश्विक वित्तीय जगत में वह पहचान दिला सकते हैं, जिसकी हमें जरूरत है।

आज भारत की अर्थव्यवस्था 4.1 ट्रिलियन डॉलर के करीब है और अगले पांच साल में सात ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का लक्ष्य है। इस तेज विकास के लिए ऐसे बैंक चाहिए, जो दुनिया भर में काम कर सकें, न कि केवल घरेलू बाजार तक सीमित रह जाएं। भारत में 2025 तक बैंकिंग क्रेडिट लगभग 220 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ने का अनुमान है। इतनी बड़ी अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए सिर्फ मर्जर से बने 'भारी-भरकम' बैंक पर्याप्त नहीं होंगे। इसके लिए आधुनिक, तेज़ और वैश्विक सोच वाले बैंक चाहिए।

नीति के स्तर पर सरकार को दो समानांतर रास्ते अपनाने चाहिए। पहला, मौजूदा 12 बैंकों को उनकी क्षेत्रीय ताकत के साथ स्वतंत्र और स्थिर काम करने देना। दूसरा, 2–3 नए ग्लोबल बैंक बनाना, जिनका टारगेट 2035 तक दुनिया के टॉप 50 बैंकों में शामिल होना हो। इन नए बैंकों में बोर्ड पूरी तरह पेशेवर हो, टेक्नोलॉजी आधुनिक हो और पूंजी जुटाने की क्षमता अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो। ऐसे बैंक भारत की आउटबाउंड निवेश, ग्लोबल प्रोजेक्ट फाइनेंस, विदेशी मुद्रा कारोबार और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

भारत को यह समझना चाहिए कि मेगा मर्जर से बैंक 'बड़े' तो हो सकते हैं, लेकिन 'वैश्विक' नहीं। भारत की असल जरूरत है, नई नींव पर बने नए ग्लोबल बैंक की। मौजूदा बैंकों को मजबूत रहने दिया जाए और उनके ऊपर अनावश्यक मर्जर का दबाव न डाला जाए। देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने की दिशा में बैंकिंग का नया ढांचा चाहिए, जो आधुनिक, तेज, सुरक्षित और वैश्विक हो, इसलिए भारत को मेगा मर्जर नहीं, बल्कि मेगा विजन अपनाना चाहिए और यह विजन नए वैश्विक बैंकों के निर्माण से ही पूरा होगा।

सोशल फोरम

किस्सा मलबे में दबी एक साहसी लड़की का

13 नवंबर 1985 को, कोलंबिया में नेवाडो डेल रुइज ज्वालामुखी फट पड़ा। उसके विस्फोट से मिट्टी, बर्फ और चट्टानों की एक विशाल लहर नीचे की ओर बहती हुई आर्मेरो नामक शहर पर टूट पड़ी। कुछ ही मिनटों में लगभग 23,000 लोगों की जान चली गई। एक 13 साल की बच्ची Omayra Sanchez भी मलबे में दब गई, जिसकी कहानी पूरी दुनिया को झकझोर गई।

शोएब गाजी

ब्लॉगर

जब राहतकर्मी मलबे तक पहुंचे, तो उन्होंने ओमायरा को ठंडे पानी और कंक्रीट के टुकड़ों में कमर तक फंसा हुआ पाया। उसकी टांगें उसके ही घर के मलबे के नीचे दब चुकी थीं और उसके पैरों के नीचे उसकी चाची का शव था, बेहद दर्द में होने के बावजूद, वह अद्भुत शांति के साथ सब कुछ झेल रही थी।

पूरी दुनिया ने 60 घंटे तक रिपोर्टरों के कैमरों के जरिए इस बच्ची की अकल्पनीय हिम्मत को देखा। ओमायरा आसपास के लोगों से प्यार से बात करती, खाने या पानी के लिए पूछती, यहां तक कि यह चिंता करती कि वह स्कूल के लिए देर न कर दे। कभी वह धीरे-धीरे गाना गाती, तो कभी प्रार्थना करती। उसकी काली आंखों में डर भी था और एक अद्भुत साहस भी।

राहतकर्मियों ने हर संभव कोशिश की। पानी निकालने के लिए पंप लाए। उसे सान्त्वना दी। टांगें छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन मलबा बहुत भारी था। डॉक्टरों को पता था कि बिना सही उपकरण के उसे निकालना खून बहने से मौत का कारण बन सकता है। इन घंटों में पत्रकार फ्रैंक फोर्निर ने ओमायरा की तस्वीरें खींचीं। वे तस्वीरें जिन्होंने पूरी मानवता की अंतरात्मा को हिला दिया।

उसकी एक तस्वीर, जिसमें उसकी आंखें खुली थीं, चेहरा फीका और उंगलियां सूजी हुईं। बाद में World Press Photo of the Year का पुरस्कार जीती। यह कला के लिए नहीं, बल्कि उसकी सच्चाई और पीड़ा के लिए सम्मानित हुई।

ओमायरा के आखिरी शब्द प्यार से भरे थे। उसने बचावकर्मियों को धन्यवाद कहा। उसने अपनी मां से कहा- "मत रोना, मैं आराम करने के लिए तैयार हूं।" और 16 नवंबर की सुबह, 60 घंटे से अधिक संघर्ष करने के बाद, उस बहादुर लड़की ने हमेशा के लिए अपनी आंखें बंद कर लीं।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

पीहर की विरासत और बेटियों का दर्द

हर बेटी का अपने मायके से खास लगाव होता है। बेटी माता-पिता के शरीर का अंग होती हैं, पर ये कहानी एक ऐसी बेटी की है, जिसके जिस्म का एक अंग उसके पिता में समाहित हो गया था। नईहर (मायके) में जब ऐसी बेटी के ऊपर चप्पल उठ गई हो, तो उसके दिल को इतनी तकलीफ हुई होगी, जितनी तकलीफ उसे अपने पिता का जीवन बचाने के लिए अपने शरीर को चाक करके किडनी निकालने में भी नहीं हुई होगी।

राजद संस्थापक लालू प्रसाद यादव को अपनी किडनी देने वाली बेटी रोहिणी आचार्य का दर्द जब छलका तो मीडिया की सुर्खियां बन गया। देश के एक बड़े सियासी घराने की ये बात जब घर की दीवारें पार कर देश-दुनिया तक पहुंचीं, तो ये घटना सबको अखर रही है। बात बड़े सियासी घराने की थी, तो दुनिया तक पहुंच गई।

सीमा चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

सच तो ये है कि रोहिणी जैसी लाखों आम बेटियों का ऐसा दर्द, घर की चाहारदीवारों में सिसक कर खामोश हो जाता है। देश के घर-घर में न जाने ऐसी कितनी कहानियां होंगी, जो मीडिया के जरिए हमारे-आप तक नहीं पहुंच पातीं। ससुराल में तो आम बात है, औरत मायके में भी जुल्म का शिकार होती है। सड़क पर भी और संस्थान में भी।

बेटियां विदा होने के बाद भी मायके में अपनी जिम्मेदारियों निभाने के अवसर तलाश लेती हैं। ससुराल में छोटों को प्यार, बड़ों को सम्मान, पति को दिल और पिता को किडनी तक दे देती हैं। हर बुरे वक्त पर ससुराल से मायके दौड़ कर आ जाने वाली बेटी, विवाह उपरांत पीहर छोड़ती हैं, तो मां-बाप की विरासत को भी उनसे छीन लिया जाता है। सेवा संस्कार का हक तो बचा होता है, पर विरासत और जायदाद का हक उससे छीन लिया जाता है। लालू की पुत्री की कहानी में उससे उसके पिता की सियासत की विरासत का हक नहीं मिल रहा।

घर-घर की यही कहानी है। पुत्र घर का मालिक बन जाता है और पुत्री मेहमान। भाई राखी के बंधन की भी लाज न रखने वाला हो, तो बहन को अपने पिता के घर अपमानित होना पड़ता है। हमारे समाज के सुसंस्कारों में कुछ कुसंस्कार हैं। अन्यायपूर्ण न्याय है। रस्में और रवायतें ऐसी हैं कि हम अपनी बेटियों को पराया बना देते हैं। शायद इसी को पुरुष प्रधान समाज कहते हैं, जहां हम नारी को शक्ति मानते हैं। देवी का दर्जा देते हैं। नौ कन्याओं के पैर धोकर धार्मिक परंपराओं का पालन करते हैं, वहीं प्रयोगात्मक जीवन में बेटी, मां, बहन के साथ अक्सर अमानवीयता कर पुरुष प्रधानता के सुबूत देते हैं।

परवरिश से लेकर शिक्षा तक में पुत्र की अपेक्षा पुत्री से भेदभाव करते हैं। लड़की पराया धन है... मर्द हो तो ये करके दिखाओ... हमने चूड़ियां नहीं पहनी हैं... जैसे मुहावरों से लेकर, सारी गालियां महिलाओं पर घात करती हैं। हम नारी को देवी भी मानते हैं और नारी का तिरस्कार करने का हर मौका ढूंढते रहते हैं, लेकिन ये सत्य है कि लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा का सम्मान न हो तो घर से शक्ति, धन, यश, कीर्ति, समृद्धि, उन्नति, ज्ञान... सबकुछ रूठ कर चला जाता है।

अपने पिता लालू यादव को किडनी देने वाली बेटी रोहिणी आचार्य को पीहर के घर अपमानित होना पड़ा। उन पर चप्पल उठाई गई, तो एक बहन और बेटी क्या करती! अपनी वेदना व्यक्त की और मायके का घर और भाई से नाता तोड़कर रोती हुई अपनी ससुराल उलटे पैरों वापस हो गईं, जिसके मां-बाप दोनों पूर्व मुख्यमंत्री हों, ऐसी बेटी अपने छोटे भाई के व्यवहार से दुखी होकर मीडिया के सामने अपनी वेदना व्यक्त कर रही है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

टेक्निकल राइटिंग

कलम और की बोर्ड का शानदार संगम

कुछ लोगों की लेखनी में ऐसा दम होता है कि उनके शब्द पाठक को बांध लेते हैं। अगर आपको लिखना पसंद है और टेक्नोलॉजी की दुनिया में भी दिलचस्पी है, तो आपके लिए टेक्निकल राइटर के क्षेत्र में सबसे सही करियर विकल्प हो सकता है। यह ऐसा पेशा है, जहां शब्द और मशीन दोनों की भाषा एक साथ चलती है। अमेरिका के यूएस डिपार्टमेंट ऑफ लेबर की रिपोर्ट के मुताबिक, यह क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। आज आपको बताते हैं कि Technical Writing में अपना भविष्य कैसे बनाएं।

-ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर
बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

क्या होता है टेक्निकल राइटर

टेक्निकल राइटर वह होता है, जो किसी मशीन, सॉफ्टवेयर या ऐप को इस्तेमाल करने के तरीके को आसान शब्दों में समझाता है। जैसे मोबाइल का यूजर मैनुअल, किसी वेबसाइट का Help सेक्शन या किसी ऐप का गाइड या FAQ पेज-इन सबके पीछे टेक्निकल राइटर की मेहनत होती है। इस पेशे का उद्देश्य यही है कि टेक्नोलॉजी को आम लोगों के लिए समझना आसान बनाया जाए।

कैसे बनें टेक्निकल राइटर

टेक्निकल राइटर बनने के लिए किसी एक खास डिग्री की जरूरत नहीं होती, लेकिन अगर आपने इंग्लिश, मॉस कम्युनिकेशन, जर्नलिज्म या कंप्यूटर साइंस से पढ़ाई की है, तो फायदा जरूर होगा। साथ ही कई ऑनलाइन कोर्स भी उपलब्ध हैं, जो शुरुआती लोगों के लिए मददगार हैं, जैसे- Google Technical Writing Course, Coursera Technical Writing Specialization, इन कोर्सेस से आप सीख सकते हैं कि किसी तकनीकी जानकारी को किस तरह सरल, स्पष्ट और प्रोफेशनल अंदाज में लिखा जाए।

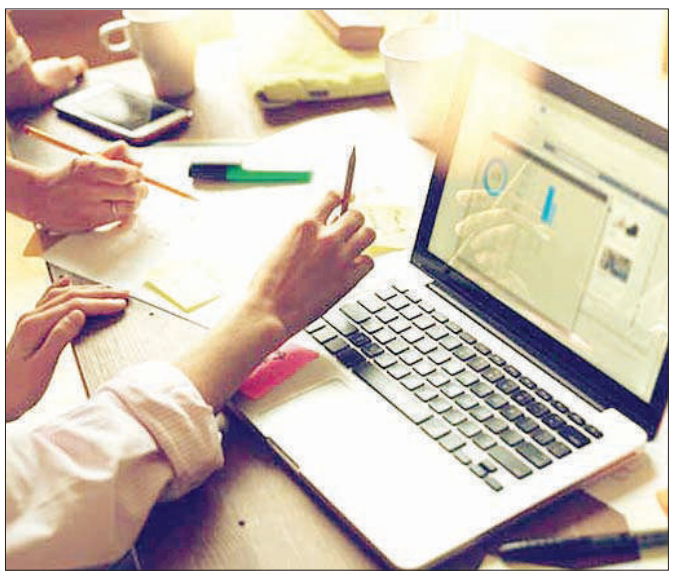

इन क्षेत्रों में अवसर

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में टेक्निकल राइटर्स की मांग लगातार बढ़ रही है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS), इंफोसिस, इंफोटेक और अन्य बड़ी आईटी कंपनियों में इनकी डिमांड हमेशा बनी रहती है। इसके अलावा विज्ञापन एजेंसियों, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट फर्म्स, मीडिया संस्थानों और यहां तक कि सरकारी विभागों में भी इनकी मांग बढ़ी है। अगर आप स्वतंत्र रूप से काम करना पसंद करते हैं, तो बतौर फ्रीलांसर टेक्निकल राइटर भी अच्छा करियर बना सकते हैं। आज कई वेबसाइट्स और स्टार्टअप्स प्रोजेक्ट-बेस्ड काम देती हैं, जिससे आप घर बैठे अच्छी कमाई कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

एक सफल टेक्निकल राइटर बनने के लिए केवल लिखने की क्षमता ही नहीं, बल्कि रिसर्च और तकनीकी समझ भी जरूरी है। इस क्षेत्र में सफलता के लिए आपके पास ये कौशल होने चाहिए-

- साफ और सरल भाषा में लिखने की कला
- रिसर्च करने और जानकारी को संक्षेप में प्रस्तुत करने की क्षमता
- ग्रामर और एडिटिंग की अच्छी समझ
- तकनीकी जानकारी और कंप्यूटर टूल्स की पकड़

कम्युनिकेशन स्किल्स

- डॉक्यूमेंटेशन टूल्स जैसे-MS Word, FrameMaker, Markdown आदि का ज्ञान
- चार्ट, स्क्रीनशॉट या डायग्राम के जरिए चीजों को दिखाने की क्षमता
- टाइम मैनेजमेंट और डेडलाइन पर काम करने की दक्षता

प्रमुख संस्थान

- डॉक्यूमेंटेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर, बेंगलुरू
- फॉर सी कंटेंट एक्सपर्ट्स, बेंगलुरू
- टी. डब्ल्यू.बी. इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल कम्युनिकेशन, बेंगलुरू
- टेक्नोप्वॉइंट, बेंगलुरू
- टेक्नोराइटर्स एकेडमी, पुणे
- एक्स.आई.सी, मुंबई
- यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, केरल

सैलरी एंड करियर ग्रोथ

टेक्निकल राइटिंग के साथ विकास के कई रास्ते भी खुलते हैं। एक प्रवेश-स्तर के तकनीकी लेखक के रूप में शुरुआत करके, आप वरिष्ठ या प्रमुख पदों पर पहुंच सकते हैं या सामग्री रणनीति या सूचना वास्तुकला जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता भी प्राप्त कर सकते हैं। अनुभव के साथ, अपने करियर के दौरान दिशाएं बदलना संभव है। शुरुआती महीनों में 25,000 से 40,000 रुपये तक कमा सकते हैं। अनुभव और विशेषज्ञता बढ़ने के साथ आप सीनियर टेक्निकल राइटर, कंटेंट स्ट्रैटेजिस्ट या इन्फॉर्मेशन आर्किटेक्ट जैसे पदों तक पहुंच सकते हैं, जहां सैलरी 80,000 रुपये या उससे अधिक हो सकती है। आप चाहे तो फ्रीलांसिंग करके घर से भी अच्छा पैसा कमा सकते हैं।

जॉब अलर्ट

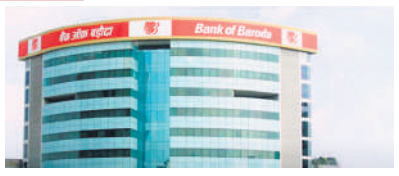

बैंक ऑफ बड़ौदा

- पद का नाम : प्राप्य प्रबंधन पद (कॉन्ट्रैक्ट बेस)
- पदों की संख्या : 82
- वेतन : योग्यता या अनुभव के आधार पर
- योग्यता : स्नातक (वरीयता : एमबीए / पीजी डिप्लोमा)
- आयु सीमा : 25 से 52 वर्ष (पदानुसार)
- अंतिम तिथि : 09-12-2025
- वेबसाइट : bankofbaroda.in

ईएसआईसी

- पद का नाम : प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर एवं शैक्षणिक पद
- पदों की संख्या : 256
- योग्यता : पदानुसार
- वेतन : 67,100-1,23,100 रुपये
- वॉक-इन इंटरव्यू तिथि- 24 -25नवंबर, 2025
- वेबसाइट : esic.gov.in

एमपीएमकेवीवीसीएल

- पद का नाम : ट्रेड अप्रेंटिसशिप
- पदों की संख्या : 309
- योग्यता : आईटीआई
- आयु सीमा : 18-25 वर्ष
- अंतिम तिथि : 07 दिसंबर,2025
- वेबसाइट : mpcz.in

ओडिशा हाइड्रो पावर कॉर्पोरेशन लि.

- पद का नाम : इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, वेल्डर ट्रेनी एवं स्टोर कीपर ट्रेनी
- पदों की संख्या : 125
- वेतनमान : 22,500 - 81,100 रुपये (ट्रेनिंग के दौरान 22,700 रुपये स्टाइपेंड मिलेगा)
- आयु सीमा : 18 से 32 वर्ष
- अंतिम तिथि : 11 दिसंबर, 2025
- वेबसाइट : admin.ohpcltd.com

कैंपस में पहला दिन

उत्साह के साथ चिंता भी थी मन में

उस दिन उत्साह, घबराहट और सपनों का एक अद्भुत संगम मेरे मन में उमड़ रहा था। वह दिन था, जब मैं इंटर की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद अपने पसंदीदा पाठ्यक्रम बी.फार्मा. में प्रवेश लेने शहर के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में पहुंची थी। यह दिन मेरे करियर की नई यात्रा का पहला पड़ाव था, इसलिए मन में उत्सुकता कुछ ज्यादा ही थी। मैं समय से पहले कॉलेज पहुंच गई और जैसे ही गेट के अंदर कदम रखा, लगा मानो किसी बिल्कुल नई दुनिया में प्रवेश कर रही हूं। विशाल इमारतें, प्रयोगशाला से आने वाली हल्की-सी महक, सफेद कोट पहने वरिष्ठ विद्यार्थी, यह सब कुछ मुझे बरबस ही आकर्षित कर रहा था।

इंटर की मेरिट अच्छी होने के कारण मुझे आसानी से प्रवेश मिल गया। अपनी कक्षा तक पहुंचते हुए रास्ते भर दिमाग में कई सवाल उठ रहे थे। क्या मैं सबके बीच तालमेल बिठा पाऊंगी? क्या पढ़ाई बहुत कठिन होगी? क्या नए माहौल में मैं खुद को समायोजित कर पाऊंगी? यह सोच ही रही थी कि तभी दो-तीन नई छात्राओं से बात हुई और कुछ ही मिनटों में हम एक-दूसरे के साथ सहज हो गए। यह छोटी-सी बातचीत मेरे लिए आत्मविश्वास का पहला कदम बन गई।

कक्षा शुरू हुई, तो प्रोफेसर ने बी फार्मा की पढ़ाई, दवाओं के विज्ञान और इस क्षेत्र की जिम्मेदारियों को बड़े सरल, लेकिन प्रभावी अंदाज में समझाया। उनका कहना था कि यह केवल एक डिग्री नहीं, अपितु मानवीय सेवा से जुड़ा हुआ एक संवेदनशील पेशा है। उनकी बातें सुनकर मेरे मन में गर्व और उत्साह का संचार हुआ। जब उन्होंने हमें बताया कि आने वाले दिनों में हमें प्रयोगशालाओं में काम करना होगा, विभिन्न रसायनों से परिचित होना होगा और औषधि निर्माण के छोटे-छोटे प्रयोग करने होंगे, तो मेरे भीतर की जिज्ञासा फिर से जाग उठी। दोपहर में हम कैंटीन गए, जहां माहौल पूरी तरह अलग था। वहां हंसी-मजाक, बातचीत और नए संबंधों की शुरुआत का सुंदर मिश्रण था। हमने अपने-अपने स्कूल के अनुभव, घर की बातें और भविष्य के सपने साझा किए। कुछ ही घंटों में जो लोग अजनबी थे, वे अब दोस्त जैसा महसूस होने लगे।

प्रथम दिन का सबसे रोमांचक हिस्सा था-फार्मेसी लैब का पहला दौरा। पारदर्शी बोतलों में रखे रंग-बिरंगे रसायन, व्यवस्थित उपकरण, बड़े-बड़े मापयंत्र यह सब कुछ मैंने बड़ी उत्सुकता से देखा। मुझे महसूस होने लगा कि यही वह जगह है, जहां आने वाले चार वर्षों में मैं अपने सपनों को आकार दूंगी। जब शाम को कॉलेज से बाहर निकली, तो सुबह की घबराहट मानो कहीं गायब हो चुकी थी। उसकी जगह नई ऊर्जा और आत्मविश्वास ने ले ली थी। यह सिर्फ कॉलेज का पहला दिन ही नहीं था, बल्कि यह मेरी पेशेवर यात्रा की नींव रखने वाला दिन था, जो मुझे हमेशा याद रहेगा और आगे बढ़ने की मुझे हमेशा ही प्रेरणा देता रहेगा।

-प्रेरणा अवस्थी
लखीमपुर खीरी

नोटिस बोर्ड

- बरेली कॉलेज एवं क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त प्रयास से 21 नवंबर (शुक्रवार) को विशाल रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। आयोजन नए परीक्षा भवन में सुबह 9 बजे से होगा। मेले में निजी क्षेत्र की लगभग 25 प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी, जो लगभग 2000 रिक्तियों पर चयन करेंगी।
- 26 नवंबर से एचबीटीयू में बायोगैस पर विशेष कार्यशाला आयोजित होगी। यह कार्यशाला चार दिन तक चलेगी। बायो कैमिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यशाला में उद्यमी भी शामिल होंगे।

डिग्री के बिना सफलता की राह करें आसान

कई बार हालात ऐसे बन जाते हैं कि हम चाहकर भी अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते। कोई कॉलेज तक नहीं पहुंच पाता, तो कोई बीच में ही पढ़ाई छोड़ देता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि करियर रुक गया। आज का समय स्किल का है और अगर आपके पास सही स्किल है, तो डिग्री न होने के बावजूद भी आप शानदार कमाई कर सकते हैं। आज हम ऐसे ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स के बारे में बात करेंगे, जो आने वाले समय में सबसे ज्यादा मांग वाले स्किल बनेंगे और जिनके जरिए आप आसानी से अच्छी नौकरी भी पा सकते हैं। -फीचर डेस्क

ये कोर्स काफी डिमांड में होंगे

साल 2026 तक कई ऐसे ऑनलाइन सर्टिफिकेशन मौजूद होंगे, जो टेक्नोलॉजी और बिजनेस के फील्ड में इंडस्ट्री द्वारा मान्यता प्राप्त होंगे और डिग्री की जगह ले सकेंगे। जी हां, डिग्री की जगह। मतलब अब आपको डिग्री लेने की जरूरत नहीं है। आप बस ये ऑनलाइन कोर्स भी कर सकते हैं।

AWS सॉल्यूशंस आर्किटेक्ट

अमेजन वेब सर्विसेज का यह कोर्स क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर डिजाइन करने की ट्रेनिंग देता है। इस कोर्स के बाद छात्रों को सर्टिफिकेट दिया जाएगा। यह कोर्स मुख्य AWS सेवा जैसे कि कंप्यूट, स्टोरेज, नेटवर्किंग और सुरक्षा के बारे में छात्रों को बताता है। साथ ही AWS के Well-Architected Framework के बारे में छात्रों को जानकारी देता है।

सर्टिफाइड स्क्रम मास्टर

स्क्रम मास्टर प्रमाणन (सीएसएम) एजाइल मैनेजमेंट के बारे में बताता है। सॉफ्टवेयर के फील्ड में डेवलेपमंट के लिए ये कोर्स काफी महत्वपूर्ण है। इस कोर्स में भी सर्टिफिकेट दिया जाता है।

हबस्पॉट कंटेंट मार्केटिंग सर्टिफिकेशन

डिजिटल मार्केटिंग में करियर बनाना है, तो ये कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स में कॉन्टेंट स्ट्रैटजी और इनबाउंड मार्केटिंग के बारे में बताया जाता है। ये आम मार्केटिंग कोर्स से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

प्रोजेक्ट मैनमेंट प्रोफेशनल (PMP)

किसी भी छोटे-बड़े प्रोजेक्ट को हैंडल करने के लिए एक्सपर्ट की जरूरत पड़ती है। ऐसे में ये कोर्स काफी महत्वपूर्ण है। कई जगहों पर इस सर्टिफिकेट कोर्स को डिग्री के बदले स्वीकार भी किया जाता है। इन्हें 12-22 लाख रुपये प्रति वर्ष सैलरी मिलती है।

माइक्रोसॉफ्ट सर्टिफाइड फंडामेंटल्स

क्लाउड कंप्यूटिंग और माइक्रोसॉफ्ट के बारे में इस कोर्स के बताया जाता है। इस कोर्स की मदद से आप क्लाउट कंप्यूटिंग से जुड़े स्किल्स सीख पाएंगे। यह एक सर्टिफिकेट कोर्स है।

सर्टिफाइड डाटा प्रोफेशनल (CDP)

डेटा से जुड़े स्किल्स की मार्केट में काफी मांग है। इस कोर्स में सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इस कोर्स में नौकरी के काफी अवसर मिलते हैं। अनुभव के साथ ही सैलरी लाखों में मिलती है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , गुरुवार,20 नवंबर 2025

सिटी ब्रीफ

शहीदी दिवस पर होंगी राज्य स्तरीय एवं जनपद स्तरीय प्रतियोगिताएं

बाजपुर : राज्य सरकार द्वारा सिख पंथ के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित राज्य स्तरीय एवं जनपद स्तरीय प्रतियोगिताएं 20 नवंबर को आयोजित की जाएगी। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक मुकुल कुमार सती द्वारा सभी मुख्य शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। आदेश में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' थीम पर आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में श्री गुरु तेग बहादुर के अद्वितीय बलिदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को जागृत करने का उद्देश्य से कार्यक्रमों में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के बीच भाषण, वाद-विवाद, कविता पाठ और कला/चित्रकला से संबंधित प्रतियोगिताएं 20 नवंबर को आयोजित की जाएंगी। इसके तहत प्रदेशभर के सभी विद्यालयों में प्रभात फेरी और जागरूकता रैलियां निकालने के भी निर्देश दिए गए हैं। 20 नवंबर को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

निबंध प्रतियोगिता में रीना कौर रही प्रथम

काशीपुर : चंद्रावती तिवारी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एंटी ड्रग कमेटी द्वारा ''नशा मुक्त भारत' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय की रीना कौर बीए पंचम सेमेस्टर प्रथम, काजल कश्यप बीए पंचम सेमेस्टर द्वितीय एवं आरती शर्मा बीए प्रथम सेमेस्टर तृतीय स्थान पर रही। निर्णायक की भूमिका डॉ. ज्योति रावत एवं डॉ. मंगला ने निभाई। वहां पर एसो. प्रो. डॉ. रमा अरोरा, असि. प्रो. डॉ. अंजलि गोस्वामी, डॉ. रंजना, डॉ. ज्योति गोयल, डॉ. पुष्पा धामा, प्राची धौलाखण्डी, शीतल अरोरा, डॉ. गीता मेहरा एवं सृष्टि सिंह आदि मौजूद रहे।

क्विक कॉमर्स पर स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम हुआ

काशीपुर : राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कृत्रिम मेधा एवं क्विक कॉमर्स पर एक स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। बुधवार को कॉलेज में प्राचार्य प्रो. सुमिता श्रीवास्तव ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी कृत्रिम मेधा और क्विक कॉमर्स के क्षेत्र में अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ा सकते हैं। इसका उद्देश्य छात्रों को कृत्रिम मेधा और क्विक कॉमर्स के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों और प्रवृत्तियों से अवगत कराना है। पंकज तिवारी ने कृत्रिम मेधा और डॉ. शोभित त्रिपाठी ने क्विक कॉमर्स के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य आयोजक डॉ. किरण कुमार पंत, डॉ. कृष्ण कुमार ने सभी का आभार जताया।

पशु शवदाह गृह समेत 19 प्रस्ताव हुए पारित

नगर निगम बोर्ड की बैठक में पार्षदों के लिए गए सुझाव, 10 ई-रिक्शा स्टैंड, 500 दुकानों का निर्माण होगा

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: नगर निगम की बोर्ड में शहर के विकास के लिए लाए गए सभी 20 बिंदुओं पर चर्चा के बाद उन्हें ध्वनि मत से पास कर दिया गया। इसमें पशु शवदाह गृह, श्मशान घाट की सुरक्षा दीवार, 10 ई-रिक्शा स्टैंड, 500 दुकानों का निर्माण, ईवी स्टेशन, कूड़े की निगरानी के लिए सचल दल का गठन करने सहित 19 प्रस्ताव पारित किए गए। साथ ही पार्षदों से सुझाव और प्रस्ताव मांगे गए।

महापौर दीपक बाली की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बैठक में नगर निगम कर्मियों की वर्दी आदि वितरण और पशु शवदाह गृह निर्माण के लिए अनुमोदन को स्वीकृत किया गया। महापौर ने कहा कि पार्षदों ने अपने-अपने वार्ड के संबंध में जन समस्याओं के निदान के लिए जो पत्र दिए हैं उन्हें एक सप्ताह के अंदर संबंधित विभागों को भेज दिया जाएगा। हर 15 दिन के अंतर पर एक बार सभी पार्षद और नगर निगम सहित अन्य विभागों के अधिकारी बैठकर समस्याओं के निदान पर मंथन करेंगे और उनका निदान करेंगे। महापौर ने बताया कि वार्ड संख्या 11 एवं 40 के विकास के लिए इन दोनों वार्डों को जिला विकास प्राधिकरण को गोद दिया जा रहा है। नगर निगम क्षेत्र में शीघ्र ही विभाजन विभीषिका पार्क का निर्माण होगा जिसका उद्घाटन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से कराया जाएगा। नगर निगम क्षेत्र के सभी श्मशान घाटों की दशा सुधारी जाएगी और पोस्टमार्टम हाउस का भी जीर्णोद्धार स्वास्थ्य विभाग से बात करके कराया जाएगा। बोर्ड बैठक का संचालन कार्यालय अधीक्षक विकास शर्मा ने किया। बैठक में नगर आयुक्त रविंद्र सिंह बिष्ट, सहायक नगर आयुक्त विनोद शाह और कमल मेहता, अकाउंटेंट शिवेंद्र खनायत नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमरजीत सिंह साहनी, एसआई मनोज बिष्ट, जगदीश सहित नगर निगम पार्षदों ने भाग लिया।

काशीपुर में बोर्ड बैठक के दौरान विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते पार्षद। ● अमृत विचार

हाउस टैक्स में अर्थ दंड से मिलेगी राहत

काशीपुर : महापौर ने बताया कि जनवरी से नगर निगम जनता के द्वार कार्यक्रम शुरू करेगा और प्रत्येक वार्ड में महापौर अधिकारियों के साथ पहुंचकर जनता दरबार लगाएंगे। महापौर ने सभी पार्षदों से कहा कि जो भी अपने-अपने वार्ड के क्षेत्र में नगर निगम के विस्तार के प्रति इच्छुक हैं वे अपना-अपना प्रस्ताव बना कर दें। वहीं, हाउस टैक्स जमा करने में अर्थ दंड से राहत दी गई है और अब हाउस टैक्स जमा करने की अवधि एक अप्रैल से 31 मार्च तक हुआ करेगी और जो व्यक्ति प्रथम तीन माह के अंदर अर्थात जून तक अपना हाउस टैक्स जमा कराएगा उसे टैक्स में पांच प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

स्ट्रीट लाइटों की देखरेख के लिए संस्था करेगी काम

काशीपुर : महापौर ने बताया कि उनके द्वारा स्ट्रीट लाइटों के निदान के लिए स्थाई व्यवस्था कर दी गई है और भारत सरकार के उपक्रम ईएसएसएल से मीटिंग होकर सहमति बन गई है। यही संस्था शहर में लाइटों को लगाने का काम करेगी और भुगतान प्रदेश सरकार की ओर से किया जाएगा। यह संस्था खराब हुई स्ट्रीट लाइटों को 48 घंटे के अंदर बदल देगी और शहर के लगभग 24-25 हजार खंभों में कोई ऐसा नहीं बचेगा जिस पर लाइट न लगे। अभी तक नगर निगम के पास कर्मचारियों का अभाव होने के चलते स्ट्रीट लाइटों को लगाने में दिक्कत आ रही थी जो भविष्य में नहीं होगी।

बोर्ड बैठक में ये पार्षद रहे मौजूद

राशिद फारुकी, हुस्न जहां, संदीप सिंह मोनू, विजय बॉबी, मयंक मेहता, पुष्कर सिंह बिष्ट, दीपा पाठक, अनिल कुमार, बीना नेगी, अनीता कंबोज, वैशाली गुप्ता, संजय शर्मा, कुलदीप शर्मा, प्रिंस बाली, अब्दुल कादिर, मोनिष, गुंजन प्रजापति, मनोज जग्गा, नजमा बेगम, मोहम्मद शरीफ, सुरेश कुमार सैनी आदि।

क्रेशर के अंदर खनन कर रही पोकलेन मशीन सीज

काशीपुर में अवैध खनन में लिप्त पोकलेन मशीन। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: कुंडेश्वरी चौकी पुलिस टीम ने एक स्टोन क्रेशर के अंदर से अवैध खनन में इस्तेमाल हो रही एक एक्सकेवेटर मशीन (पोकलेन) को सीज कर एक ऑपरेटर को गिरफ्तार किया है।

मंगलवार शाम कुंडेश्वरी चौकी पुलिस टीम को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर टीम ने ग्राम ढकिया नं. 1 स्थित "काशीपुर स्टोन क्रेशर" पर छापा मारा। मौके पर टीम ने पाया कि एक एक्सकेवेटर मशीन (पोकलेन) का इस्तेमाल करके बड़े पैमाने पर अवैध खनन किया जा रहा था, जिससे जमीन में एक विशाल और गहरा गड्ढा बन चुका था। पुलिस ने तुरंत एक्सकेवेटर मशीन को सीज कर अपने कब्जे में ले लिया और खनन कार्य कर रहे ऑपरेटर दिनेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ बीएनएस की 303 (2), खान एवं खनिज अधिनियम 1957 की धारा 4/21 और पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम, 1986 की धारा 15 के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है। कुंडेश्वरी चौकी प्रभारी चंदन सिंह बिष्ट ने बताया कि अवैध खनन के विषय में संबंधित विभाग को अलग से रिपोर्ट भेजी जाएगी और इस पूरे अवैध कार्य में संलिप्त अन्य व्यक्तियों की जानकारी भी जुटाई जा रही है। टीम में कां. जगदीश पपनै, दर्शन सिंह व किशोर फर्त्याल शामिल रहे।

पांच हजार इंजेक्शन और कई बोतल सिरप पकड़ी

- कोतवाली काशीपुर व एसओजी की टीम ने दबोचा तस्कर
- पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में दर्ज किया मुकदमा

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान चलाकर आठ लाख रुपये से अधिक कीमत के पांच हजार अवैध इंजेक्शन और 326 बोतल अवैध सिरप के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी बिना लाइसेंस व बिना बिल के स्कूटी से नशीले पदार्थों का अवैध परिवहन कर रहा था।

काशीपुर पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने बीती मंगलवार रात को टांडा बाग वाली रोड पर चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान स्कूटी पर सवार एक व्यक्ति को रोका गया। उसकी तलाशी लेने पर, स्कूटी पर रखी पांच गत्ते की पेटियों में बिना लाइसेंस और बिना बिलों के भारी मात्रा में नशीली दवाएं बरामद हुईं।

गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान दीपक ठाकुर निवासी ग्राम शक्तिखेड़ा, थाना भगतपुर, जनपद मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई। पुलिस ने बरामद माल को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही की है। साथ ही स्कूटी को भी सीज किया गया है।

काशीपुर में अवैध इंजेक्शन और सिरप के साथ गिरफ्तार आरोपी। ● अमृत विचार

ये रहे टीम में शामिल

टीम में उप निरीक्षक हेमचंद तिवारी, एसओजी प्रभारी सुनील सुतेडी, उप निरीक्षक मनोज सिंह धोनी, हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार व दीपक कुमार, कांस्टेबल हरीश और कैलाश तोमक्याल शामिल रहे।

यह हुआ माल बरामद

1. बाइनोर्फिन- ब्यूप्रेनोर्फिन इंजेक्शन- 200 कार्टन (5000 इंजेक्शन)
2. कोडीन फॉस्फेट और ट्रिप्रोलिडाइन एचसीएल सिरप- 326 बोतलें
3. एक सफेद स्कूटी

49वीं वाहिनी ने 39 वीं को 2-0 से हराया

- एसएसबी में वॉलीबॉल प्रतियोगिता का किया आयोजन
- कमांडेंट मनोहर लाल ने किया खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : 57वीं वाहिनी एसएसबी में अंतरवाहिनी वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 49वीं वाहिनी ने 39 वीं वाहिनी को 2-0 से हराकर उद्घाटन मैच में शानदार जीत हासिल की।

बुधवार को कमांडेंट मनोहर लाल के नेतृत्व में 57वीं वाहिनी परिसर में अंतर वाहिनी फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कमांडेंट मनोहर लाल ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य बल के जवानों में खेल भावना को प्रोत्साहन करना, टीम भावना को मजबूत करना और प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे की प्रतियोगिताओं के लिए चयनित करना है।

उन्होंने कहा कि विजयी टीम मुख्यालय स्तर पर प्रतिभाग करेगी। इससे जवानों में खेल के प्रति सकारात्मकता, उत्साह और अनुशासन का भाव उत्पन्न होगा। जिससे उनका शारीरिक, मानसिक विकास होगा। इस मौके पर उप-कमांडेंट दीपक तोमर, सहायक कमांडेंट अरविंद कुमार, निरीक्षक मुन्नी, राजू कुमार सहित अन्य अधिकारी और जवान मौजूद रहे।

सितारगंज स्थित 57वीं वाहिनी एसएसबी में वालीबॉल खेलते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

केवि में तृतीय सोपान प्रशिक्षण शुरू

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में तीन दिवसीय तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें 13 विद्यालयों के 81 स्काउट, 63 गाइड कुल 144 स्काउट गाइड शिरकत कर रहे हैं। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य त्रिभुवन प्रकाश आर्य द्वारा मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया गया।

शिविर में विद्यालय के बच्चों ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत तथा देशभक्त से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांधा। प्राचार्य त्रिभुवन प्रकाश आर्य ने सभी प्रशिक्षकों एवं विभिन्न विद्यालयों से आए हुए छात्र-छात्राओं का स्वागत किया तथा प्रशिक्षण में अनुशासित रूप से प्रतिभाग करने के निर्देश दिए। सुधांशु अग्रवाल ने तीन दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया तथा छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण के नियमावली से भी परिचित कराया। संचालन प्राथमिक शिक्षिका जैनब निजाम ने किया और वरिष्ठ शिक्षक शैलेंद्र कुमार शर्मा ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। शिविर में खटीमा के साथ ही रुड़की, हल्द्वानी, भीमताल, पिथौरागढ़, ऋषिकेश, काशीपुर तथा बनबसा के बच्चे शिक्षकों के साथ तीन दिन तक विद्यालय में ही रहकर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। जिनके आवास और भोजन की व्यवस्था विद्यालय स्तर पर की गई है। इस अवसर पर सुधांशु अग्रवाल, पुष्पा पंत आदि मौजूद रहे।

खटीमा में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में मंचासीन अतिथि। ● अमृत विचार

गन्ने के उत्तम बीजों की बुवाई करें किसान

काशीपुर: गन्ना किसान संस्थान एवं प्रशिक्षण केंद्र काशीपुर द्वारा गन्ना विकास परिषद नादेही परिक्षेत्र के ग्राम सीपका में एक दिवसीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। बुधवार को आयोजित गोष्ठी में गन्ना विभाग के प्रचार एवं जनसंपर्क अधिकारी नीलेश कुमार ने गन्ने की बुवाई जैसे विषय में किसानों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि शरद कालीन गन्ना बुवाई का समय है। गन्ना किसान अपनी खेत की अच्छी सी तैयारी कर ले। जिन गन्ना किसानों को शरद कालीन गन्ना की बुवाई करनी है वह उत्तम बीज का चुनाव करें। प्रत्येक गन्ना कृषक अपनी खेत का निरीक्षण करें तथा जो भी बीमारी के लक्षण उसमें पाए जाए उसका फोटो लेकर वैज्ञानिकों को भेजें।

प्रतियोगिता से खिलाड़ियों का बढ़ता है मनोबल

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: लिटिल चैंपियन स्कूल मदनापुर प्रबंधक तरुण कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षण के साथ खेल का ज्ञान जरूरी है। वार्षिक खेल प्रतियोगिता से विद्यालय के खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए न्याय पंचायत संकुल, ब्लॉक व जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का मौका मिलता है। पूर्व में विद्यालय के खिलाड़ियों ने राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया है। इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

बुधवार को लिटिल चैंपियन स्कूल मदनापुर में तीन दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रबंधक तरुण कुमार सिंह व प्रधानाचार्य अनीता त्रिपाठी ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय के खिलाड़ियों को चार हाउसों में बांटा गया था। जूनियर व सीनियर वर्गों के खिलाड़ियों की अलग-अलग टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किए। इस दौरान 100 मी, 200 मी, 300 मी व 400 मी दौड़ के साथ कबड्डी, खो- खो, चैस, कैरम, लूडो व टेबल- टेनिस आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। निर्णायक की भूमिका विजयलक्ष्मी, पवन गोस्वामी, सूरज जोशी, सूरज सामंत व विजय सामंत ने निभाई। कार्यक्रम का संचालन रिया सिंह, सिया फुटेला, व सलोनी कक्कड़ ने किया। इस अवसर पर कोच पंकज प्रजापति, अन्नू गुलाटी, ऋचु बहुगुणा, विपिन चंद्र जोशी, पुष्पा तिवारी, ऋचु राजपूत, दीक्षा कोश्यारी,कोमल बिष्ट, सूरज जोशी, पुष्पेंद्र, विश्वजीत, कुलविंदर, सचिन राणा आदि मौजूद रहे।

लिटिल चैंपियन स्कूल मदनापुर में वार्षिक खेल प्रतियोगिता में जूनियर टीम के खिलाड़ियों से परिचय लेते प्रबंधक तरुण कुमार सिंह।

सितारगंज में सीएससी सेंटर में बनाए गए प्रमाण पत्रों की जांच करते तहसीलदार।

सितारगंज के सीएससी सेंटर में की छापेमारी

सितारगंज : तहसीलदार हिमांशु जोशी ने सितारगंज और नानकमत्ता के सीएससी सेंटरों में छापेमारी की है। वहीं, अधिकारियों की इस कार्रवाई से सेंटर संचालकों में हड़कंप मच गया। डीएम नितिन नितिन सिंह भदोरिया के निर्देश पर बुधवार को तहसीलदार हिमांशु जोशी ने राजस्व विभाग की टीम के साथ छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान अधिकारियों ने सितारगंज और नानकमत्ता के दर्जनों सीएससी सेंटर में बनाए जा रहे प्रमाण पत्र की जांच की। तहसीलदार हिमांशु जोशी ने बताया कि सभी सीएससी सेंटरों को नियमानुसार कार्य करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, मानक अनुसार कार्य न किए जाने पर संचालकों को सेंटर को सील करने की चेतावनी दी है। टीम में पटवारी दीपक मेहर कानूनगो अमित शाही शामिल रहे।

उत्साह | उड़ीसा के विभिन्न शहरों में आयोजित हुईं राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिताएं

स्वाति ने तैराकी में जीते दो स्वर्ण, एक कांस्य

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: एकलव्य विद्यालय संगठन समिति द्वारा उड़ीसा के विभिन्न शहरों में आयोजित राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में एकलव्य आवासीय विद्यालय की छात्रा स्वाति ने दो स्वर्ण और एक कांस्य तथा राधिका ने कबड्डी रजत पदक जीतकर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

समिति द्वारा 11 से 15 नवंबर तक राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन बिरसा मुंडा स्टेडियम राउरकेला सुंदरगढ़ और राज गंगपुर उड़ीसा के शहरों में आयोजित किया गया। जिसमें प्रदेश के चारों एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के 262 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं प्रदेश के बच्चों ने 26 स्वर्ण, 22 रजत और 15 कांस्य पदक अर्जित किए। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय खटीमा की नवीं की छात्रा स्वाति ने 50 मीटर फ्री स्टाइल तैराकी और 200 मीटर फ्री स्टाइल में स्वर्ण पदक तथा 100 मीटर फ्री स्टाइल तैराकी में कांस्य पदक जीता। वहीं राधिका ने प्रदेश की कबड्डी टीम में प्रतिभाग करते हुए रजत पदक प्राप्त किया विद्यालय और प्रदेश का नाम रोशन किया है। एकलव्य आदर्श विद्यालय के बच्चों की उपलब्धि पर पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, प्राचार्य भारती यादव, भाजपा पूर्व नगर मंडल महामंत्री मनोज वाधवा शिक्षक अभिलाषा, पूजा आदि ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

तैराकी और कबड्डी में मेडल जीतने वाली स्वाति और राधिका के साथ प्राचार्य।

बरहैनी में महिलाओं को मशरूम उत्पादन बैग प्रदान करतीं अध्यक्ष उमा जोशी।

एक हजार मशरूम उत्पादन बैगों का वितरण किया

बाजपुर : मधुबन स्वायत्त सहकारिता बरहैनी बाजपुर में बुधवार को महिला किसानों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। मधुबन की अध्यक्ष उमा जोशी के नेतृत्व में उद्यान विभाग के सहयोग से 80 प्रतिशत सब्सिडी के अंतर्गत कुल एक हजार मशरूम उत्पादन बैगों का वितरण किया गया। अध्यक्ष उमा जोशी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्हीं योजनाओं के तहत आज ग्रामीण महिलाओं को मशरूम उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया गया है, जिससे वह आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ अपनी आय में वृद्धि कर सकेंगी। कार्यक्रम में उद्यान विभाग के विकासखंड प्रभारी केएल सागर, सहकारिता प्रमोटर्स निशा रावत, एफपीओ के सीईओ विकुज मौजूद रहीं।

सीमा जागरण मंच का आंतरिक सुरक्षा सीमा विमर्श पर चर्चा

खटीमा: डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फार्म में सीमा विमर्श सीमा दर्शन डेमोग्राफी बॉर्डर क्षेत्र अवैध घुसपैठ के दुष्परिणाम पर विचार विमर्श पर संवाद किया गया। छात्रों के बीच में सीमा जागरण मंच के प्रदेश संगठनकर्ता आशीष वाजपेयी ने कहा कि बार्डर क्षेत्र की सुरक्षा और एकता को बढ़ावा देने के लिए सीमांत जनपदों के प्रत्येक गांव के नागरिकों को राष्ट्र पहरी के साथ जागरूकता स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनने पर जोर देते हुए कहा आज युवा पीढ़ी आने वाले भविष्य के निर्माण में अपने योगदान को सुनिश्चित करने के साथ अपना कर्तव्य निभाएं। उन्होंने कहा कि सीमा दर्शन से सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा की स्थिति पर चर्चा की जा सकती है और सीमा प्रबंधन में सुधार किया जा सकता है। स्थानीय युवाओं की भागीदारी के बल से एकता और अखंडता को बढ़ावा मिलेगा और उत्तराखंड के अस्तित्व पर आ रहे खतरे को बचाया जा सकता है। युवा पीढ़ी को स्किल व स्वावलंबन से अपने गांव के क्षेत्र को पलायन में रोकने में सहायक हो सकता है। संस्थान के डायरेक्टर धीरेंद्र भट्ट, कैलाश पांडे, विक्टर आइवन, रुचि चौहान, महेश कलोनी, मंजू चंद आदि उपस्थित रहे।

चौखुटिया में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के हो रहे प्रयास

चौखुटिया में आंदोलनकारियों से मिले जिलाधिकारी, संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग होगा

- अस्पताल के सुदृढ़ीकरण में प्रशासन का सहयोग करने की अपील

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: जिलाधिकारी अंशुल सिंह बुधवार को चौखुटिया पहुंचे। इस दौरान उन्होंने चौखुटिया क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग को लेकर आंदोलनरत लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और मांगों को विस्तार से सुना। उन्होंने चौखुटिया क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने का आश्वासन दिया। कहा उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार तथा प्रशासन जनता की समस्याओं के समाधान के प्रति प्रतिबद्ध है और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक प्रस्तावों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्य कर रहा है। इस दौरान उन्होंने कहा कि चौखुटिया में स्पेशलिस्ट डॉक्टर की तैनाती के लिए विज्ञप्ति जारी कर दी गई है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि जल्द ही चौखुटिया अस्पताल को स्पेशलिस्ट डॉक्टर मिलेंगे। डिजिटल एक्सरे मशीन की उपलब्धता भी चौखुटिया अस्पताल में की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जिला स्तर से डिजिटल एक्सरे मशीन की उपलब्धता के लिए प्रक्रिया गतिमान है।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कहा कि जिला खनन न्यास से डिजिटल एक्सरे मशीन, वार्ड बॉय तथा स्वच्छक की तैनाती की स्वीकृति भी दे दी गई है। इससे चौखुटिया अस्पताल की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सीएचसी चौखुटिया को उच्चीकृत कर 50 बेड वाला अस्पताल का शासनादेश भी जारी हो गया है। जल्द ही इसके उच्चीकरण के कार्य किए जाएंगे। उन्होंने स्थानीय लोगों से अपील की है कि चौखुटिया अस्पताल के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रशासन का सहयोग करें। इस दौरान एसएसपी देवेंद्र पींचा, एसडीएम सुनील कुमार राज मौजूद रहे।

चौखुटिया अस्पताल का निरीक्षण करते जिलाधिकारी अंशुल सिंह। ● अमृत विचार

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही स्वीकार्य नहीं: डीएम

अल्मोड़ा: जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने चौखुटिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की विभिन्न सेवाओं, साफ-सफाई, मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं तथा रिकॉर्ड की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अस्पताल परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही उपलब्ध मशीनों व उपकरणों की कार्यशीलता की जांच कर आवश्यक सुधार हेतु निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सकों की उपस्थिति, मरीजों की प्रतीक्षा अवधि तथा रजिस्टरों के रख-रखाव जैसे बिंदुओं की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मरीजों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है और स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

बाराकोट से गुजरात को निकला युवक लापता

लोहाघाट/चम्पावत : गुजरात जा रहा चम्पावत जिले के बाराकोट ब्लाक के काकड़ गांव का एक युवक बरेली से लापता हो गया है। उसने अंतिम बार चार नवंबर को बरेली से फोन के जरिए अपनी पत्नी से बातचीत की थी। 42 वर्षीय जगदीश सिंह अधिकारी बीते चार नवंबर को घर से गुजरात के लिए निकला था। युवक की पत्नी रेनू अधिकारी ने बताया कि उनके पति रोजगार की तलाश में गुजरात जा रहे थे। चार नवंबर को वह बाराकोट से बरेली पहुंचे थे। बरेली से उन्होंने फोन पर बात की और बताया कि ट्रेन छूटने के कारण अगले दिन गुजरात जाएंगे। बताया कि पांच नवंबर से उनका फोन स्विच आफ आ रहा है। गुजरात में उनके परिचितों से भी संपर्क किया गया, लेकिन वहां भी जगदीश के पहुंचने की कोई सूचना नहीं है। घटना के 16 दिन बीत जाने के बाद भी जगदीश का पता न चलने पर स्वजनों को अनहोनी की चिंता सताने लगी है। उन्होंने पुलिस में जगदीश की गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखवाई है। लोहाघाट के थाना प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर खोजबीन की जा रही है।

जगदीश अधिकारी।

स्वाला सड़क सुधार कार्य में तेजी के निर्देश

टनकपुर पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग के स्वाला क्षेत्र का निरीक्षण करते डीएम मनीष कुमार।

संवाददाता,टनकपुर

अमृत विचार: जिलाधिकारी मनीष कुमार ने टनकपुर पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग-09 (एनएच-09) के स्वाला खंड में चल रहे सड़क सुधार एवं चौड़ीकरण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। जिलाधिकारी ने सड़क निर्माण की वर्तमान प्रगति, गुणवत्ता मानकों, ढलान संरक्षण, जल निकासी व्यवस्था, डामरीकरण तथा सुरक्षा प्रबंधों का बारीकी से आकलन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि एनएच-09 स्वाला खंड के सभी सुधार एवं चौड़ीकरण कार्य मार्च 2026 तक हर हाल में पूर्ण कर लिए जाएँ। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि कुछ स्थानों पर दीवार निर्माण (रिटेनिंग/प्रोटेक्शन वॉल) कार्य अपेक्षित गति से नहीं हो रहा है। इस पर उन्होंने दीवार निर्माण कार्य में तेजी लाने, ढलानों को तकनीकी रूप से सुरक्षित करने, तथा मार्ग को समतल और सुरक्षित बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा पूरे समय यातायात पूरी तरह सुरक्षित और निर्बाध रहे, जल निकासी तंत्र (ड्रेनेज सिस्टम) को प्राथमिकता देकर किसी भी प्रकार की रुकावट न आने दी जाए साथ ही सभी कार्य सुरक्षा मानकों और तकनीकी दिशानिर्देशों के अनुरूप किए जाएं। इस दौरान हाइवे प्राधिकरण, पुलिस विभाग तथा संबंधित इंजीनियरिंग टीमें मौजूद रहीं।

किसान सम्मान निधि की किस्त जारी

- वीपीकेएएस संस्थान में कृषक गोष्ठी का आयोजन
- रबी फसलों एवं सब्जियों के उत्पादन की दी जानकारी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त जारी किए जाने के अवसर पर वीपीकेएएस संस्थान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा रबी फसलों एवं सब्जियों के उत्पादन की उन्नत तकनीकी, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, जैविक कृषि, जल संरक्षण तकनीकी एवं कृषि यंत्रीकरण संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अल्मोड़ा नगर निगम के महापौर अजय वर्मा मौजूद रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोडिशिया ट्रेड फेयर कॉम्प्लेक्स, कोयम्बटूर, तमिलनाडु से देश के 9.75 करोड़ से अधिक कृषकों को लगभग 18,000 करोड़ रुपये की धनराशि उनके बैंक खातों में हस्तांतरित करने वाले कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया। संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मी कान्त ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के महत्व पर प्रकाश डाला तथा किसानों से इस योजना का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया। मुख्य अतिथि अजय वर्मा ने कहा कि यह संस्थान किसानों की प्रगति हेतु सतत प्रयासरत है तथा समय-समय पर कृषि में नए अनुसंधानों से कृषकों को अवगत कराते हुए उनकी आय वृद्धि का माध्यम रहा है। उन्होंने इस ऐतिहासिक अवसर पर देश के अन्नदाताओं को नमन करते हुए बताया कि यह योजना देश के करोड़ों अन्नदाताओं के लिए आर्थिक संबल बनकर उभरी है। यहां डा. कामिनी बिष्ट, डा. कुशाग्रा जोशी आदि मौजूद रहे।

वीपीकेएएस संस्थान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मौजूद कृषक। ● अमृत विचार

टनकपुर की ऐपण कलाकार अनुपमा को किया सम्मानित

टनकपुर : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर जनपद चम्पावत में स्वरोजगार, स्थानीय कला एवं पारंपरिक शिल्प को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष कुमार निरंतर प्रोत्साहनकारी कदम उठा रहे हैं। टनकपुर में पारंपरिक ऐपण कलाकृति में उत्कृष्ट उत्पाद तैयार करने वाली स्थानीय शिल्पी अनुपमा को जिलाधिकारी मनीष कुमार ने सम्मानित किया। अनुपमा पिछले 15 वर्षों से ऐपण कला को संवार रही हैं, तथा उनके द्वारा तैयार किए गए उत्पाद अपनी विशिष्टता, पारंपरिक आकर्षण और सुंदरता के लिए व्यापक रूप से पसंद किए जा रहे हैं। उनके साथ उनके भाई बसंत हर्बोला जो वुडन क्राफ्ट में निपुण हैं,भी लंबे समय से पारंपरिक शिल्प को बढ़ावा दे रहे हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता,टनकपुर/ चम्पावत

अमृत विचार: कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। चम्पावत कार्यालय में कांग्रेस जिलाध्यक्ष चिराग फर्त्याल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने इंदिरा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। वक्ताओं ने कहा कि देश को तरक्की की राह पर ले जाने में इंदिरा गांधी का योगदान अविस्मरणीय है। कार्यकर्ताओं ने उनके दिखाए मार्ग पर चलने और देश सेवा का संकल्प दोहराया।

इस दौरान प्रकाश सिंह, सुरेंद्र सिंह ढेक, रिंकू बोहरा, करन टम्टा, अनिल कुमार, सागर माहरा, कमल बोहरा, सचिन माहरा, नन्नू बोहरा, जीवन बिष्ट, लक्ष्मण बिष्ट, सभासद सुरेश फर्त्याल, प्रकाश सिंह, शेखर राय, हरीश राय सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। टनकपुर व बनबसा व लोहाघाट में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

लोहाघाट में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चित्र पर श्रद्धांजलि देते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी के योगदान को किया याद

पिथौरागढ़ : पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की जयंती पर पिथौरागढ़ में कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी जिलाध्यक्ष मुकेश पंत ने कहा कि देश की प्रगति में उनका योगदान बेहद महत्वपूर्ण है। भारत-पाकिस्तान का युद्ध हो या पाकिस्तान को परास्त कर अलग बांग्लादेश बनाना, यह इंदिरा गांधी को अन्य नेताओं से अलग खड़ा करता है। वरिष्ठ नेता मनोज ओझा ने कहा कि इंदिरा गांधी एक आक्रामक और कूटनीतिक नेता थीं, जिसके चलते आज भी वह भारत की अग्रिम पंक्ति के राजनेताओं में शुमार हैं। कांग्रेस महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष भावना नगरकोटी ने कहा कि इंदिरा गांधी देश की महिलाओं की प्रेरणा स्रोत हैं। कार्यक्रम में राहुल लुंठी, अमित अम्मू, हिमांशु ओझा, निशीद उप्रेती सिंबा भंडारी, नितेश कुमार, राजेश शर्मा, नितिन सागर, विनय वल्दिया, तरुण कफलिया सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बंगाली समिति ने दिया समर्थन

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : शक्तिफार्म के पास स्थित प्रहलाद पलसिया में छठे दिन भी धरना जारी रहा। यहां बंगाली कल्याण समिति ने धरने को समर्थन दिया।

बुधवार को समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि वह बंगाली परिवारों का शोषण नहीं होने देंगे। इसके लिए वह आर-पार की लड़ाई लड़ने को तैयार है।

उन्होंने कहा कि वह मामले को लेकर सीएम धामी से वार्ता करेंगे।

पूर्व दर्जा मंत्री गणेश उपाध्याय ने कहा कि इसी समाज के लोगों ने त्याग करके विजय बहुगुणा को सीएम बनाया था। उन्हें इस समाज का आभारी रहना चाहिए लेकिन उनके पुत्र इन्हें उजाड़ने में लगे हैं।

इधर, पूर्व विधायक नारायण पाल ने कहा कि पीड़ित परिवारों के साथ डीएम से वार्ता की है। उन्होंने मामले को लेकर सकारात्मक रुख दिखाया है। जल्द ही, इसका समाधान निकाला जाएगा। कांग्रेस प्रदेश सचिव नवतेजपाल सिंह, पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन, पूर्व दर्जा मंत्री रामनगीना प्रसाद, समिति के अध्यक्ष दिलीप अधिकारी, नपं अध्यक्ष सुमित मंडल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य उत्तम आचार्य, किसान नेता जगतार सिंह बाजवा, गुरसेवक सिंह महार, शंकर चक्रवर्ती, समीर राय, परिमल राय, शिवपद सरकार, ममता हालदार, त्रिनाथ विश्वास, मोनिका ढ़ाली, सुब्रत विश्वास, विकास सरकार, भवतोष आचार्य आदि मौजूद रहे।

शक्तिफार्म के पास स्थित प्रहलाद पलसिया में छठे दिन धरना देते लोग।

कार्रवाई: ओवरलोडिंग पर 98,500 का चालान किया, तीन वाहन जब्त

संवाददाता,टनकपुर

अमृत विचार: जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देश पर जनपद में सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए परिवहन विभाग द्वारा निरंतर सख़्त एवं प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए विभाग समय-समय पर जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान संचालित कर रहा है।

इसी क्रम में बीती रात आयोजित सघन चेकिंग अभियान के दौरान एआरटीओ (प्रवर्तन) मनोज बगोरिया के नेतृत्व में टीम ने महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए तीन डंपर सीज़ किए तथा ओवरलोडिंग में पकड़े गए दो वाहनों पर 46 हजार 500 रुपया और 52 हजार रुपए का चालान किया। एआरटीओ ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य खतरनाक ड्राइविंग, ओवरलोडिंग और नियमों की अवहेलना जैसी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना था।

अभियान में विभिन्न वाहन उल्लंघनों पर कड़ी कार्रवाई की गई, जिसमें 2 चालान खुले में सामान ले जाने पर, 2 बिना फिटनेस प्रमाणपत्र,एक चालान यात्री वाहन ओवरलोडिंग,3 चालान बिना ड्राइविंग लाइसेंस,15 चालान ओवरस्पीडिंग, 4 चालान बिना टैक्स, 1 चालान बिना परमिट, 4 चालान बिना हेलमेट के साथ ही, सड़क सुरक्षा के दृष्टिकोण से ड्रंक एंड ड्राइव की भी विस्तृत जांच की गई जिसमें किसी भी चालक को नशे की अवस्था में वाहन चलाते हुए नहीं पाया गया।

एआरटीओ बगोरिया ने बताया कि सड़क पर वाहन चलाना केवल अधिकार नहीं, बल्कि जीवन से जुड़ी एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इस जिम्मेदारी का सही पालन तभी संभव है जब चालक स्वयं सुरक्षित ड्राइविंग करें, गति सीमा का पालन करें और दूसरों की सुरक्षा को भी प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि"अभियान का उद्देश्य दंड देना नहीं, बल्कि लोगों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करना है।

टनकपुर महाविद्यालय में पुस्तक मेले का शुभारंभ करती प्राचार्य डॉ. अनुपमा तिवारी।

टनकपुर महाविद्यालय में पुस्तक मेला शुरू

टनकपुर : राजकीय महाविद्यालय टनकपुर में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र की ओर से तीन दिवसीय पुस्तक मेला शुरू हो गया है। पुस्तक मेले का शुभारंभ प्राचार्य डॉ अनुपमा तिवारी ने फीता काट कर किया। उन्होंने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र द्वारा की गई पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को निशुल्क दी जा रही पाठ्य पुस्तकों से सुविधा होगी। कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ पंकज उप्रेती ने बताया कि महाविद्यालय के अलावा अन्य बाहर से भी विद्यार्थी महाविद्यालय में आकर पुस्तकों को निशुल्क ले सकते है उन्हें सिर्फ आधार कार्ड दिखाना होगा। उन्होंने पुस्तकों की उपयोगिता के बारे में भी छात्र-छात्राओं को महत्वपूर्ण जानकारी दी। संयोजक डॉ सुमन कुमारी ने पुस्तक मेले के आयोजकों का आभार जताया। इस मौके पर भारी संख्या में छात्र छात्राओं ने नि:शुल्क पुस्तकें प्राप्त की।

सख्ती नहर किनारे बने दर्जनों कच्चे-पक्के अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाया गया

नहर कवरिंग प्रोजेक्ट में बाधा बने 87 अतिक्रमण ध्वस्त

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: किच्छा नगर क्षेत्र के लिए अति महत्वपूर्ण लेफ्ट पाहा नहर कवरिंग प्रोजेक्ट को तेजी से पूरा करने के उद्देश्य से प्रशासन ने अवरोध बने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। उप जिलाधिकारी (एसडीएम) गौरव पांडे के नेतृत्व में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में नहर किनारे बने दर्जनों कच्चे-पक्के अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया गया।

एसडीएम गौरव पांडे ने बताया कि पिछले सप्ताह निरीक्षण के दौरान कुल 87 अतिक्रमण चिह्नित किए गए थे। अतिक्रमणकारियों को चार दिनों के भीतर स्वयं निर्माण हटाने की मोहलत दी गई थी, लेकिन चेतावनी के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया।

आज प्रशासन, पुलिस और नगर पालिका की टीम जेसीबी मशीनों के साथ मौके पर पहुंची। भारी फोर्स देखकर अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया और कई लोगों ने विरोध करने के बजाय स्वयं ही अपने अवैध निर्माणों को तोड़ना शुरू कर दिया। इसके बाद एसडीएम के निर्देश पर जेसीबी के माध्यम से अतिक्रमण ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की गई।

एसडीएम पांडे ने सख्त लहजे में कहा कि यह प्रोजेक्ट किच्छा के लिए अति महत्वपूर्ण है और इसके कार्य में किसी भी प्रकार की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि चिह्नित किए गए सभी अवैध निर्माणों पर कार्रवाई जारी रहेगी और शेष अतिक्रमण को भी जल्द ही हटा दिया जाएगा। कुछ ही घंटों में यह अभियान शांतिपूर्ण तरीके से निपट गया।

किच्छा में अवैध निर्माण ध्वस्त करती जेसीबी। ● अमृत विचार

रविंद्र नगर से खदेड़े गए ठेली वाले

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: नगर निगम की टीम ने रविंद्र नगर क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने कई ठेली वालों को हटाया। वहीं निगम की टीम की इस कार्रवाई ठेले वालों में खलबली मच गयी। वहीं निगम की दूसरी टीम ने मुख्य बाजार में पांच ठेली वालों का चालान कर 8500 रुपये वसूला।

बुधवार को नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त व अतिक्रमण प्रभारी रनदीप सिंह के नेतृत्व में नगर निगम की गठित टीम ने रविंद्र नगर पहुंची। इस दौरान टीम ने एक के बाद एक ठेली वालों को वहां से खदेड़ दिया। टीम की इस कार्रवाई से ठेलों वालों में खलबली मच गयी और वे ठेली लेकर भागने लगे। इस दौरान टीम ने उनका कई सामान भी जब्त कर लिया। इस मौके पर नगर निगम के अवर अभियंता शुभम चौहान, कर निरीक्षक पंकज बिष्ट समेत कई कर्मचारी मौजूद रहे। वहीं सहायक नगर आयुक्त राजू नबियाल के नेतृत्व में नगर निगम की टीम ने मुख्य बाजार में नाली के ऊपर ठेली लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान टीम ने पांच ठेली वालों का 8500 रुपये का चालान काटा। सहायक नगर आयुक्त ने कहा कि नाली के ऊपर अतिक्रमण किसी भी कीमत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आगे भी टीम की कार्रवाई जारी रहेगी।

रविंद्र नगर के पास से ठेली वालों को हटाती नगर निगम की टीम। ● अमृत विचार

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,186.47	26,052.65
बढ़त	513.45	142.60
प्रतिशत में	0.61	0.55

सोना 1,27,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,60,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, गुरुवार, 20 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि . 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4320, द्वारकेश 4300,

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4100, मसूरी- 1000, बासमती- 8200, परमल- 2400

दाल दलहन : काला चना- 5100, साबुत चना दाल- 5100, मूंग साबुत- 7000, राजमा- 10100-12300, दाल उड़द- 7000, साबुत मसूर दाल- 5700, मसूर दाल- 4000, उड़द साबुत- 7000, काबुली चना- 10100, अरहर दाल- 10000, लोबिया/करमानी- 4400

आयातकों-निर्यातकों को नई सूचना देगा टीआईए

केंद्रीय उद्योग मंत्री बोले- ये मंच भारत की ओर से क्रियान्वित एफटीए की बेहतर समझ प्रदान करेगा

- वाणिज्य विभाग के तैयार टीआईए मंच वैश्विक एवं राष्ट्रीय डेटाबेस को करता है एकीकृत

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि ट्रेड इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स (टीआईए) मंच देश के आयातकों, निर्यातकों, स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को नई जानकारियां उपलब्ध कराएगा।

केंद्रीय उद्योग मंत्री ने कहा कि यह मंच निर्यातकों को भारत द्वारा अब तक क्रियान्वित मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की बेहतर समझ प्रदान करेगा। वाणिज्य विभाग द्वारा तैयार 'टीआईए' मंच छोटे व्यवसायों के साथ-साथ कई वैश्विक एवं राष्ट्रीय 'डेटाबेस' को एकीकृत विश्लेषणात्मक मॉडल में एकीकृत करता है। यह 270 से अधिक विश्लेषण प्रदान करता है। यह मंच भारत और वैश्विक व्यापार, वस्तुओं व क्षेत्रीय विश्लेषण, निर्यात अवसरों सहित बाजार आसूचना एवं प्रतिस्पर्धी विश्लेषण पर वास्तविक समय, 'इंटरैक्टिव' अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। इसमें पीएलआई (उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन) और महत्वपूर्ण खनिजों से संबंधित विनिर्माण क्षेत्रों के लिए स्वचालित व्यापार रिपोर्ट और व्यापार प्रवृत्तियों पर नजर रखना भी शामिल है।

जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है मंच

वित्त विभाग के आर्थिक सलाहकार वनलालराम सांगा ने कहा कि मंच को हितधारकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि उनके सुझावों के आधार पर इसे आगे और विकसित किया जाएगा। यह मंच एक केंद्रीकृत 'डिजिटल हब' के रूप में भी काम करेगा जो विविध व्यापार डेटाबेस (वैश्विक (यूएन कॉमट्रेड) एवं द्विपक्षीय) को एक एकीकृत प्रणाली में समेकित करेगा।

तेल अवीव की यात्रा के दौरान भारत-इजराइल एफटीए की समीक्षा करेंगे केंद्रीय उद्योग मंत्री

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की इस सप्ताह तेल अवीव की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान प्रस्तावित भारत-इजराइल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की प्रगति की समीक्षा किए जाने की उम्मीद है। बुधवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, गोयल, इजराइल में 60 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। वहां वे द्विपक्षीय व्यापार, निवेश एवं नवाचार को बढ़ावा देने के तरीकों पर नेताओं और व्यवसाय जगत के लोगों के साथ चर्चा करेंगे। यह यात्रा 22 नवंबर को संपन्न होगी। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, प्रस्तावित भारत-इजराइल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर प्रगति की भी समीक्षा की जा सकती है। भारत और इजराइल मई 2010 से इस समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। अब तक आठ दौर की बातचीत हो चुकी है। दोनों देशों ने अक्टूबर 2021 में बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमति व्यक्त की थी। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उस देश को भारत का निर्यात 2023-24 के 4.52 अरब डॉलर से 52 प्रतिशत घटकर 2.14 अरब डॉलर और आयात भी 26.2 प्रतिशत घटकर 1.48 अरब डॉलर रह गया। भारत, एशिया में इजराइल का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। द्विपक्षीय व्यापार में मुख्य रूप से हीरे, पेट्रोलियम उत्पाद और रसायन शामिल हैं, लेकिन हाल के वर्ष में इलेक्ट्रॉनिक मशीनरी और उच्च प्रौद्योगिकी वाले उत्पादों, संचार प्रणालियों एवं चिकित्सकीय उपकरणों जैसे क्षेत्रों में भी व्यापार में वृद्धि देखी गई है।

सेवा संबंधी कॉल शृंखला 1600 को जल्द अपनाएं वित्तीय संस्थान : ट्राई

नई दिल्ली, एजेंसी

- शृंखला को चरणबद्ध अपनाने के लिए निर्धारित की समयसीमा

ट्राई ने बुधवार को बैंकों, एनबीएफसी, म्यूचुअल फंड और अन्य विनियमित संस्थाओं के सेवा और लेनदेन संबंधी कॉल करने के लिए 1600 नंबरिंग शृंखला को चरणबद्ध तरीके से अपनाने के लिए समयसीमा तय की। यह कदम वॉयस कॉल से होने वाले धोखाधड़ी पर रोक को उठाया गया है।

ट्राई ने कहा कि सार्वजनिक और निजी के साथ विदेशी तथा वाणिज्यिक बैंकों को 1 जनवरी, 2026 तक इसे अपनाना होगा। दूरसंचार नियामक ने कहा कि ट्राई से जारी निर्देश में आरबीआई, सेबी और पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा विनियमित संस्थाओं द्वारा 1600 नंबरिंग शृंखला को अपनाने की अंतिम तिथियां बताई गई हैं। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अनुसार, सभी म्यूचुअल फंड और परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) इसे 15 फरवरी 2026 तक अपनाए। पात्र स्टॉक ब्रोकर (क्यूएसबी) 15 मार्च तक इसे लागू करें। बड़े आकार के एनबीएफसी, भुगतान बैंक और लघु वित्त बैंकों को 1 फरवरी तक इसमें शामिल होने को कहा गया है और एनबीएफसी, सहकारी बैंक, ग्रामीण बैंक और छोटी संस्थाओं के लिए एक मार्च तय किया है।

आरबीआई ने अनधिकृत विदेशी मुद्रा व्यापार मंच की चेतावनी सूची में सात नए नाम जोड़े

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को अनधिकृत विदेशी मुद्रा व्यापार मंच की अपनी 'चेतावनी सूची' में सात नए नाम जोड़े और इनकी कुल संख्या 95 हो गई है।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि चेतावनी सूची में उन इकाइयों के नाम शामिल हैं जो विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (फेमा) के तहत विदेशी मुद्रा में लेनदेन करने के लिए अधिकृत नहीं हैं और जो विदेशी मुद्रा लेनदेन के लिए इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म (ईटीपी) संचालित करने को भी अधिकृत नहीं हैं। सूची में शामिल किए नए नामों में स्टारनेट एफएक्स, कैपप्लेस, मिररॉक्स, फ्यूजन मार्केट्स, ट्राइव, एनएक्सजी मार्केट्स और नॉर्ड एफएक्स है। आरबीआई ने कहा कि सूची में उन संस्थाओं, मंचों, वेबसाइट के नाम भी हैं, जो अनधिकृत इकाइयों या ईटीपी को बढ़ावा दे रही हैं। यह सूची संपूर्ण नहीं है।

गैर-पंजीकृत ऑनलाइन बॉण्ड मंच को लेकर बरतें सावधानी : सेबी

नई दिल्ली। सेबी ने बुधवार को निवेशकों से गैर-पंजीकृत ऑनलाइन बॉण्ड मंच को लेकर सावधानी बरतने और लेनदेन से बचने का आग्रह किया। नियामक ने कहा कि इन मंचों पर नियामकीय निगरानी का अभाव है और निवेशकों की सुरक्षा के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेशकों से कहा कि वे लेनदेन से पहले ऑनलाइन बॉण्ड मंच प्रदाताओं (ओबीपीपी) की पंजीकरण स्थिति का जांच कर लें और अपने हितों की रक्षा के लिए केवल सेबी-पंजीकृत इकाइयों के साथ ही लेनदेन करें। इसके अलावा, सभी बाजार सहभागियों को ओबीपीपी के रूप में कोई भी सेवा प्रदान करने से पहले लागू नियामक ढांचे का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आगाह किया गया है। यह कदम तब उठाया गया जब सेबी ने पाया कि वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियों और शेयर ब्रोकर सहित कुछ संस्थाएं, शेयर बाजारों से अनिवार्य पंजीकरण प्राप्त किए बिना ऑनलाइन बॉण्ड मंच प्रदाताओं के रूप में सेवाएं प्रदान कर रही हैं। इसमें कहा गया, ऐसे गैर-पंजीकृत मंच पर नियामक या पर्यवेक्षी निगरानी का अभाव है और ये निवेशक सुरक्षा या शिकायत निवारण के लिए कोई व्यवस्था प्रदान नहीं करते हैं।

आईटी शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी लौटी

मुंबई, एजेंसी

- सेंसेक्स 513 अंक चढ़ा, निफ्टी फिर 26,000 के पार

स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 513 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी फिर 26,000 अंक के पार पहुंच गया। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर उम्मीद बंधने के साथ आईटी शेयर में लिवाली और घरेलू संस्थागत निवेशकों की लगातार खरीदारी से बाजार में तेजी आई।

बीएसई का सेंसेक्स 513.45 अंक चढ़कर 85,186.47 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 142.60 अंक यानी 0.55 प्रतिशत चढ़कर 26,052.65 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में एचसीएल टेक, इन्फोसिस, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, सन फार्मा और टाइटन लाभ में रहीं। वहीं, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, मारुति, अदाणी पोर्ट्स और बजाज फाइनेंस नुकसान में रहे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के मंगलवार को कहा था कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर 'आप अच्छी खबर सुनेंगे' जब यह समझौता निष्पक्ष, न्यायसंगत एवं संतुलित होगा। इस बयान से भी बाजारों को थोड़ा समर्थन मिला। लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक गौरव गर्ग ने कहा कि मंगलवार की गिरावट के बाद बुधवार को शेयर बाजारों में तेजी लौटी। बाजार को मुख्य रूप से आईटी शेयरों में मजबूत लिवाली से समर्थन मिला। उन्होंने कहा, इस तेजी की अगुवाई इन्फोसिस और एचसीएल टेक्नोलॉजीज जैसी आईटी कंपनियों ने किया। इन्फोसिस की 18,000 करोड़ रुपये के शेयर पुनर्खरीद की घोषणा के बाद धारणा में सुधार हुआ। संभावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर उम्मीदों ने भी धारणा को मजबूत किया... । जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ने के चलते आईटी क्षेत्र में तेजी आई।

सोना 1,500 और चांदी 4,000 रुपये मजबूत

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में तेजी के चलते बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,500 रुपये बढ़कर 1,27,300 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार 99.5% शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,500 रुपये बढ़कर 1,26,700 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई। चांदी की कीमतों में भी तेजी आई और यह 4,000 रुपये बढ़कर 1,60,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई। इससे स्थानीय सर्राफा बाजार में तीन दिन की गिरावट थम गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, बुधवार को सोने में तेजी आई, जिसे नए सिरे से सुरक्षित निवेश की मांग का समर्थन मिला, जबकि अमेरिकी श्रम बाजार में लगातार कमजोरी के संकेतों ने संभावित ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को बनाए रखा।

राष्ट्रीय

उच्च न्यायिक सेवा में पदोन्नत जजों के लिए आरक्षण नहीं

सीजेआई गवई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने की सुनवाई

- कोर्ट ने कहा- देश में असमान प्रतिनिधित्व की साझा व्याधि नहीं है

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उच्चतर न्यायिक सेवा (एचजेएस) में पदोन्नत जजों के लिए आरक्षण देने से इन्कार करते हुए कहा कि देश में असमान प्रतिनिधित्व की साझा व्याधि नहीं है, जिसके लिए ऐसी व्यवस्था की जरुरत हो। शीर्ष अदालत ने कहा कि कथित असंतोष और नाराजगी से किसी कैडर के सदस्यों का कृत्रिम वर्गीकरण नहीं किया जा सकता।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि एचजेएस में चयन ग्रेड व सुपर टाइम स्केल में निर्धारण कैडर में योग्यता-सह-वरिष्ठता पर आधारित है और यह न्यायपालिका के निचले स्तर पर सेवा की अवधि या प्रदर्शन पर निर्भर नहीं हो सकता है। पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, विक्रम नाथ, के. विनोद चंद्रन व जॉयमाल्या बागची शामिल थे। पीठ ने कहा कि सांख्यिकीय आंकड़े भिन्न हैं और एचजेएस में नियमित पदोन्नत व्यक्तियों (आरपी) के असंतोष और नाराजगी को उचित ठहराने के लिए कोई ठोस आधार प्रदान नहीं करते हैं। सेवारत न्यायिक अधिकारियों के पास जिला जजों के रूप में उन्नति के अवसर हैं, जिससे उन्हें सीधी भर्ती की अनुमति मिलती है। पीठ ने कहा कि एचजेएस के तहत चयन ग्रेड और सुपर टाइम स्केल में नियुक्ति, संवर्ग में योग्यता-सह-वरिष्ठता पर है और निचले स्तरों पर सेवाकाल या प्रदर्शन पर निर्भर नहीं हो सकती, आरपी और सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षाएं के एचजेएस में आने के बाद, यह अपना महत्व खो देता है।

प्रदूषण को ध्यान में रख खेल स्पर्धाएं कराए सीएक्यूएम

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से कहा कि वह वायु प्रदूषण के स्तर को ध्यान में रखते हुए दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों को नवंबर और दिसंबर में प्रस्तावित खेल स्पर्धाओं को सुरक्षित महीनों तक के लिए स्थगित करने पर विचार करे। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के . विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में गंभीर वायु प्रदूषण संकट के मुद्दे पर सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की जरुरत है और शीर्ष अदालत को इस मामले की निगरानी के लिए मासिक आधार पर सुनवाई करनी चाहिए। सीएक्यूएम को यह निर्देश तब दिया गया जब वरिष्ठ अधिवक्ता एवं न्यायमित्र अपराजिता सिंह ने पीठ से कहा कि जब वयस्क लोग 'एयर प्यूरीफायर' चालू करके बंद जगहों पर बैठे हैं, तो ऐसे में बच्चे खुले गैस चैंबर में खेलकूद की तैयारी कर रहे हैं। बच्चे सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। अभी खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करना उन्हें गैस चैंबर में डालने जैसा है। सीजेआई ने कहा कि हम सीएक्यूएम से अनुरोध करते हैं कि वह इसे ध्यान में रखे और ऐसी खेल प्रतियोगिताओं को सुरक्षित महीनों में स्थानांतरित करने के लिए निर्देश जारी करे।

अंग प्रतिरोपण पर राष्ट्रीय नीति व समान नियम बनाए केंद्र

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र को अंगदान और आवंटन के लिए पारदर्शी एवं सक्षम प्रणाली बनाने के लिए राज्यों के परामर्श से राष्ट्रीय नीति और समान नियम बनाने के संबंध में कई निर्देश जारी किए। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने इंडियन सोसायटी ऑफ ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन की याचिका पर ये निर्देश पारित किए। सीजेआई ने अपने आदेश में केंद्र से अनुरोध किया कि वह आंध्र प्रदेश को मानव अंग प्रतिरोपण अधिनियम, 1994 में 2011 के संशोधनों को अपनाने के लिए राजी करे। उन्होंने निर्देश दिया कि कर्नाटक, तमिलनाडु और मणिपुर जैसे राज्य, जिन्होंने अब तक मानव अंग एवं ऊतक प्रतिरोपण नियम, 2014 को नहीं अपनाया है, इस मुद्दे के महत्व पर जोर देते हुए इसे शीघ्रता से अपनाएं। पीठ ने केंद्र से अंग प्रतिरोपण के लिए आदर्श आवंटन मानदंड वाली राष्ट्रीय नीति विकसित करने को कहा। पीठ ने कहा कि इस नीति में लिंग और जातिगत पूर्वाग्रह के मुद्दों पर ध्यान दिया जाना चाहिए और राज्य-वार विसंगतियों को समाप्त करने के लिए देश भर के अंगदाताओं के लिए एक समान मानदंड स्थापित किए जाने चाहिए। शीर्ष अदालत ने इस बात का संज्ञान लिया कि मणिपुर, नगालैंड, अंडमान निकोबार और लक्षद्वीप जैसे राज्यों में राज्य अंग एवं ऊतक प्रतिरोपण संगठन (एसओटीटो) का अभाव है। पीठ ने केंद्र से राज्यों से परामर्श के बाद अंग प्रतिरोपण कार्यक्रम के तहत निकायों का गठन करने को कहा।

जीवनसाथी को बार-बार आत्महत्या की धमकी देना क्रूरता : हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी

- कोर्ट ने कहा- ऐसा आचरण जब दोहराया जाता है, तो वैवाहिक संबंध रखना असंभव हो जाता है

मुंबई हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति को तलाक देते हुए कहा कि जीवनसाथी द्वारा बार-बार आत्महत्या करने की धमकी देना क्रूरता है। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने आदेश में कहा कि जब ऐसा आचरण दोहराया जाता है, तो पति या पत्नी के लिए वैवाहिक संबंध जारी रखना असंभव हो जाता है।

यह आदेश उस व्यक्ति की दायर याचिका पर पारित हुआ, जिसने पारिवारिक अदालत के 2019 के आदेश को चुनौती दी थी। पारिवारिक अदालत ने व्यक्ति की तलाक की अर्जी खारिज की थी। याचिका के मुताबिक व्यक्ति की शादी 2006 में हुई थी, लेकिन वैवाहिक विवाद के कारण वह 2012 से पत्नी से अलग रह रहा था। व्यक्ति ने दावा किया कि अलगाव और संदेह के साथ धमकी और आत्महत्या का प्रयास करना हिंदू विवाह अधिनियम के तहत तलाक देने के आधार हो सकते हैं। पीठ ने कहा कि पति-पत्नी एक दशक से अधिक समय से अलग-अलग रह रहे हैं और उनके बीच न तो कोई सौहार्द्रपूर्ण समझौता हो पाया है और न ही मेल-मिलाप संभव हो पाया। व्यक्ति ने क्रूरता के कई उदाहरणों का उल्लेख किया था, लेकिन पारिवारिक अदालत ने उन पर विचार नहीं किया।

पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि जीवनसाथी द्वारा आत्महत्या की धमकी देना क्रूरता है। हाईकोर्ट ने कहा, जब ऐसा आचरण दोहराया जाता है, तो दंपती के लिए शांतिपूर्ण वातावरण में वैवाहिक संबंध जारी रखना असंभव हो जाता है।

न्यायपालिका की आलोचना से आपत्ति नहीं, लेकिन व्यापक आरोप न लगाए

नई दिल्ली, एजेंसी

- पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीशों पर लगाए आरोप पर सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि उसे न्यायपालिका की आलोचना से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन व्यापक आरोप नहीं लगाए जाने चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, उज्ज्वल भुइयां और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप शर्मा को आगाह किया, जिन्होंने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीशों पर कुछ आरोप लगाए हैं।

पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि आपने कई अच्छे मुद्दे उठाए हैं, लेकिन आप किसी पर भी व्यापक आरोप नहीं लगा सकते। हमें न्यायपालिका की आलोचना से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन यह उचित तरीके से होनी चाहिए। वकील ने पीठ को बताया कि हाईकोर्ट ने शर्मा द्वारा बिना शर्त माफी मांगने पर अवमानना का आरोप हटाते हुए, पौधरोपण का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने टिप्पणी की कि चंडीगढ़ को हरियाली की जरूरत है और यह अच्छी बात है कि हाईकोर्ट ने ऐसा आदेश दिया। आदेश में कहा गया कि याचिकाकर्ता के वकील ने सूचित किया है कि 15 सितंबर 2025 के आदेश पर याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट के समक्ष बिना शर्त माफ़ी और शपथपत्र पेश किया था। उदारता का परिचय देते हुए, हाईकोर्ट ने माफी स्वीकार कर ली और याचिकाकर्ता को अवमानना की कार्यवाही से मुक्त कर दिया है। शीर्ष अदालत ने उस याचिका का निस्तारण कर दिया, जिसमें शर्मा ने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। 15 सितंबर को, शीर्ष अदालत ने वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत की इस दलील पर गौर किया कि शर्मा को अपने परिजनों द्वारा हाईकोर्ट के समक्ष हलफनामे के माध्यम से दिये वचन का उल्लंघन करते हुए 2023 से 25 के बीच ईमेल भेजने की गलती का पछतावा है। पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने 29 मई 2023 के अपने आदेश में इस वचन को विधिवत रूप से पुनः प्रस्तुत किया था।

निकाय चुनावों में वीवीपीएटी का उपयोग अनिवार्य नहीं : ईसी

नागपुर। महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग ने बुधवार को मुंबई हाईकोर्ट को बताया कि निकाय चुनावों के लिए वीवीपीएटी मशीनों का उपयोग अनिवार्य नहीं है और यह तकनीकी रूप से भी व्यावहारिक नहीं है। आयोग ने नागपुर पीठ के समक्ष कांग्रेस नेता प्रफुल्ल गुडाधे की याचिका का विरोध करते हुए हलफनामा दायर किया। याचिका में महाराष्ट्र में निकाय चुनावों में वीवीपीएटी का उपयोग नहीं करने के उसके फैसले को चुनौती दी गई थी।

- मुंबई हाईकोर्ट में आयोग याचिका का विरोध करते हुए दिया हलफनामा

गुडाधे ने याचिका में कहा कि पारदर्शी चुनाव के लिए वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) प्रणाली जरूरी है। बुधवार को सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अनिल किलोर की पीठ ने वीवीपीएटी मशीनों का उपयोग न करने का कारण जानना चाहा, खासकर तब जब सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वीवीपीएटी का उपयोग अनिवार्य है। आयोग के वकील ने अदालत को बताया कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला केवल आम चुनावों पर लागू होता है, निकाय चुनावों पर नहीं। आयोग ने हलफनामे में कहा कि नगरपालिका चुनावों को नियंत्रित करने वाले अधिनियमों में वीवीपीएटी के उपयोग को अनिवार्य नहीं किया गया है।

प्रदूषण से नहीं मिली राहत एक्यूआई बेहद खराब

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 391 दर्ज किया गया। इसी के साथ दिल्ली में लगातार छठे दिन वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में रही।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप से यह भी पता चला है कि 38 में से 18 निगरानी केंद्रों ने एक्यूआई का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया है। चांदनी चौक, डीटीयू, बवाना, आनंद विहार, मुंडका, नरेला और वजीरपुर स्थित केंद्रों ने एक्यूआई 400 से ऊपर दर्ज किया है। मौसम की बात करें तो न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री रहा जो औसत से 2.1 डिग्री कम है। अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 97 प्रतिशत दर्ज की गई है।

एसआईआर से परेशान व्यक्ति ने पी लिया कीटनाशक, मौत

कोलकाता, एजेंसी

- परिजनों का दावा, 2002 की मतदाता सूची में था मृतक का नाम अन्य सदस्यों के नहीं थे नाम

प. बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में 58 वर्षीय व्यक्ति की कीटनाशक पीने से मौत हो गई। परिजनों ने दावा किया है कि व्यक्ति मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े मुद्दों को लेकर परेशान था।

पुलिस ने बताया कि मृतक बदुरिया पुलिस थाना क्षेत्र के जदुरहाटी पुरबा निवासी सफीकुल मंडल है। उसने एसआईआर शुरू होने के बाद 2002 की मतदाता सूची की जांच की थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि परिजनों का दावा है कि मंडल का नाम मतदाता सूची में था, लेकिन परिवार के कई अन्य सदस्यों के नाम नदारद थे। इससे बड़ी मुश्किल आने की आशंका से वह घबरा गया। मंडल ने मंगलवार को कीटनाशक पी लिया था और परिजन उसे बेहोशी की हालत में अस्पताल ले गए थे।

अधिकारी ने बताया कि बाद में मंडल को कोलकाता के आरजीकर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल भेजा गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। टीएमसी के बदुरिया से विधायक काजी अब्दुर रहीम दिलू ने बुधवार सुबह परिवार से मुलाकात की और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। हाल के हफ्तों में, उत्तर 24 परगना, मुर्शिदाबाद, बीरभूम और नादिया सहित कई जिलों से एसआईआर को लेकर चिंता से जुड़ी मौतों की खबरें आई हैं। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर अभियान शुरू किया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया: सड़क हादसे में भारतीय मूल की गर्भवती महिला की मौत

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में कार की चपेट में आने से भारतीय मूल की एक गर्भवती महिला की अपने अजन्मे बच्चे के साथ मौत हो गयी। आठ महीने की गर्भवती समन्विता धारेश्वर (33) तकनीकी विशेषज्ञ थी। पिछले शुक्रवार की रात को स्थानीय समयानुसार आठ बजे के कुछ देर बाद धारेश्वर अपने पति और तीन साल के बेटे के साथ सिडनी में जॉर्ज स्ट्रीट, हॉर्न्सबी पर सैर कर रही थीं तभी एक 'किआ' कार, उन्हें रास्ता देने के लिए एक कार पार्किंग के प्रवेश द्वार पर धीमी हो गई थी। पुलिस के हवाले से 7न्यूजडॉटकॉम की एक रिपोर्ट के अनुसार, कुछ ही पल के बाद एक बीएमडब्ल्यू ने किआ को पीछे से टक्कर मारी, जिसके चलते वह (किआ) आगे बढ़ी और महिला को टक्कर मार दी।

भारत में हत्या के मामले में वांछित युवक अमेरिका में गिरफ्तार

न्यूयॉर्क। भारत में हत्या के मामले में वांछित और अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले 22 वर्षीय एक युवक को यहां सीमा सुरक्षा अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया। विशद कुमार को अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा अधिकारियों ने 16 नवंबर को उस वक्त पोर्ट ऑफ बफैलो, पीस ब्रिज सीमा पर गिरफ्तार किया, जब उसे कनाडा में प्रवेश देने से मना कर दिया गया था। सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा के बयान के अनुसार, कुमार के खिलाफ इंटरपोल का 'रेड नोटिस' जारी है और वह हत्या के एक मामले में भारत में वांछित है।

जयशंकर ने किया रूस में दो नए भारतीय वाणिज्य दूतावासों का उद्घाटन

मॉस्को। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को रूस में दो नए भारतीय वाणिज्य दूतावासों का उद्घाटन किया और कहा कि इनकी स्थापना से दोनों देशों के बीच व्यापार, पर्यटन, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, शैक्षणिक और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा मिलेगा। रूस में अपनी राजनयिक उपस्थिति का विस्तार करते हुए, भारत ने येकातेरिनबर्ग और कजान शहरों में नए महावाणिज्य दूतावास खोले हैं। समारोह में रूस के उप विदेश मंत्री आंद्रे रुडेंको और रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार भी उपस्थित थे।

टेक्सास में दो मुस्लिम समूहों को घोषित किया आतंकवादी संगठन

ह्यूस्टन, एजेंसी

- राज्य में नहीं खरीद सकेंगे जमीन कानूनी कार्रवाई का रास्ता साफ

टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने दो मुस्लिम समूहों को विदेशी आतंकवादी और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन घोषित किया है। इसके तहत उन पर राज्य में जमीन खरीदने पर रोक लगा दी गई है तथा सरकार के लिए उनसे जुड़ी किसी भी गतिविधि को बंद करने को कानूनी कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है।

एबॉट ने मंगलवार को अपने कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा कि 'मुस्लिम ब्रदरहुड' और 'काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस' (सीएआईआर) दुनिया भर में आतंकवाद का समर्थन करते हैं और हिंसा, धमकी तथा उत्पीड़न के माध्यम से हमारे कानूनों को तोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि इन दोनों समूहों को आतंकवादी संगठन घोषित करने का उद्देश्य टेक्सास के लोगों को उन चरमपंथी नेटवर्कों से बचाना है जो लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रतिकूल एजेंडे थोपने की कोशिश कर रहे हैं। एबॉट ने कहा, इन कट्टरपंथी चरमपंथियों का हमारे राज्य में स्वागत नहीं है। सीएआईआर की स्थापना अमेरिकी मुस्लिमों के नागरिक अधिकारों को आगे बढ़ाने के लिए की गई थी और यह गाजा संघर्ष में अमेरिकी सरकार की नीतियों का मुखर आलोचक रहा है, जबकि मुस्लिम ब्रदरहुड मिस्र में स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय सुन्नी इस्लामी आंदोलन है।

हजारों खौफनाक मौतों का जरिया

दुनिया में आत्मघाती हमलों का इतिहास 1980 के दशक से तब शुरू हुआ जब आतंकी संगठन एलटीटीई (लिट्टे) ने इन्हें अपान एक प्रमुख हथियार बनाया। समय के साथ ऐसे हमले श्रीलंका के साथ इराक, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और फिलीस्तीन जैसे देशों में भी आम हो गए। एक रिपोर्ट के अनुसार, 1981 से जून 2008 तक दुनिया भर में हुए 1,944 आत्मघाती हमले हुए जिनकी 51 संगठनों ने जिम्मेदारी ली। इन हमलों में कुल मिलाकर 70,884 लोग हताहत हुए। इनमें से 21,167 लोग मारे गए और 49,717 घायल हुए। इस अवधि में आत्मघाती हमलों में औसतन लगभग 11 लोग मारे गए और 25 से 26 लोग घायल हुए। भारत भी इन हमलों से अछूता नहीं रहा। हाल ही में दिल्ली में हुआ विस्फोट भारत में आत्मघाती हमले की ताजा घटना है जिसमें 15 लोग मारे जा चुके हैं और कई लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं।

आत्मघाती हमलावर

हमलों के मास्टरमाइंड

- लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) ने 1987 में पहला आत्मघाती हमला कर इसकी शुरुआत की।
- लिट्टे ने कुल मिलाकर 170 से अधिक हमलों को अंजाम दिया, यह ऐसा करने वाला सबसे बड़ा संगठन बना।
- अन्य प्रमुख संगठनों में अल-क़ायदा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, हमास, और बोको हराम शामिल हैं।
- इन हमलों में ज्यादातर विदेशी सेनाओं को निशाना बनाया गया था, बाद में नागरिक भी निशाने पर आने लगे।

इन देशों में सबसे ज्यादा हमले

इराक, अफगानिस्तान, फिलीस्तीन, पाकिस्तान और श्रीलंका सबसे अधिक हुए आत्मघाती हमले।

ऐसे बनते हैंआत्मघाती

- आतंकी संगठन इस्लामिक शहादत जैसी धार्मिक और राष्ट्रवादी विचारधाराओं को बढ़ावा देते हैं।
- आत्मघाती हमलावरों को अक्सर धोखे से या दबाव से भी इस काम के लिए तैयार किया जाता है।
- संगठन अक्सर मनोवैज्ञानिक युद्ध का इस्तेमाल करके आत्मघाती हमलों के लिए प्रेरित करते हैं।
- विभिन्न संगठन धार्मिक या राष्ट्रवादी उद्देश्य प्राप्त करने के लिए आत्मघाती हमले अंजाम देते हैं।

इसलिए ज्यादा कामयाब

- आत्मघाती हमले लक्षित आबादी में डर पैदा करते हैं और उन्हें असुरक्षित महसूस कराते हैं।
- अक्सर सेना और सरकार को निशाना बनाया जाता है, ताकि राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो।
- इन हमलों में हताहतों की संख्या ज्यादा होती है जो आतंकियों के लिए एक प्रभावी हथियार है।
- इन हमलों में कोई पारंपरिक बचाव प्रणाली नहीं होती, जिससे ये हमले बहुत प्रभावी होते हैं।

सबसे घातक हमले

- अमेरिका : 11 सितंबर 2001 को अल कायदा आतंकवादियों ने चार विमानों से वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और पेंटागन पर हमला किया। इस हमले में लगभग 3,000 से अधिक लोग मारे गए।
- रूस : सितंबर 2004 में रूस के बेसलान शहर के एक स्कूल में आतंकवादियों ने तीन दिन हमला किया। इसमें करीब 330 लोगों की मौत हुई, जिनमें अधिकांश बच्चे थे।
- ईराक : 14 अगस्त 2007 को ईराक में एक कार में विस्फोट हुआ जिसमें 756 लोग मारे गए। यह इराक में हुआ एक बेहद घातक आत्मघाती हमला था।
- भारत : 22 जून 1985 को कनाडा-नई दिल्ली उड़ान भरने वाले एअर इंडिया के विमान में विस्फोट हुआ जिसमें 307 यात्री और 22 क्रू मेंबर मारे गए।
- भारत : मुंबई में 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा किया गया हमला जिसमें 167 मारे गए। कई जगह आतंकियों ने नागरिकों पर गोली चलाई।

ट्रंप पर बढ़ा यौन अपराधी एपस्टीन से संबंधित फाइलें जारी करने का दबाव

अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में बिल पारित, मत विभाजन रोकने के प्रयास विफल

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी संसद के दोनों सदन प्रतिनिधि सभा और सीनेट ने मंगलवार को निर्णायक रूप से एक विधेयक पारित कर न्याय विभाग पर दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधित उसकी फाइलें सार्वजनिक करने के लिए दबाव बढ़ा दिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन नेतृत्व के विरोध से पार पाने के लिए कई महीने तक संघर्ष के बाद अमेरिकी संसद अपने इस प्रयास में कामयाब हो सकी।

संसद के एक छोटे व द्विदलीय समूह को जुलाई में प्रतिनिधि सभा में विधेयक को लाने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। तब ट्रंप ने अपने समर्थकों से इसे खारिज करने को कहा था, लेकिन ट्रंप और प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन दोनों मत विभाजन रोकने के अपने प्रयासों में विफल रहे। अब राष्ट्रपति ने विधेयक को लेकर बढ़ती लामबंदी के बीच इस पर अपना रुख नरम कर लिया है और यहां तक कहा है कि वह इस पर हस्ताक्षर करेंगे। निचले सदन द्वारा विधेयक पारित करने के कुछ घंटे बाद सीनेट ने आम-सहमति से विधेयक को पारित करने की मंशा जाहिर कर दी। प्रतिनिधि सभा ने 427-1 वोट से इस बिल को भारी मंजूरी दे दी, वहीं सीनेट ने औपचारिक वोट के बिना सर्वसम्मति से इसे तेजी से पास कर दिया। मंगलवार को कांग्रेस में हुए निर्णायक, द्विदलीय मत विभाजन ने सांसदों और ट्रंप प्रशासन पर लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने के लिए बढ़ते दबाव को और स्पष्ट कर दिया कि न्याय विभाग एपस्टीन से संबंधित अपनी केस फाइलें जारी करे।

ट्रंप पर भी लगते रहे हैं यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधों के आरोप। - फाइल फोटो

पूर्व वित्तमंत्री लैरी समर्स ने एपस्टीन ईमेल लीक होने के बाद ओपनएआई बोर्ड से इस्तीफा दिया

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्व वित्तमंत्री लैरी समर्स ने ओपनएआई के निदेशक मंडल से इस्तीफा देने का फैसला किया है। समर्स का बोर्ड से इस्तीफा ऐसे ईमेल के लीक होने के बाद हुआ है, जिससे खुलासा हुआ था कि जेफरी एपस्टीन द्वारा 2008 में एक नाबालिग लड़की से वेश्यावृत्ति कराने का अपराध स्वीकार किए जाने के बाद भी उन्होंने उसके साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखा था। बोर्ड ने एक बयान में कहा, लैरी ने ओपनएआई निदेशक मंडल से इस्तीफा देने का फैसला किया है और हम उनके फैसले का सम्मान करते हैं। हम उनके योगदान और बोर्ड में उनके द्वारा लाए गए दृष्टिकोण की सराहना करते हैं। समर्स के इस्तीफे की जानकारी उनके द्वारा सार्वजनिक प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने की घोषणा के एक दिन बाद की गई।

यूक्रेन के रिहायशी इलाकों में बरसीं रूस की मिसाइलें, 16 लोगों की मौत, 37 घायल

कीव, एजेंसी

यूक्रेन में मंगलवार रात रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में 16 लोगों की मौत हो गई और 37 लोग घायल हो गए। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की रूस पर दबाव बनाने के प्रयासों के तहत तुर्किये में वार्ता करने वाले हैं।

गृह मंत्री इहोर क्लिमेंको के अनुसार, पश्चिमी यूक्रेन के शहर टेरनोपिल में नौ मंजिला दो अपार्टमेंट ब्लॉक पर रात में हमले हुए। हमले में लगभग 37 लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिनमें 12 बच्चे भी शामिल हैं। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने रात भर 476 यूक्रेनी ठिकानों पर डिकॉय ड्रोन से हमले किए और विभिन्न प्रकार की 48 मिसाइलें दागीं।

रूसी हमले के बाद एक इमारत से बुजुर्ग महिला को निकालकर ले जाते यूक्रेनी बचावकर्मी।

जेलेंस्की ने मैसेजिंग ऐप 'टेलीग्राम' पर लिखा, आम जीवन के खिलाफ हर बेशर्म हमला यह दर्शाता है कि रूस पर युद्ध रोकने के लिए दबाव अपर्याप्त है। जेलेंस्की ने कहा कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को कूटनीतिक रूप से अलग-थलग करने और उनपर अधिक अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने के अपने प्रयासों के तहत बुधवार को तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन से मुलाकात करेंगे।

यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर उत्तर-पूर्वी खारकीव में, रूसी ड्रोन हमलों में दो लड़कियों समेत 46 लोग घायल हो गए।

खशोगी की हत्या में सऊदी के क्राउन प्रिंस शामिल नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के उन निष्कर्षों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि 2018 में 'वाशिंगटन पोस्ट' के पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की कुछ हद तक संलिप्तता हो सकती है। ट्रंप ने सात साल में पहली बार व्हाइट हाउस आए सऊदी अरब के शासक का गर्मजोशी से स्वागत किया।

सऊदी अरब की नीतियों के कटु आलोचक रहे खशोगी की हत्या से एक समय के लिए अमेरिका-सऊदी अरब के रिश्तों में भारी तनाव आ गया था, लेकिन सात साल बाद ट्रंप क्राउन प्रिंस को पश्चिम एशिया के भविष्य को आकार देने वाला अहम नेता बता रहे हैं। ट्रंप ने खशोगी को 'बेहद विवादित व्यक्ति' बताया। प्रिंस मोहम्मद ने खशोगी की हत्या में संलिप्तता से इनकार किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रिंस मोहम्मद की उपस्थिति में ओवल ऑफिस में एक पत्रकार के सवाल पर कहा, पसंद करें या न करें, ऐसी बातें हो जाती हैं, लेकिन क्राउन प्रिंस को इसके बारे में कुछ पता नहीं था।

- ट्रंप ने अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट को किया खारिज

तीखे सवाल पूछने पर रिपोर्टर को धमकाया

न्यूयॉर्क। ट्रंप ने तीखे सवाल पूछने पर 'एबीसी न्यूज' की पत्रकार मैरी ब्रूस पर निशाना साधते हुए उन्हें बेहद खराब रिपोर्टर बताया और समाचार संगठन के प्रसारण का लाइसेंस रद्द करने की धमकी दी। ब्रूस ने ट्रंप से पूछा कि क्या राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उनके परिवार का सऊदी अरब में व्यापार करना उचित है। ब्रूस ने क्राउन प्रिंस से पूछा, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने निष्कर्ष निकाला कि आपने एक पत्रकार की हत्या की साजिश रची। 9/11 पीड़ितों के परिजन आपके यहां आने से नाराज हैं। अमेरिकी आप पर क्यों भरोसा करें। इन सवालों के बाद ट्रंप ने एबीसी को 'फेक न्यूज' बताया और ब्रूस की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने प्रिंस से बेहद खराब प्रश्न पूछा। यौन अपराधी एपस्टीन पर एक सवाल पूछे जाने पर ट्रंप ने ब्रूस से कहा, आप एक खराब रिपोर्टर हैं।

नेपाल : जेन जी की ओली की पार्टी के कार्यकर्ताओं से झड़प बारा जिले में कर्फ्यू

काठमांडू। भारत से सटे नेपाल के बारा जिले के कुछ हिस्सों में जेन जी युवाओं और अपदस्थ प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प के बाद बुधवार को इलाके में कर्फ्यू लगा दिया गया।

बारा जिला प्रशासन ने बताया कि सिमारा हवाई अड्डे के 500 मीटर के दायरे में अपराह्न 12:30 बजे से रात 8:00 बजे तक कर्फ्यू लागू रहेगा, क्योंकि वहां सैकड़ों जेनरेशन जी युवा नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के खिलाफ नारे लगाते हुए एकत्र हुए थे। पुलिस ने बताया कि यह झड़प उस समय हुई जब बुद्ध एयर का विमान पार्टी महासचिव शंकर पोखरेल और पार्टी के युवा नेता महेश बसनेत को लेकर काठमांडू से सिमारा के लिए उड़ान भरने वाला था, जहां उन्हें सरकार विरोधी रैली को संबोधित करना था।

सीपीएन-यूएमएल नेताओं के सिमारा जाने की खबर जैसे ही फैली जेन जी के प्रदर्शनकारी उनके आगमन का विरोध करने के लिए हवाई अड्डे पर एकत्र हो गए। जहां उनकी स्थानीय सीपीएन-यूएमएल कार्यकर्ताओं के साथ झड़प हो गई।

ताकाइची को चीन की धमकी, ताइवान पर टिप्पणी वापस न ली तो कार्रवाई

बीजिंग/टोक्यो। चीन ने बुधवार को जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची से ताइवान पर की गई गलत टिप्पणियां वापस लेने को कहते हुए चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर जवाबी कदम उठाए जाएंगे।

दोनों देशों के अधिकारियों के बीच बीजिंग में तनाव कम करने के लिए हुई बैठक के एक दिन बाद चीन ने यह चेतावनी जारी की। चीन-जापान के बीच हुई बैठक में हालांकि मतभेदों को दूर करने पर बात नहीं बनी। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां कहा कि ताकाइची ने हाल ही में ताइवान के बारे में गलत टिप्पणियां कीं, जो चीन के आंतरिक मामलों में घोर हस्तक्षेप है और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। उन्होंने युद्धोत्तर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती दी और चीन के लोगों में आक्रोश को भड़काया है।

- जापान के साथ बढ़ा तनाव, बीजिंग में बैठक के बाद भी मतभेद कायम

उन्होंने कहा, म जापान से आग्रह करते हैं कि वह अपनी गलत टिप्पणियों को वापस ले, समस्याएं उत्पन्न करना बंद करे और द्विपक्षीय संबंधों की नींव को बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाए। माओ ने कहा, अगर जापान अपनी टिप्पणियों को वापस लेने से इन्कार करता है, तो चीन के पास गंभीर जवाबी कार्रवाई करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा और इसके सभी परिणाम जापान को भुगतने होंगे। माओ ने एक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह भी कहा कि जापान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यता पाने के लिए पूरी तरह से अयोग्य है।

एसआईआर के बीच सीमा पार करने की कोशिश कर रहे अवैध बांग्लादेशियों की संख्या बढ़ी

कोलकाता, एजेंसी

- बीएसएफ का खुलासा, अचानक संख्या बढ़ने से सीमा पर दबाव

बीएसएफ के अधिकारियों के अनुसार हाल के सप्ताहों में दक्षिण बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पार करने का प्रयास करने वाले अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है तथा इस वृद्धि को एसआईआर से जोड़ा जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा किउत्तरी 24 परगना और मालदा जिलों में बिना बाड़ वाले इलाकों से घर लौटने की कोशिश कर रहे बिना दस्तावेज वाले बांग्लादेशी प्रवासियों की संख्या में पिछले दो वर्षों की तुलना में 'बड़ी वृद्धि' देखी गई है।

बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, पहले ऐसी घटनाएं बमुश्किल दोहरे अंक में पहुंचती थीं। अब यह आंकड़ा हर दिन लगातार तीन अंकों में पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ रिपोर्टों में प्रतिदिन लगभग 500 की संख्या बताई गई है, जबकि वास्तविक संख्या थोड़ी कम है, लेकिन पर्याप्त है 100, 150 या इससे अधिक। उत्तरी 24 परगना में सीमा पर तैनात बीएसएफ कर्मियों ने कहा कि चौकियों पर छोटे बैग और सामान ले जाने वाले लोगों की कतार देखी जा रही है, जो खुले तौर पर स्वीकार कर रहे हैं कि वे बांग्लादेशी नागरिक हैं जो काम की तलाश में वर्षों पहले अवैध रूप से भारत आए थे। उनमें से एक, आयशा बीबी, जिसने खुद को खुलना जिले का निवासी बताया, ने कहा कि वह गरीबी के कारण भारत आई थी और बिना कागजात के यहां रह रही थी।

उन्होंने कहा, मेरे पास कोई दस्तावेज नहीं है। अब मैं खुलना लौटना चाहती हूं। मैं यहां वापस जाने का ही इंतजार कर रही हूं। एक अन्य बांग्लादेशी सतखिरा के अमीर मिर्जा ने कहा कि वह रोजगार की तलाश में भारत आया था और बिराती में रह रहा था। उन्होंने कहा, मेरे जैसे कई लोग हैं। अब हम सभी वापस जाना चाहते हैं। बांग्लादेशी प्रवासियों के लौटने की संख्या में अचानक हुई वृद्धि से बीएसएफ और राज्य पुलिस पर दबाव बढ़ गया है, जिन्हें सीमा के दोनों ओर पकड़े गए प्रत्येक व्यक्ति का बायोमेट्रिक सत्यापन, पूछताछ और आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच करनी होती है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 20 नवंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अमावस्या 12.16 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

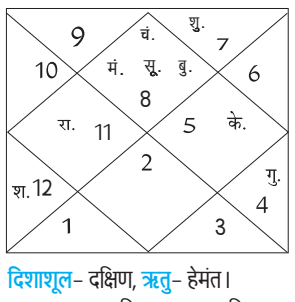

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-विशाखा 10.58 तक तत्पश्चात अनुराधा।

मेष - आज स्वास्थ्य समस्या है, तो तुरंत अपने डॉक्टर से मिलें। आर्थिक कारणों से आपका मन विचलित रहेगा। सिरदर्द और बुखार की समस्या हो सकती है। आडंबर युक्त व्यवहार के कारण लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं।

वृष - आज परिवार में सुख-शांति रहेगी। आप जैसी अपेक्षा कर रहे थे काम वैसे ही होंगे। व्यापार में बड़ी डील हो सकती है। नया काम भी शुरू कर सकते हैं। अचानक बड़ा धन लाभ हो सकता है। शुभ समाचार मिलने से उत्साह में वृद्धि होगी।

मिथुन - आज कार्यक्षेत्र में विदेशी लोगों से आपको समर्थन मिल सकता है। अपनी गलतियों को सुधारने का प्रयास करें। विवाहोत्सुक जातकों को प्रस्ताव मिल सकते हैं। विद्यार्थी अपने करियर को लेकर तनाव में आ सकते हैं।

कर्क - आज आध्यात्मिक विषयों के प्रति आपकी जिज्ञासा बढ़ सकती है। घरेलू कलह से बचने के लिए स्वयं शांत रहें। अपने भाग्य को दोष देने के बजाय मजबूती से चुनौतियों का सामना करें, सफलता शीघ्र ही मिलेगी। संतान के व्यवहार से निराशा हो सकती है।

सिंह - आज जीवनसाथी आपकी भावनाओं को समझ नहीं पा रहे हैं, लेकिन यदि कहीं आप इसके लिए जिम्मेदार हैं, तो इस मामले को शीघ्रता से सुलझा लें। वरना आप काफी अकेलापन महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा।

कन्या - आज व्यवसाय में आशा से बेहतर परिणाम मिलेंगे। सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अधीनस्थ कर्मचारी विद्रोही रूख व्यक्त कर सकते हैं। नाराज लोगों को मनाने के लिए दिन बेहतर है।

तुला - आज मान-सम्मान में कमी आ सकती है। किसी जरूरी कार्य के बाधित होने के कारण कुंठाग्रस्त हो सकते हैं। छोटे बच्चों या अध्यात्मिक लोगों के साथ समय बिताना लाभकारी होगा। सुख-सुविधाओं पर अधिक धन खर्च कर सकते हैं।

वृश्चिक - आज मानसिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। कमीशन आदि से लाभ हो सकता है। व्यवसाय में नए अनुबंध हो सकते हैं, किंतु काम शुरू नहीं हो पाएगा। आप अपनी जिम्मेदारियों को लेकर अत्यंत संवेदनशील रहेंगे।

धनु - आज आपको बहुत परिश्रम करने से बचना चाहिए। कानूनी उलझनों में फंस सकते हैं। बेमतलब के कार्यों में आपका समय बर्बाद होगा। अनिर्णय की स्थिति उत्पन्न होगी। मेहनत का उत्तम परिणाम प्राप्त नहीं होगा। भाई-बहनों को कोई स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

मकर - आज कार्यक्षेत्र में आपका दबदबा बढ़ेगा। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि हो सकती है। नई जॉब ढूंढ रहे हैं, तो दिन बेहद अनुकूल है। प्रियजनों से आपको उत्तम सलाह व उचित सहायता मिल सकती है। बच्चे माता-पिता की आशाओं पर खरे उतरेंगे।

कुंभ - आज व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। वैवाहिक जीवन में प्रेम भावनाओं का आधिक्य रहेगा। कृषि कार्यों से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ है। किसी से अधिक अपेक्षा न करें, क्योंकि आप जैसा सोचेंगे वैसा होगा नहीं। संतान को लेकर थोड़े विचारशील हो सकते हैं।

मीन - आज यात्राओं के कारण स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। पुरानी गलतियों का भुगतान करना पड़ सकता है। क्रोध व उत्तेजित प्रतिक्रिया से बचें। धर्म के प्रति मन में शंका हो सकती है। संपत्ति विवाद गहरा सकते हैं।

सुडोकू-166

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
				3				
7								
		2		8				
						4		
		9						
					3			
								1
	5							

सुडोकू - 165 का हल

1	6	5	7	8	2	3	9	4
2	7	8	9	3	4	5	1	6
3	4	9	5	1	6	7	8	2
6	8	7	4	9	3	1	2	5
5	9	3	6	2	1	8	4	7
4	2	1	8	5	7	9	6	3
9	5	2	3	6	8	4	7	1
8	1	4	2	7	5	6	3	9
7	3	6	1	4	9	2	5	8

घरेलू प्रतियोगिता के व्यस्त कार्यक्रम पर हमेशा मिश्रित राय होगी, लेकिन व्यक्तिगत रूप से मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है। घरेलू सत्र के दौरान लाल गेंद के मैचों के बीच कुछ सीमित ओवरों के मैच खेलने से खिलाड़ियों को मानसिक रूप से तरोताजा रहने में मदद मिलती है।

-शार्दुल ठाकुर

स्टेडियम

हल्द्वानी, गुरुवार 20 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल बने नंबर एक वनडे बल्लेबाज

दुबई : भारत के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा कुछ समय तक शीर्ष पर रहने के बाद बुधवार को जारी आईसीसी की एकदिवसीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसक गए जबकि न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने शीर्ष स्थान हासिल किया। वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार शतक की बदौलत मिचेल एकदिवसीय बल्लेबाजों की सूची में नंबर एक स्थान हासिल करने वाले न्यूजीलैंड के दूसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने कैरेबियाई टीम के खिलाफ श्रृंखला के शुरुआती मैच में अपना सातवां एकदिवसीय शतक लगाया और यह फॉर्म में चल रहे इस दाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए रोहित को पछाड़कर अपने करियर में पहली बार शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए पर्याप्त साबित हुआ। मिचेल के वर्तमान में 782 रेटिंग अंक हैं जो रोहित से एक अंक अधिक है।

बुमराह टेस्ट गेंदबाजों की शीर्ष रैंकिंग पर

दुबई : भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ईडन गार्डन्स में पहले टेस्ट में छह विकेट लेकर नंबर एक टेस्ट गेंदबाज का स्थान बरकरार रखा है। उनके साथी कुलदीप यादव (दो स्थान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर) और रविंद्र जडेजा (चार स्थान के फायदे से 15वें स्थान पर) की गेंदबाजी रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन (एक स्थान के फायदे से 11वें स्थान पर) और साइमन हार्मर (20 स्थान ऊपर चढ़कर 24वें स्थान पर) भी भारत के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बाद टेस्ट गेंदबाजों की सूची में आगे बढ़े हैं। यानसेन टेस्ट ऑलराउंडर की नवीनतम रैंकिंग में भी एक स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें स्थान पर आ गए हैं।

हिमांशु ने पैरा तैराकी में जीते तीन स्वर्ण

हैदराबाद : हिमांशु नंदल ने राष्ट्रीय पैरा तैराकी चैम्पियनशिप में एस11 वर्ग में तीन स्वर्ण के साथ सर्वश्रेष्ठ तैराक का पुरस्कार भी जीता। यह टूर्नामेंट यहां 15 से 18 नवंबर के बीच खेला गया था। नंदल ने एस11 श्रेणी में रफ्तार, अनुशासन और नियंत्रण का प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण अपने नाम किये। उन्होंने 50 मीटर फ्रीस्टाइल, 100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक और 100 मीटर बैकस्ट्रोक में सोना जीता।

फिडे विश्व कप में भारत की चुनौती समाप्त

पणजी : ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी को बुधवार को यहां क्वार्टर फाइनल के टाईब्रेक में चीन के वेई यी के खिलाफ 1.5-2.5 से हार का सामना करना पड़ा जिससे फिडे शतरंज विश्व कप में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। रेपिड टाईब्रेक बाजियों में भाग्य ने एरिगेसी का साथ नहीं दिया। चीन के खिलाड़ी ने एरिगेसी पर लगातार दबाव बनाए रखा। दोनों खिलाड़ियों के बीच पहली टाईब्रेक बाजी ड्रॉ रही लेकिन दूसरी बाजी में एरिगेसी ने नियंत्रण गंवाने के साथ मुकाबला भी गंवा दिया। एरिगेसी दूसरी बाजी में सफेद मोहरों से खेल रहे थे लेकिन इसके बावजूद फायदा उठाने में नाकाम रहे। आंद्रे इसिपेंको ने टाईब्रेकर की शुरुआती दो बाजियां ड्रॉ रहने के बाद अगली दोनों बाजियां जीतकर अमेरिका के सैम शेंकलैंड को 4-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

विस्फोटक रिंकू सिंह ने खेली करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी

कोयंबटूर, एजेंसी

टी-20 क्रिकेट में फिनिशर की भूमिका के लिए मशहूर रिंकू सिंह ने बुधवार को यहां प्रथम श्रेणी क्रिकेट में करियर की सर्वश्रेष्ठ 176 रन की पारी खेली जिससे उत्तर प्रदेश ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के मैच के चौथे और अंतिम दिन बुधवार को यहां तमिलनाडु के खिलाफ पहली पारी के आधार पर बढ़त हासिल करके तीन अंक जुटाए।

तमिलनाडु के पहली पारी के 455 रन के जवाब में उत्तर प्रदेश ने 460 रन बनाकर ड्रॉ हुए मैच में तीन अंक हासिल किए। तमिलनाडु को एक अंक मिला। उत्तर प्रदेश को बढ़त दिलाने में रिंकू की अहम भूमिका रही जिन्होंने 247 गेंद की अपनी पारी में 17 चौके और छह छक्के मारे। निचले क्रम में शिवम मावी ने भी 54 रन की उपयोगी पारी खेली। भारत की राष्ट्रीय टीम जब स्वदेश में टेस्ट मैच में स्पिनरों का सामना करने में जूझ रही है तब रिंकू ने इस पारी से टीम में जगह बनाने की अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। नागपुर में पूर्व चैंपियन विदर्भ ने तेज गेंदबाज दर्शन नालकंडे (15 रन पर पांच विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी से बड़ौदा को 144 रन से हराया। विदर्भ को

- तमिलनाडु के खिलाफ ड्रॉ मैच से यूपी ने बटोरे तीन अंक

इस जीत से छह अंक मिले जिससे उसने तालिका के शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत की। विदर्भ के 276 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बड़ौदा ने मंगलवार को 73 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे और अंततः उसकी पूरी टीम 50.4 ओवर में 131 रन पर सिमट गई।विदर्भ के पहली पारी के 169 रन के जवाब में बड़ौदा ने 166 रन बनाए थे। विदर्भ की जीत में नालकंडे की अहम भूमिका रही जिन्होंने अपने प्रथम श्रेणी पदार्पण के सात साल बाद पहली बार पारी में पांच विकेट चटकाए।

बड़ौदा की ओर से दूसरी पारी में सुकीर्त पांडे 37 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। जमशेदपुर में झारखंड ने आंध्र को पारी और 81 रन से हराया। झारखंड के 328 रन के जवाब में आंध्र ने पहली पारी छह विकेट पर 567 रन बनाकर घोषित की। इसके बाद झारखंड की टीम दूसरी पारी में 158 रन पर सिमट गई और उसे पारी के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। आंध्र की ओर से सौरभ कुमार ने 47 रन पर पांच जबकि त्रिपुराना विजय ने 39 रन पर तीन विकेट चटकाए। आंध्र को इस जीत से बोनस अंक सहित सात अंक मिले। भुवनेश्वर में ओडिशा ने नगालैंड को 299 रन से हराया।

ओडिशा के 465 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नगालैंड की टीम गोविंदा पोद्दार (69 रन पर पांच विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 165 रन पर सिमट गई। नगालैंड की ओर से देगा निश्चल ने सर्वाधिक 52 रन बनाए।

गिल पूरी तरह फिट नहीं, पर खेलने को बेताब

टीम के बाकी सदस्यों के साथ बुधवार को पहुंचे गुवाहाटी, बीसीसीआई सचिव बोले- उनकी प्रगति को देखकर लिया जाएगा फैसला

गुवाहाटी, एजेंसी

भारतीय कप्तान शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम के बाकी सदस्यों के साथ बुधवार को गुवाहाटी पहुंच गए, लेकिन उनकी गर्दन की चोट शनिवार को यहां शुरू होने वाले मैच से पहले पूरी तरह ठीक होने की संभावना नहीं है। पूरी संभावना है कि गिल गुरुवार और शुक्रवार को होने वाले अभ्यास सत्रों के दौरान खुद को फिट साबित करने की पूरी कोशिश करेंगे।

भारतीय टीम के सूत्रों की मानें तो 26 वर्षीय गिल अभी शतप्रतिशत फिट नहीं हैं। उनकी गर्दन में दर्द अभी भी बना हुआ है, हालांकि यह पहले की तुलना में काफी कम है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दिन में कहा था कि गिल टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा शुभमन पर उपचार का अच्छा असर हो रहा है और वह 19 नवंबर 2025 को टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे। उन्होंने कहा बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी निगरानी करती रहेगी और दूसरे टेस्ट में उनकी भागीदारी पर फैसला उनकी प्रगति को देखकर लिया जाएगा।

इस तरह से बीसीसीआई के सचिव ने भी गिल के दूसरे टेस्ट में खेलने को लेकर संशय बरकरार रखा। कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन 26 वर्षीय गिल की गर्दन में अकड़न आ गई थी। वह पहली पारी में चार रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे और इसके बाद मैच में आगे नहीं खेल पाए थे। गिल को इस चोट के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। गिल की अनुपस्थिति में भारतीय टीम यह मैच 30 रन से हार गई थी।

गिल को चिकित्सकीय रूप में फिट घोषित किया जा सकता है लेकिन पांच दिन की क्रिकेट की चुनौती अलग तरह की होती है जिसके कारण समस्या बढ़ सकती है और उन्हें लंबे समय तक बाहर रहना पड़ सकता है। पहले टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजों की स्पिनरों को खेलने की कमजोरी का खुलासा हो गया।

कोलकाता टेस्ट के बाद ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर एक बड़ा खतरा बन गए हैं, ऐसे में स्पिन का सामना करने में सक्षम दाएं हाथ के बल्लेबाज की टीम को सख्त जरूरत है। मौजूदा कोचिंग स्टाफ और चयन समिति को सरफराज खान, करुण नायर या अभिमन्यु ईश्वरन जैसे खिलाड़ियों पर ज्यादा भरोसा नहीं है, जबकि ये तीनों स्पिन को अच्छी तरह से खेलते हैं। उनका सीधा तर्क यह है कि भले ही साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल दोनों बाएं हाथ के खिलाड़ी हैं, लेकिन किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल करने पर युवा खिलाड़ियों की दबाव झेलने की क्षमता पर विश्वास की कमी का संकेत मिलेगा। सुदर्शन का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है और कुछ लोगों का मानना है कि ध्रुव जुरेल अपनी बेहतर तकनीक के साथ तीसरे नंबर पर बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

भारतीय टीम की वर्तमान स्थिति को देखते हुए ही गिल बल्लेबाजी के लिए पर्याप्त रूप से फिट होना चाहते हैं, क्योंकि आधा फिट कप्तान भी सुदर्शन, ईश्वरन या सरफराज से अधिक प्रभावी माना जाता है। इसके अलावा गिल का टेस्ट कप्तान के रूप में यह शुरुआती दौर है और वह किसी मैच से बाहर नहीं बैठना चाहेंगे। गिल के चोटिल होने के कारण ऑलराउंडर नितीश रेड्डी को राजकोट में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चल रही भारत ए की सीरीज से वापस बुला दिया गया है।

गुवाहाटी के गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारत और दक्षिण अफ्रीकी टीमों के खिलाड़ी व स्टाफ के सदस्य। एजेंसी

एकदिवसीय मुकाबलों से बाहर रह सकते हैं हार्दिक और बुमराह

गुवाहाटी। अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए जांघ की चोट से उबर रहे ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में खेलने की संभावना नहीं है और उम्मीद है कि वह फिलहाल केवल सबसे छोटे प्रारूप (टी20) पर ही ध्यान केंद्रित करेंगे। मुख्य तेज गेंदबाजों के काम के बोझ के प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला से आराम दिए जाने की संभावना है क्योंकि इसका टी20 विश्व कप की तैयारी में कोई खास महत्व नहीं है। हार्दिक को सितंबर में दुबई में एशिया कप टी20 के दौरान जांघ में चोट लगी थी और वह पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में भी नहीं खेल पाए थे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने नाम नहीं छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया हार्दिक इस समय अपनी जांघ की चोट से उबर रहे हैं। वह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी आरटीपी ट्रेनिंग कर रहे हैं। फिलहाल जांघ की चोट से वापसी के बाद उन्हें धीरे-धीरे अपना कार्यभार बढ़ाने की जरूरत है और सीधे 50 ओवर के मैच खेलना जोखिम भरा होगा।

लक्ष्य सहित पांच भारतीय दूसरे दौर में

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय सहित पांच भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार शुरुआत करते हुए बुधवार को यहां 475,000 डॉलर इनामी आस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने चीनी ताइपे के सु ली यांग को 21-17, 21-13 से हराया, जबकि इस प्रतियोगिता में 2023 के उपविजेता प्रणय ने खराब शुरुआत से उबरते हुए पहले दौर के मैच में दुनिया के 85वें नंबर के खिलाड़ी योहानेस सौत मार्सेलिनो को 57 मिनट में 6-21, 21-12, 21-17 से हराया।

विश्व के 32वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने कनाडा के सैम युआन को 33 मिनट में 21-11, 21-15 से पराजित किया। मकाऊ ओपन के सेमीफाइनलिस्ट थारुण मन्नेपल्ली ने डेनमार्क के मैग्नस योहानसन को 66 मिनट तक चले मुकाबले में 21-13, 17-21, 21-19 से हराया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता अनुभवी किदांबी श्रीकांत भी 64 मिनट तक चले मुकाबले में चीनी ताइपे के ली चिया हाओ को 21-19, 19-21, 21-15 से हराकर अगले दौर में पहुंच गए।

इस बीच किरण जॉर्ज को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद जापान के छठी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो से 21-11, 22-24, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा।

मोहित जगलान और लक्षिता जगलान की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी को एक अन्य मैच में कनाडा के नाइल याकुरा और क्रिस्टल लाई ने 12-21, 16-21 से हराकर बाहर कर दिया।

भारत ए पर जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाड़ी। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका ए बचा क्लीन स्वीप होने से

राजकोट, एजेंसी

- सीरीज के तीसरे व अंतिम मैच में भारत ए को 73 रनों से हराया

युवा बल्लेबाज हुआन ड्रे प्रिटोरियस के शानदार शतक की मदद से दक्षिण अफ्रीका ए ने तीसरे अनधिकृत वनडे में भारत ए को 73 रन से हराकर सीरीज में सूपड़ा साफ होने से बचाया। भारत ए ने पहले दोनों मैच जीते थे।

प्रिटोरियस (98 गेंद में 123 रन)के अलावा सलामी बल्लेबाज रिवाल्डो मूनसामी (130 गेंद में 107 रन) ने भी शतक लगाया और दोनों ने 241 रन की साझेदारी करके दक्षिण अफ्रीका को 50 ओवरों में छह विकेट पर 325 रन तक पहुंचाया। भारत के लिये हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा और खलील अहमद ने दो दो विकेट लिये। जवाब में भारत ए टीम 49.1 ओवर में 252 रन पर आउट हो गई। भारत ए के लिये सिर्फ आयुष बडोनी 66 गेंद में 66 रन बना सके। ईशान किशन ने 67 गेंद में 53 रन बनाए जबकि बाकी बल्लेबाज नाकाम रहे।

विश्व चैंपियनशिप | पूरे आत्मविश्वास और नियंत्रण के साथ लड़ते हुए विश्व चैंपियन जैस्मीन ने कजाकिस्तान की सरसेनबेक को हराया

दस भारतीय मुक्केबाज स्वर्ण पदक के लिए उतरेंगे

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी

विश्व चैंपियन जैस्मीन लैम्बोरिया (57 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में कजाकिस्तान की उल्जान सरसेनबेक, जो एशियाई युवा चैंपियनशिप की पूर्व स्वर्ण पदक विजेता हैं, को 5-0 से हराकर विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल 2025 के फाइनल में प्रवेश किया।

जैस्मीन और अन्य भारतीय मुक्केबाजों के साथ, जो गुरुवार को शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे, जदुमणि सिंह और पवन बर्तवाल भी अपने प्रतिद्वंद्वियों पर सर्वसम्मति से जीत हासिल करने के बाद शामिल हुए। पूरे आत्मविश्वास और नियंत्रण के साथ लड़ते हुए, जैस्मीन ने शुरुआत में ही अपने शानदार संयोजनों से अपनी धाक जमाई, ब्लॉक और स्लिप के

महिलाओं के 70 किग्रा सेमीफाइनल में भारत की अरुंधति चौधरी (लाल रंग में) ने जर्मनी की लियोनी मुलर के खिलाफ जमकर वार किया। एजेंसी

बावजूद अपनी रक्षात्मक रक्षापंक्ति को मजबूत बनाए रखा और तीसरे राउंड के आखिर में अपनी प्रतिद्वंद्वी के आक्रामक रुख को शांतचित्त होकर झेलते हुए एक बेहतरीन जीत दर्ज की। विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 की स्वर्ण पदक विजेता, अपने वर्ग की सबसे प्रतिष्ठित मुक्केबाजों में से एक, पेरिस ओलंपिक पदक विजेता चीनी ताइपे की वू-शिह यी के खिलाफ एक धमाकेदार खिताबी मुकाबले के लिए तैयार हैं। भारत का फाइनल में पहुंचने का अभियान पवन (55 किग्रा) और जदुमणि (50 किग्रा) के माध्यम से जारी रहा, दोनों ने शानदार जीत हासिल कर मेज़बान देश की गति को बढ़ाया। इस सप्ताह की शुरुआत में मिली सफलता के शिखर पर पहुंचे पवन ने शुरुआती कड़े मुकाबले से उबरते हुए इंग्लैंड के एलिस ट्रोब्रिज पर गति, सटीकता और पलटवार के दो शानदार राउंड के साथ 5-0 से जीत हासिल की। जदुमणि ने ऑस्ट्रेलिया के ओमर इज़ाज-जो अस्ताना विश्व कप पदक विजेता हैं-को लगातार दबाव, तीखे हुक और चतुराई भरे फुटवर्क से परास्त किया, जिससे उनसे लंबे मुक्केबाज पूरे समय रस्सियों पर बने रहे। इससे पहले, जुगनू (85 किग्रा) 5:0 से हारकर बाहर हो गए, जबकि नीरज फोगाट (65 किग्रा) ने ओलंपिक पदक विजेता चेन निएन-चिन के खिलाफ जोशीला और निडर प्रदर्शन किया, पर 3:2 के विभाजित निर्णय से हार गए। छठे सत्र के परिणामों के बाद, गुरुवार के फाइनल में दस भारतीय मुक्केबाजों के भाग लेने की पुष्टि हो गई है।

अरुंधति फाइनल में उज्बेकिस्तान की अजीजा से भिड़ेंगी

लियोनी मुलर के खिलाफ अपनी जीत के बाद, अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) फाइनल में उज्बेकिस्तान की अजीजा ज़ोकिरोवा से भिड़ेंगी, जो 2022 एशियाई युवा चैंपियन और 2024 एशियाई रजत पदक विजेता हैं। नूपुर (80 किग्रा) का मुकाबला उज्बेकिस्तान की सोतिम्बोएवा ओल्टिनोय से होगा, जबकि पूजा (80 किग्रा) को पोलैंड की अगाता काजमारस्का, जो 80 किग्रा वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन हैं, के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। पुरुषों की लाइनअप में, अंकुश फंगल (80 किग्रा) 2024 विश्व मुक्केबाजी कप चैंपियन, इंग्लैंड के शिट्टू ओलादिमेजी के खिलाफ फाइनल में प्रवेश करेंगे।

स्पेन, बेल्जियम, स्विट्जरलैंड और स्कॉटलैंड ने विश्व कप में जगह बनाई

ग्लास्गो, एजेंसी

स्कॉटलैंड ने डेनमार्क को हराकर 28 साल के इंतजार के बाद विश्व कप फुटबॉल में अपनी जगह सुरक्षित की जबकि ऑस्ट्रिया भी 1998 के बाद पहली बार इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहा।

स्पेन ने यूरोप में प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिताओं में 31 मैच तक अजेय रहने के इटली के रिकॉर्ड की बराबरी करके अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप में अपनी जगह सुरक्षित की। मंगलवार को यूरोपीय क्वालीफाइंग समाप्त होने के साथ ही बेल्जियम और स्विट्ज़रलैंड ने भी विश्व कप 2026 में अपनी जगह पक्की कर ली। इस तरह यूरोप से 12 टीमों ने अपने ग्रुप में विजेता बनकर क्वालीफाई कर लिया है।

विश्व कप फुटबॉल में अपनी जगह सुरक्षित करने के बाद बेल्जियम के खिलाड़ी।

डेढ़ लाख की आबादी वाले देश कुराकाओ ने विश्व कप में जगह बनाकर रचा इतिहास

किंग्सटन, जमैका : कुराकाओ की जनसंख्या लगभग डेढ़ लाख है, लेकिन इसके बावजूद उसने अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप में जगह बनाकर नया इतिहास रच दिया। कुराकाओ ने जमैका के साथ गोलरहित ड्रॉ खेलकर पहली बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। इस तरह से वह फुटबॉल विश्व कप में जगह बनाने वाला सबसे कम आबादी वाला देश बन गया है। कुराकाओ के केंद्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार पिछली जनवरी तक देश की जनसंख्या 156,115 थी। इससे पहले विश्व कप फुटबॉल में जगह बनाने वाला सबसे कम आबादी वाला देश आइसलैंड था। उसने जब 2018 में रूस ने खेले गए विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था तब उसकी जनसंख्या लगभग 350,000 थी।